खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 22° C
न्यूनतम : 12° C

बरेली, सोमवार 13 अप्रैल 2026 बरेली संस्करण: वर्ष 23 अंक 132 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | वैसाख कृष्ण पक्ष 11 विक्रमी सम्वत् 2083 | 24 शव्वाल 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्राफी को बदलना चाहते हैं: योगी पेज 2

रुतुराज गायकवाड़ पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना खेल टाइम्स

आम्बेडकरवादी भी जातिवादी हैं! सम्पादकीय

ईरान से वार्ता विफल होने पर भड़के ट्रम्प, ईरान को बताया जिम्मेदार पेज 12

वैश्विक ताकत की रेस में कमजोर हुआ सुपर पावर अमेरिका

वाशिंगटन, वार्ता

ईरान युद्ध ने वैश्विक शक्ति संतुलन में नए समीकरण खड़े कर दिए हैं। जहां अमेरिका को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं चीन और रूस इस स्थिति का रणनीतिक लाभ उठाते नजर आ रहे हैं।

आने वाले समय में यह संघर्ष वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। ईरान में जारी युद्ध और उससे उपजे भू-राजनीतिक तनाव ने अमेरिका की वैश्विक स्थिति पर गहरा असर डाला है। विश्लेषकों के मुताबिक इस संघर्ष ने न केवल अमेरिका की रणनीतिक पकड़ कमजोर की है, बल्कि रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों को नए अवसर भी प्रदान किए हैं। हाल ही

■ शक्ति संतुलन में नए समीकरण खड़े हुए, ईरान युद्ध से अमेरिका को झटका, कई मोर्चों पर असर, चीन-रूस को होगा फायदा

में 14 दिन के संघर्षविराम के बाद भले ही अमेरिका और ईरान दोनों ने जीत का दावा किया हो, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में इस घटनाक्रम को अमेरिका के लिए झटके के रूप में देखा जा रहा है। इस रिपोर्ट में उन चार प्रमुख पहलुओं को समझाया गया है, जिनके जरिए ईरान में जारी संघर्ष ने 21वीं सदी की वैश्विक महाशक्ति प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की स्थिति को कमजोर किया है। अमेरिका लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक हितों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरणों ने उसकी चुनौतियां बढ़ा दी हैं। शीत युद्ध के दौर में अमेरिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को सीमित करना था, जबकि साथ ही इजरायल और पाकिस्तान जैसे सहयोगियों के परमाणु विकास पर नजर रखना भी शामिल था। 2020 के दशक में यह फोकस बदलकर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को रोकने पर केंद्रित हो गया। वहीं चीन और रूस ने विभिन्न गठबंधनों और कूटनीतिक कदमों के जरिए पश्चिम एशिया में अपनी पकड़ मजबूत की है। चीन ने 2023 में सऊदी-ईरान समझौते में मध्यस्थता की, जबकि रूस ने ईरान और सीरिया के साथ सहयोग बढ़ाया। बदलते हालात में खाड़ी देश अब सुरक्षा और सहयोग के लिए नए विकल्प तलाश रहे हैं। अमेरिका का रणनीतिक फोकस हाल के वर्षों में लगातार पश्चिम एशिया से हटकर इंडो-पैसिफिक और पश्चिमी गोलार्ध की ओर बढ़ रहा था, लेकिन ईरान में छिड़े युद्ध ने इस दिशा को उलट दिया। इराक और अफगानिस्तान के लंबे युद्धों के बाद रूस और चीन ने इसी खालीपन का फायदा उठाते हुए क्षेत्र में अपने सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत किए। नवम्बर 2025 की अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी पश्चिम एशिया को कम प्राथमिकता देने की बात कही गई थी, लेकिन ईरान युद्ध ने इस नीति से विपरीत स्थिति पैदा कर दी। ट्रम्प द्वारा बिना सहयोगी देशों से सलाह किए लिए गए फैसलों ने नाटो और अन्य साझेदारों में असंतोष बढ़ाया।

सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले का निधन

92 साल की उम्र में ब्रीच कैंडी अस्पताल में ली अंतिम सांस

मुंबई। सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डा. प्रतीत समदानी ने बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-आर्गन फेल्योर यानी कई अंग फेल होने के कारण उनका निधन हुआ।

आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे सोमवार सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार सोमवार शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा। आशा भोसले का पार्थिव शरीर हॉस्पिटल से उनके घर लाया गया। आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं, तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

■ चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में हुई थीं भर्ती

■ आज शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा अंतिम संस्कार

संक्षिप्त समाचार

वृंदावन नाव हादसे में दो लापता शव मिले मृतक संख्या हुई 13

मथुरा। उप्र में मथुरा जिले के वृंदावन क्षेत्र में यमुना नदी में हुए भीषण नाव हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन के तीसरे दिन रविवार को दो और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। प्रशासन और बचाव दल अब भी तीन लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। रविवार सुबह पंजाब के लुधियाना निवासी बीए अंतिम वर्ष की छात्रा डिकी तथा जगराओं निवासी ऋषभ शर्मा के शव बरामद किए गए। दोनों शव नदी में ऊपर आने के बाद रस्सी के सहारे बाहर निकाले गए। परिजनों ने भावुक माहौल में उनकी पहचान की। इससे पहले शनिवार को मानिक टंडन नामक युवक का शव मिला था, जिसकी सितम्बर में शादी तय थी। बचाव कार्य को तेज करते हुए प्रशासन ने सर्च ऑपरेशन का दायरा 14 किलोमीटर से बढ़ाकर 20 किलोमीटर कर दिया है।

उत्तर प्रदेश समेत 16 राज्यों में आज से बढ़ेगी गर्मी

नई दिल्ली। देशभर में गर्मी बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, यूपी-एमपी, दिल्ली, गुजरात समेत देश के 16 राज्यों में इस हफ्ते पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़, ओडिशा में 2 दिन बाद लू चलने की आशंका है। हालांकि, रविवार को केरल, कर्नाटक, सिक्किम, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में बारिश का अलर्ट है। शनिवार शाम को अटल टनल और मनाली के आसपास के इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई।

स्टालिन के आरोप तथ्यों से परे, राजनीति से प्रेरित: सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री सीतारमण ने तमिलनाडु के सीएम स्टालिन के उन आरोपों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार ने राज्य के धान किसानों को बोनस न देने का निर्देश दिया है। सीतारमण ने कहा कि स्टालिन के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और जानबूझकर लोगों को गुमराह करने के प्रयास के तहत लगाए गए हैं। एक राज्य के सीएम से, जो एक संवैधानिक पद पर बैठे हैं, इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती है।

इस्लामाबाद में अमेरिका ईरान वार्ता रही बेनतीजा

नहीं हो सका कोई समझौता, दोनों प्रतिनिधिमंडल वापस लौटे

इस्लामाबाद, वार्ता

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्लामाबाद में शांति वार्ता को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। 21 घंटे की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला है और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान से लौटा गया है। इससे अब एक बार फिर जंग शुरू होने की आशंका बढ़ गई है, हालांकि लेबनान को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है।

पाकिस्तान में हुई उच्च स्तरीय वार्ता के बाद ईरान का प्रतिनिधिमंडल वापस लौट गया है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब अमेरिका- ईरान वार्ता किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सकी। ईरान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि कूटनीति का रास्ता कभी समाप्त नहीं होता और वह बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार कूटनीति राष्ट्रीय हितों की रक्षा और उन्हें आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। ईरान, पाकिस्तान और अन्य मित्र देशों के साथ परामर्श की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, संवाद और बातचीत के रास्ते खुले रहेंगे। क्षेत्रीय मुद्दों पर विभिन्न देशों के साथ संपर्क और चर्चा जारी रखने पर जोर दिया गया है। ईरानी पक्ष से जुड़े एक सूत्र ने दावा किया है कि अमेरिका वार्ता से बाहर निकलने के लिए बहाना तलाश रहा था। अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बातचीत का इस्तेमाल करना चाहता था, लेकिन मौजूदा मतभेदों और युद्ध जैसे हालात के चलते कोई समाधान नहीं निकल सका। सूत्र ने यह भी संकेत दिया कि ईरान ने फिलहाल आगे की वार्ता को लेकर कोई योजना नहीं बनाई है, जिससे कूटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है। 21 घंटे तक चली मैराथन वार्ता के बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने किसी भी समझौते पर सहमति नहीं बनने की पुष्टि की और पाकिस्तान से वापस लौट गया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंसकहा कि ईरान ने वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया।

■ मिडिल ईस्ट में एक बार फिर जंग शुरू होने की आशंका बढ़ी

■ अमेरिका ने कहा: ईरान ने वाशिंगटन की शर्तों को स्वीकार करने से इन्कार किया

■ लेबनान मुद्दे को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई

■ ईरान का कूटनीतिक रुख कायम

कहा- बहाना तलाश रहा था अमेरिका

पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति से कहा- हम निभा सकते हैं मध्यस्थ की भूमिका

मास्को। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच शांति की कोशिशों को लेकर नई हलचल देखने को मिली है। पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियान से फोन पर बातचीत की और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए रूस की भूमिका निभाने की इच्छा जताई। यह बातचीत उस समय हुई है, जब इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान वार्ता कोई ठोस नतीजा नहीं दे सकी। क्रेमलिन के मुताबिक पुतिन ने कहा कि रूस पश्चिम एशिया में राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान खोजने में मदद करने के लिए तैयार है।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से 20 लाख डॉलर शुल्क के साथ 10 जहाजों को गुजरने की अनुमति दी

तेहरान। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से प्रतिदिन लगभग 10 जहाजों को गुजरने की अनुमति देने का फैसला किया है, जिसमें सुपरटैंकर के लिए शुल्क 20 लाख डॉलर तक हो सकता है। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जनरल ने अपनी एक रिपोर्ट में दी। अखबार के मुताबिक, कई देशों के जहाज मालिक आईआरजीसी के साथ इस स्ट्रेट से गुजरने के लिए बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो जहाज इस रास्ते से गुजरेंगे, उन्हें तय किए गए विशेष मार्गों पर ही चलना होगा और आवश्यक अनुमति लेनी होगी। गौरतलब है कि बुधवार रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की थी। इसके बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की घोषणा की थी। यह स्ट्रेट दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और एलएनजी की आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

भारत ने दी चीन को दो टूक चेतावनी

अरुणाचल के कुछ स्थानों का नाम बदलने के दावे को किया खारिज

नई दिल्ली, वार्ता

भारत ने चीन की उन कोशिशों को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिनमें उसने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने की कोशिश की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की हरकतें भ्रामक और निरर्थक हैं और भारत इन्हें पूरी तरह अस्वीकार करता है।

मंत्रालय के अनुसार चीन की तरफ से किया गया यह कदम गलत और बिना आधार का है। भारत का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहा है और रहेगा। चीन के किसी भी तरह के नाम बदलने या झूठे दावे करने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती। उन्होंने यह भी कहा कि चीन की इस तरह की कोशिशें भ्रामक और बिना आधार की हैं, जिन्हें भारत पूरी तरह खारिज करता है। जायसवाल ने दोहराया कि भारत अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर कोई समझौता नहीं करेगा। जायसवाल ने आगे कहा कि भारत ऐसे सभी भ्रामक और गलत प्रयासों को पूरी तरह अस्वीकार करता है। उन्होंने साफ कहा कि चीन द्वारा किए जा रहे झूठे दावे और मनगढ़ंत कहानियां किसी भी तरह की सच्चाई को नहीं बदल सकतीं। अरुणाचल प्रदेश समेत भारत के सभी क्षेत्र हमेशा से देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहे हैं और आगे भी रहेंगे। बता दें कि विदेश मंत्रालय का यह बयान चीन की उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें उसने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों के नए नाम जारी करने की कोशिश की थी। ऐसे में भारत ने इसे एक बार फिर राजनीतिक और भड़काऊ कदम बताया है और ऐसे सभी दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

■ विदेश मंत्रालय ने कहा- इस तरह की हकरतें भ्रामक व निराधार

राहुल ने 'मैं भी अंबेडकर' मैराथन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा आयोजित 'मैं भी अंबेडकर' मैराथन को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को हरी झंडी दिखाई।

मैराथन नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित सफदर हाशमी मार्ग से शुरू होकर डॉ. अंबेडकर नेशनल मेमोरियल (26, अलीपुर रोड) तक जाएगी। इस आयोजन का संचालन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग ने अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के सहयोग से किया। इस मौके पर गांधी ने कहा कि 'मैं भी अंबेडकर' मैराथन बाबासाहेब अंबेडकर जी के विचारों और भारतीय संविधान के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार हो रहे हैं, ऐसे समय में हमें हर अन्याय और भेदभाव के खिलाफ बाबासाहेब अंबेडकर के आदर्शों पर चलकर एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से होगी शुरू 15 अप्रैल से पंजीकरण

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को घोषणा की कि श्री अमरनाथ यात्रा इस वर्ष तीन जुलाई से शुरू होगी और 28 अगस्त को समाप्त होगी। उपराज्यपाल ने कहा कि भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए प्रथम पूजा 29 जून 2026 को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन आयोजित की जाएगी। यहां लोक भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कुल 57 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल 2026 से ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से शुरू होगा।

चार मई के बाद बंगाल में बनेगी भाजपा की सरकार: मोदी

कोलकाता, वार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिलीगुड़ी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी के लोगों ने हमेशा उन्हें भरपूर प्यार दिया है और कल के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब यह साफ करता है कि बंगाल अब परिवर्तन का मन बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार बंगाल से टीएमसी का जाना तय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार के 15 साल के शासन में बंगाल सिर्फ बर्बाद हुआ है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जो युवा आज पहली बार वोट देने जा रहे हैं, वे बंगाल का भविष्य तय करेंगे। ये किसी के भी काम के मूल्यांकन का बहुत बड़ा समय है। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने 15 वर्षों में कोई काम नहीं किया, बल्कि सिर्फ काले कारनामे किए हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी को नार्थ बंगाल का प्रवेश द्वार बताते हुए कहा कि टीएमसी ने जान-बूझकर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री और ट्रेड्स को पीछे रखा। केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा, उसे सिंडिकेट वाले हजम कर गए। पीएम मोदी ने टीएमसी पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इस निर्मम सरकार ने मदरसों के लिए तो 6,000 करोड़ रुपये का बजट दिया, लेकिन नार्थ बंगाल के विकास के लिए पर्याप्त पैसा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब नार्थ बंगाल बारिश और तबाही से जूझ रहा था, तब टीएमसी सरकार कोलकाता में जश्न मना रही थी। पीएम ने टीएमसी को नार्थ बंगाल, आदिवासी, चाय-बागान, महिला और युवा विरोधी पार्टी बताया। भ्रष्टाचार पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी, टीएमसी वाले कान खोलकर सुन लें, चार मई के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और उन्हें पिछले 15 वर्षों के पल-पल और पाई-पाई का हिसाब देना होगा। सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर मां भारती की भुजा है, लेकिन टीएमसी ने तुष्टिकरण के लिए उन टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन किया जो नार्थ-ईस्ट को देश से अलग करने की धमकी देते हैं। चाय बागानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि असम की भाजपा सरकार श्रमिकों को जमीन के पट्टे और सुविधाएं दे रही है, जबकि टीएमसी इन्हें बर्बाद कर रही है।

■ टीएमसी को देना होगा पाई-पाई का हिसाब

■ सिलीगुड़ी में पीएम ने टीएमसी पर तीखा हमला बोला

भाजपा ने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है।

इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी। सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

■ 16-18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहना होगा, महिला आरक्षण के लिए विशेष सत्र, पीएम ने पत्र लिखा

संक्षिप्त समाचार

गुजरात हाई कोर्ट ने 'फांसी की सजा वाले को किया बरी

अहमदाबाद। गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद के ओढव इलाके में साल 2017 में हुए चर्चित मां-बेटे के डबल मर्डर केस में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने उस आरा. पी को बरी कर दिया है, जिसे निचली अदालत ने 'रेयरेस्ट आफ रेयर' (दुर्लभ से दुर्लभतम) मामला मानते हुए मौत की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी को तुरंत जेल से रिहा करने का भी आदेश दिया है। 6 जून 2017 को अहमदाबाद शहर के ओढव इलाके में बेला पार्क स्थित एक घर से असहनीय दुर्गंध आने की खबर मिली थी। जब मकान मालिक दिव्येश मोदी ने मौके पर जाकर जांच की, तो उन्हें वहां दो सड़ी-गली और कीड़ों से भरी लाशें मिलीं। पुलिस तफ्तीश में सामने आया कि ये लाशें उनके किराएदार विपुल मोदी और कंचनबेन मोदी की थीं। कोर्ट केस के दौरान सरकारी वकील ने पूरी कहानी सामने रखी थी।

सर्जन वाइस एडमिरल ने एएमसी के वीर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय द्धएवीएसएम, एसएम, वीएसएमत्रृ, महानिदेशक चिकित्सा सेवा (नौसेना) ने लखनऊ स्थित आर्मी मेडिकल कोर (एएमसी) केंद्र एवं कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एएमसी के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। अपने दौरे के दौरान उन्होंने शनिवार को लखनऊ छावनी में स्थित एएमसी युद्ध स्मारक 'श्रद्धांजलि' पर माल्यार्पण किया। उन्होंने उन सैनिकों को याद किया। इस कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल शिवेंद्र सिंह, एवीएसएम, जो एएमसी केंद्र एवं कॉलेज के कमांडेंट हैं, भी उपस्थित रहे।

वोट बैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्रॉफी बदलना चाहते हैं: योगी

दंगाइयों का इलाज कर देगी डबल इंजन सरकार

सोनामुखी (बांकुड़ा), वार्ता

कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट न दीजिए: आदित्यनाथ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले बांग्लादेश में एक दलित हिंदू की निर्मम हत्या पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी मौन रहीं। उन्हें भय था कि बोलने पर उनका मुस्लिम वोट न खिसक जाए। उन्होंने कहा कि वोटबैंक के सौदागर बंगाल की डेमोग्रॉफी को बदलना चाहते हैं। सोनामुखी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस को भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करने की छूट न दीजिए। ये लोग नवरात्र आयोजन में व्यवधान पैदा करते हैं, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। हम सब मिलकर बंगाल का पुराना वैभव लौटा सकते हैं।

सीएम ने कहा कि मैं इसी आह्वान के साथ आपके बीच आया हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल के शासन में यहां बहुत तांडव हुआ है। हमारे कार्यकर्ता सुमन को गोली मार दी गई। स्वरूप घोष, पलाश घोष, उत्पल दास जैसे कार्यकर्ताओं के घर उजाड़ दिए गए। सुशोभन का हाथ काट दिया। तृणमूल की गुंडागर्दी के ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं। सीएम ने बंगालवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली में मोदी हैं, पश्चिम बंगाल में भी आप भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी। तृणमूल व वामपंथी गुंडों का उपचार केवल भाजपा सरकार के पास है। उन्होंने स्थानीय भाषा में संवाद स्थापित करते हुए कहा कि अब बंगाल में 'खेला' बंद और भाजपा की जीत से विकास शुरू होगा। उन्होंने मंच से भाजपा प्रत्याशियों सोनामुखी से दिबाकर घरामी, इंडास से निर्मल धारा व बरजोड़ा से बिलेश्वर सिघा को जिताने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल की धरती पर राष्ट्रगान के रचयिता गुरुदेव रविद्र नाथ ठाकुर व राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को भी याद किया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर मैं विश्वास से कह रहा हूं कि बंगाल परिवर्तन की नई राह पर चल पड़ा है।

स्वामी विवेकानंद की धरती है बंगाल

उन्होंने कहा कि बंगाल ने स्वामी विवेकानंद जैसा संन्यासी दिया, जिन्होंने 'गर्व से कहो, मैं हिंदू हूं' का भाव जगाया। बंगाल रामकृष्ण परम. हंस व भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद की धरती है, लेकिन भारत की संस्कृति की आत्मा और राष्ट्रवाद की धरती बंगाल को तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण, लूट-खसोट, अराजकता की धरती बनाकर रख दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो अराजकता, अव्यवस्था, गुंडागर्दी आज पश्चिम बंगाल में है, 9 वर्ष पहले वही स्थिति उप्र में भी थी। वहां त्योहारों के पहले दंगे होते थे, महीनों कर्फ्यू रहता था। गुंडे-माफिया समानांतर सत्ता संचालन करते थे। 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उप्र में जनता-जनार्दन ने डबल इंजन सरकार बनाई तो आज यूपी में तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का उद्घाटन 14 को

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीएम मोदी सौंपेंगे जनता को, तैयारियां पूरीं

सहारनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा डा. भीमराव आंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

210 किलोमीटर लंबे और छह लेन वाले इस एक्सप्रेसवे के लोकार्पण को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हैं। कार्यक्रम की तैयारियां अपर पुलिस महानिद. शक मेरठ जोन भानु भास्कर, सहारनपुर मंडलायुक्त डा. रूपेश कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल, एसएसपी अभिनंदन सिंह, एनएचएआई अध्यक्ष संतोष यादव, राज्यमंत्री जसवंत सैनी तथा भाजपा जनप्रतिनिधियों की निगरानी में पूरी की गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली के अक्षरधाम से शुरू होकर पश्चिमी उप्र के बागपत, बड़ौत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर होते हुए उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक जाएगा। एक्सप्रेसवे का निर्माण चार चरणों में किया गया है जिसमें पहला चरण अक्षरधाम से बागपत के खेकड़ा तक 32 किमी का है जबकि दूसरा चरण बागपत से सहारनपुर के लाखनौर तक 32 किमी, तीसरा चरण लाखनौर से गणेशपुर-बिहारीगढ़ तक 42 किमी और चौथा चरण गणेशपुर टोल से देहरादून तक 18 किमी लंबा है। अंतिम चरण में 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया गया है, जो राजा. जी नेशनल पार्क से होकर गुजरेगा।

यूपी में अगले सात दिन शुष्क रहेगा मौसम, हवाएं चलेंगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

कटाई के बाद फसल को रखें सुरक्षित

लखनऊ। उप्र में गर्मी ने दस्तक दे दी है। शुष्क मौसम के बीच दिन और रात का तापमान बढ़ने से दोपहर में सड़कों पर भीड़भाड़ कम होने लगी है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले सात दिनों तक मौसम सामान्यतरू शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी और पूर्वी उप्र के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 12 अप्रैल को पश्चिमी और पूर्वी उप्र में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। 13 और 14 अप्रैल को भी 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने के आसार हैं। 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक पश्चिमी और पूर्वी उप्र दोनों क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान किसी विशेष मौसम गतिविधि की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने 12 अप्रैल से 18 अप्रैल तक पूरे प्रदेश के लिए किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की है। किसानों को सलाह दी गई है कि तेज हवाओं को देखते हुए किसान कटाई के बाद फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें। खुले में रखी उपज को ढककर रखें तथा अनावश्यक रूप से धूलभरी हवाओं में बाहर निकलने से बचें।

महिला आरक्षण पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा लेटर

नई दिल्ली, वार्ता

हमें भरोसे में लिए बिना विशेष सत्र बुलाया: कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सरकार से महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन के मुद्दे से जुड़े प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष को भरोसे में लिए बिना संसद का स्पेशल सेशन बुलाया गया है और चेतावनी दी कि सही चर्चा के लिए जरूरी बातें अभी भी साफ नहीं हैं। यह तब हुआ जब संसद 16 अप्रैल से तीन दिन का स्पेशल सेशन शुरू करने वाली है, जिसका फोकस महिला आरक्षण संशोधन बिल पर होगा। पत्र में खड़गे ने लिखा कि मुझे अभी-अभी 16 अप्रैल से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए संसद के स्पेशल सेशन पर आपका लेटर मिला है। यह स्पेशल सेशन हमें भरोसे में लिए बिना बुलाया गया है और आपकी सरकार होने वाले डिलिमिटेशन पर कोई डिटेल बताए बिना फिर से हमारा सहयोग मांग रही है। आप समझेंगे कि डिलिमिटेशन और दूसरी बातों की डिटेल के बिना इस ऐतिहासिक कानून पर कोई काम की चर्चा करना नामुमकिन होगा। आपने अपने पत्र में लिखा है कि आपकी सरकार ने इस बारे में पॉलिटिकल पार्टियों से बातचीत की है। हालांकि मुझे यह बताते हुए कहना पड़ रहा हैं कि 29 अप्रैल 2026 को चुनाव का मौजूदा दौर खत्म होने के बाद संविधान में किए जा रहे बदलावों पर चर्चा करने के लिए एक ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाई जाए। अभी चल रहे राज्य चुनावों के दौरान स्पेशल मीटिंग बुलाना हमारे इस विश्वास को और पक्का करता है कि आपकी सरकार महिलाओं को सही मायने में मजबूत बनाने के बजाय पॉलिटिकल फायदा उठाने के लिए बिल को लागू करने में जल्दबाजी कर रही है।

यूपी में 49 बस स्टेशनों का होगा काया-कल्प, परियोजना को मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र में परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने फेज-2 के तहत 49 बस स्टेशनों के पुनर्विकास को मंजूरी दे दी है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि यह परियोजना उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर लागू की जाएगी। इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न प्रमुख जनपदों में स्थित बस स्टेशनों को आधुनिक, विश्वस्तरीय और बहुउद्देश्यीय बस टर्मिनल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी और पारदर्शी तरीके से डेवलपर्स का चयन किया जाएगा। परियोजना के तहत बनने वाले बस टर्मिनलों में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छता, सुरक्षा, डिजिटल सूचना प्रणाली, सुव्यवस्थित पार्किंग, वाणिज्यिक परिसर और अन्य सहायक सेवाएं शामिल होंगी। साथ ही स्मार्ट और टिकाऊ द्धसस्टेनेबलत्रृ अवसंरचना विकसित की जाएगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराएगी, बल्कि रोजगार सृजन, आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और शहरी विकास को भी गति देगी।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 77550.25 | निफ्टी 24050.60 | सोना 151700 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | चांदी रु. 239685 प्रति किलो

आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई, वार्ता

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्ध विराम पर सहमति से घरेलू शेयर बाजारों बीते सप्ताह रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों को नजर वृहत आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी।

आने वाले सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच स्थाई शांति वार्ता की प्रगति बाजार को सबसे अधिक प्रभावित करेगी। साथ ही घरेलू स्तर पर खुदरा महंगाई, थोक महंगाई और आयात-निर्यात के आंकड़े भी जारी होने हैं जिनका बाजार पर बड़ा प्रभाव देखा जाएगा। निवेशकों की नजर कंपनियों के तिमाही परिणामों पर भी रहेगी। गत सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4.230.70 अंक (5.77 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में एक महीने के उच्चतम स्तर 77,550.25 अंक पर बंद हुआ। बाजार में गुरुवार को छोड़कर सभी चार दिन लिवाली का जोर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक सप्ताह के दौरान 1,337.50 अंक यानी 5.89 फीसदी चढ़कर 24,050.60 अंक पर बंद हुआ। यह इसका भी एक महीने का उच्चतम स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 7.74 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक में 7.60 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। बजाज फाइनेंस का शेयर 11.86 फीसदी, ट्रेंट का 10.28, बजाज फिनसर्व का 10.24, टाइटन का 9.87, एलएंडटी का 9.58 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 9.06 प्रतिशत चढ़ गया। एशियन पेंट्स में 8.76 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक में 8.71, इंडिगो में 8.62, मारुति सुजुकी में 8.54, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 8.31, एचडीएफसी बैंक में 7.90, अडानी पोर्ट्स में 7.10 और टाटा स्टील में 6.47 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। एनटीपीसी का शेयर 5.64, बीईएल का 4.93, भारतीय स्टेट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक दोनों का 4.63, भारती एयरटेल का 4.50, पावरग्रिड का 4.40 और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 4.39 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। आईटीसी का शेयर 3.88 प्रतिशत, इटरनल का 3.71 प्रतिशत चढ़ा।

आईजीआरएस की मार्च माह रिपोर्ट में रामपुर अव्वल

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की मार्च माह की रिपोर्ट में रामपुर जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। रामपुर को 140 में से 139 अंक मिले हैं, जो 99.29 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार हाथरस और बाराबंकी ने 137-137 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया है, जबकि शाहजहांपुर और पीलीभीत 136-136 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। बरेली, आजमगढ़ और लखीमपुर खीरी 134 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे। इसके अलावा हमीरपुर, सहारनपुर, बलिया, प्रयागराज और मथुरा ने टॉप-10 में जगह बनाई है।

चावल, गेहूं में साप्ताहिक गिरावट चीनी मजबूत, दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

गुड़ का औसत भाव सात रुपये टूट गया

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गए। गेहूं में भी नरमी रही। चीनी में मजबूती देखी गई जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार.चढ़ाव का रुख रहा।

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 67 रुपये टूटकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं 14 रुपये गिरकर 2,770 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा 15 रुपये महंगा हुआ और 3,278 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 28 रुपये और मूंग दाल की सात रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 43 रुपये सस्ती हुई। तुअर दाल और चना दाल की कीमत 13.13 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 207 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल की कीमत 125 रुपये और पाम ऑयल की 112 रुपये बढ़ गई।

सूरजमुखी तेल में 94 रुपये और सरसों तेल में 31 रुपये की मजबूती देखी गई। वनस्पति पांच रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव सात रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। वहीं, चीनी भी 23 रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे.दाल.दलहन: दाल चना 7666.84 रुपये, मसूर काली 8055.01 रुपये, मूंग दाल 10183.61 रुपये, उड़द दाल 10801.14 रुपये, तुअर दाल 11227.68 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2769.81 रुपये और चावल 3759.41 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3277.88 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी.गुड़ : चीनी एस 4328.72 रुपये और गुड़ 4998.30 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए।

खाद्य तेल : सरसों तेल 17881.67 रुपये, मूंगफली तेल 19000.95 रुपये, सूरजमुखी तेल 17507.82 रुपये, सोया तेल 14838.54 रुपये, पाम ऑयल 13531.46 रुपये और वनस्पति 14798.33 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

अयोध्या में कारसेवकों पर गोली किसने चलवाई थी

अखिलेश के आरोपों पर नृपेंद्र मिश्रा का आरोप

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष व श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य नृपेंद्र मिश्रा ने अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाने वाले आरोपों पर जवाब दे दिया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखलिश यादव इस मामले को लेकर नृपेंद्र मिश्रा पर आरोप लगाते हैं। अब हाल ही में फिर इस मामले पर विवाद छिड़ गया है, जिससे सूबे की सियासत गरमा गई है।

अखिलेश यादव लगातार नृपेंद्र मिश्रा पर गोली चलवाने के आरोप लगाते रहे हैं। एक प्रेस वार्ता में नृपेंद्र मिश्रा से सवाल किया गया कि अखिलेश यादव ने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर गोलीबारी पर आप पर सवाल उठाया है। उस समय आप प्रमुख सचिव थे। अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर उन्होंने कहा कि हां मैं सचिव था। अखिलेश यादव द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर स्पष्ट करते हुए नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि इस तरह के निर्णय प्रमुख सचिव स्तर पर नहीं किए जाते हैं। ऐसे निर्णय 90 प्रतिशत राजनीतिक होते हैं, जिसमें 10 प्रतिशत राय गृह सचिव/सचिवों और डीजीपी की होती है। वह देश के नेता जी के बेटे हैं, इसलिए उनको तो सभी जानकारी होगी। मैं मुलायम सिंह यादव की सरकार के समय में सचिव भी था। पत्रकार वार्ता के दौरान एक अहम सवाल पर नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि बड़े फैसलों में जहां 10 प्रतिशत निर्णय प्रशास. निक होते हैं, वहीं 90 प्रतिशत फैसले राजनीतिक होते हैं।

आशा भोंसले ने संगीत के एक युग को परिभाषित किया : मुर्मू

राष्ट्रपति ने निधन पर जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वर कोकिला आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि उन्होंने देश में संगीत के एक युग को परिभाषित किया है और उनका गायन अमर रहेगा।

श्रीमती मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आशा भोसले के निधन ने संगीत की दुनिया में एक खालीपन छोड़ दिया है। एक महान गायिका के तौर पर उन्होंने भारत में संगीत के एक पूरे दौर को परिभाषित किया है। उनके साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत करने की मेरी बहुत प्यारी यादें हैं। उन्होंने कहा, एक कलाकार और एक इंसान के तौर पर उन्होंने अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जी। उन्होंने अपनी सुरीली और सदाबहार आवाज से दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया। उनका गायन हमेशा अमर रहेगा। उनका जाना संगीत प्रेमियों के लिए एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। मैं उनके परिवार और उनके अनगिनत चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। उल्लेखनीय है कि पद्मश्री और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती भोसले का 92 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। उन्हें सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

कोडीन कफ सिरप तस्करी मामले में दो गिरफ्तार

सोनभद्र। कोडीन युक्त नशीले कफ सिरप की अंतरराज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय तस्करी के मामले में सोनभद्र पुलिस की एसआईटी टीम ने प्रयागराज से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल एसपी अनिल कुमार ने रविवार को बताया कि थाना रॉबर्ट्सगंज में दर्ज मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य ड्रग माफिया शुभम जायसवाल और भोला प्रसाद जायसवाल के करीबी संस्कार वर्मा तथा उसके पिता विनोद कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया है। दोनों प्रयागराज के अतरसुइया थाना क्षेत्र के निवासी हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी संगठित तरीके से दिल्ली स्थित वान्या इंटरप्राइजेज के माध्यम से कोडीन युक्त एस्कफ कफ सिरप की बड़ी खेप मंगाते थे और उसे अवैध रूप से अन्य राज्यों में डायवर्ट करते थे।

बदलाव को विज्ञान-तकनीक जरूरी

जनजातीय जीवन सम्मेलन में बोल उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, वार्ता

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने जनतजातीय जीवन में बदलाव के लिए विज्ञान और तकनीक को जरूरी बताया है। श्री राधाकृष्णन ने रविवार को यहां भारत मंडपम में आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उपायों के माध्यम से जनजातीय जीवन में परिवर्तन विषयक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि आधुनिक विकास और सांस्कृतिक संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

सम्मेलन का आयोजन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने नेक्टर और आईटीआईटीआई दून संस्कृति स्कूल के सहयोग से किया गया। श्री राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि जनजातीय समुदाय भारत की संस्कृति, परंपरा और जैव विविधता के सच्चे संरक्षक हैं। देश में लगभग 1.4 लाख जनजातीय गांव हैं, जहां करीब नौ प्रतिशत आबादी निवास करती है। इन समुदायों के पास पारंपरिक ज्ञान का समृद्ध भंडार है, जो प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में सहायक है। श्री राधाकृष्णन ने कहा कि जब आधुनिक विज्ञान और तकनीक, भाषा, आस्था और संस्कृति के साथ समन्वय में काम करते हैं, तो यह सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनता है। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में हरित आर्थिक विकास की अपार संभावनाओं पर भी जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञान और तकनीक के माध्यम से जनजातीय जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए उनकी संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण भी संभव है। श्री राधाकृष्णन ने 2047 में विकसित भारत की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि इसका मूल मंत्र 'विकास भी, विरासत भी' है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक मूल्यों को संरक्षित रखते हुए आधुनिक विकास को आगे बढ़ाना ही देश की प्राथमिकता है। उन्होंने जनजातीय उत्थान के लिए सरकार की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नयन कार्यक्रम के तहत हजारों किलोमीटर सड़क और सैकड़ों पुलों को मंजूरी दी गई है।

युवती का अपहरण कर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप

परिजनों का पुलिस पर ढिलाई बरतने का आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो
अमरोहा। देहात थाना क्षेत्र के एक गांव से एक 23 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के परिजनों ने एक समुदाय विशेष के युवक पर अपहरण, धर्म परिवर्तन और तंत्र-मंत्र से दिमाग असंतुलित करने का आरोप लगाया है। परिजनों ने पुलिस पर कार्रवाई में ढिलाई बरतने का भी आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर सोमवार को गांव में एक पंचायत बुलाने की घोषणा की है।

घटना अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक गांव की है, जहां एक किसान की 23 वर्षीय बेटी अचानक लापता हो गई। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने अमरोहा देहात थाने में युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी को पड़ोसी गांव का एक दूसरे संप्रदाय का युवक अपहरण कर ले गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि युवक ने युवती का धर्म परिवर्तन करा दिया है और तंत्र विद्या का उपयोग कर उसके दिमाग को असंतुलित कर दिया है। इन आरोपों के साथ परिजन दोबारा थाने पहुंचे और आरोपी युवक के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने बताया कि लापता युवती का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। उन्होंने पुलिस पर मामले में ठोस कार्रवाई न करने और ढिलाई बरतने का आरोप लगाया है। इस पूरे प्रकरण को लेकर आगामी सोमवार को पड़ोसी गांव में एक पंचायत का आयोजन करने का ऐलान किया है।पंचायत में इस मामले को लेकर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने युवती को जल्दी बरामद करने की बात कही।

सेक्टर स्तर तक बाबा साहब की जयंती मनाएंगे सपाई

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। समाजवादी पार्टी की एक बैठक में भारत रत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम तय किये गए।

बस्ती स्थित सपा नेता राहुल कौशिक के आवास अवंतिका में

■ पार्टी की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित

आयोजित बैठक में विधानसभा धनौरा के कार्यक्रम प्रभारी सौरभ यादव ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को प्रत्येक सेक्टर में डॉ. आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाकर पीडीए को मजबूत करना है। जिला कोषाध्यक्ष विपिन कौशिक ने कहा डॉ.आंबेडकर सभी के पूज्यनीय हैं। समाजवादी कार्यकर्ता प्रत्येक गांव, शहर और सेक्टर स्तर तक उनकी जयंती धूमधाम से मनाएंगे। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि आंबेडकर जी के स्वपनों को पूरा करने के लिए हम सबको एकजुट होकर 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। पूर्व मंत्री जगराम सिंह ने कार्यकर्ताओं से सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष आमिर रजा जैदी, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.जितेंद्र यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक चौधरी, आलोक भारती, महाराज सिंह, नवा. जिश अली, जितेंद्र प्रताप सिंह, जितांबर सिंह यादव, देवव्रत यादव, कामिल मंसूरी, इश्तियाक मालिक, फरमान सिद्दीकी, पंकज कौशिक, फैयाज टक्कर आदि मौजूद रहे।

लघुशंका करने गए युवक की बाइक चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता, गजरौला। लघुशंका करने के लिए हाइवे किनारे रुके एक युवक की बाइक चोरी हो गयी। जिला मेरठ के तहसील मवाना के थाना किठौर ग्राम छुछाई निवासी सोनू कुमार 21 फरवरी को अपने चचेरे जयदीप नागर की बाइक हसनपुर से लेकर अपने घर जा रहा था। नाईपुरा में कौरल फैक्ट्री के पास बाइक खड़ी करके वह लघुशंका को चला गया। जब वह वापस आया तो उसकी बाइक वहां से नदारद थी। काफी दिन तक तलाश करने भी बाइक नहीं मिली। जिसके बाद वह बीते दिन थाने पहुंचा और घटना की तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गेहूं के खेत में पानी छोड़ने को लेकर विवाद

दरांती से अधिवक्ता के मुंशी को किया घायल

शाह टाइम्स ब्यूरो
नौगांवा सादात। गेहूं के खेत में कुंए का पानी छोड़ने को लेकर विवाद हो गया। दरांती से जानलेवा हमला कर अधिवक्ता के मुंशी को लहूलुहान कर दिया। इस मामले में पुलिस ने दंपति समेत तीन आरो. पियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

घटना क्षेत्र के गांव फौंदापुर में 10 अप्रैल की शाम 6 बजे की है। गांव में किसान नरेंद्र सिंह का परिवार रहता है। वह जिला न्यायालय में एक अधिवक्ता के चौंबर पर बतौर मुंशी मुकदमों से संबंधित काम भी करते हैं। उनके द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक शुक्रवार शाम में वह अपने खेत में गेहूं की कटाई कराने गए थे लेकिन खेत में पानी भरा हुआ था। उन्होंने आस-पास देखा तो बराबर के खेत के कुंए का पानी उनके खेत में आ रहा था। नरेंद्र ने तुरंत फोन कर खेत स्वामी सोहित से पानी छोड़ने को लेकर एतराज जताया। आरोप है कि थोड़ी देर में ही सोहित, उसका भाई सोबिन व भाभी रेखा खेत पर आ गए। देखते ही तीनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। नरेंद्र सिंह ने जब विरोध किया तो दरांती से हमला उन्हें लहूलुहान कर दिया। शोर सुनकर आस-पास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर आ गए, जिन्हें जमा होते देख आरा. पी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। हाथ व पेट पर गंभीर चोटें होने पर परिजन घायल नरेंद्र सिंह को लेकर थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया ने बताया कि मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। घटना की जांच की जा रही है। आरो. पियों को जल्दी गिरफ्तार करते हुए चालान किया जाएगा।

सामाजिक कुरीतियों को त्यागे जाट समाज

जाट कल्याण क्लब की बैठक में मृत्यु भोज बंद करने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता
मंडी धनौरा। कस्बे के कलाली रोड स्थित एमएस पब्लिक स्कूल में देर शाम जाट कल्याण क्लब की बैठक आयोजित हुई। बैठक में समाज सुधार, युवा सशक्तिकरण और नई पीढ़ी को सही दिशा देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में गजरौला से पहुंचे समाजसेवी भूपेंद्र चौधरी मुख्य अतिथि रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए पुरानी कुरीतियों को खत्म करना जरूरी है। उन्होंने शादी-विवाह में बढ़ती फिजूलखर्ची और अनावश्यक दिखावे पर चिंता जताई। साथ ही मृत्यु भोज जैसी कुप्रथा को पूरी तरह बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से नशे और शराब से दूर रहकर शिक्षा पर ध्यान देने की अपील की। कहा कि पढ़ाई और अच्छे संस्कार ही समाज को नई पहचान दिला सकते हैं। इस दौरान भाजपा में जिला महामंत्री बनाए गए अनुज प्रधान का फूल-मालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। मौजूद लोगों ने उनके उज्ज्वल राजनी. तिक भविष्य की कामना की। मास्टर कुलदीप गिल उर्फ रिंकू मलहूपुरा वालों ने युवाओं से राजनीति में सक्रिय भागीदारी करने और आगे बढ़ रहे होनहार युवाओं का समर्थन करने की बात कही। भाकियू टिकैत के युवा नेता गुरमीत सिंह चंचू ने कहा कि नई पीढ़ी को अपने महापुरुषों के इतिहास और बलिदान की जानकारी होनी चाहिए, ताकि वह अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़ी रहे। बैठक की अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष शिवराज सिंह फौजी ने की। कार्यक्रम में अनुज प्रधान, पुष्पेंद्र सोनू, इंद्रपाल गिल, महाराज सिंह, वीरेशपाल, गुरमीत सिंह चंचू और सौवीर सिंह धनौरी खुर्द समेत क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आम के पेड़ों पर ताबीज लगाकर फैलाई दहशत

शाह टाइम्स संवाददाता
हसनपुर। थाना आदमपुर के कस्बा ढवारसी से एक बेहद चौंकाने वाला और डरावना मामला सामने आया है। गांव में अंधविश्वास का एक ऐसा खेल देखने को मिला है। जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। महिला पुरुष आम के हरे-भरे पेड़ों में कीलों के सहारे ताबीज ठोकते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वायरल वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। आरोप है कि यह सब तंत्र-विद्या और अंधविश्वास फैलाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। चर्चा है कि एक कथित तांत्रिक के इशारे पर इस पूरी गतिविधि को अंजाम दिया जा रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि पेड़ों पर इस तरह ताबीज ठोकना किसी बड़ी अनहोनी या फसल बर्बाद करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। बागों में इस तरह की तांत्रिक गतिविधियां न केवल पेड़ों को नुकसान पहुँचा सकती हैं। बल्कि गांव की शांति को भी भंग कर रही हैं। संदिग्ध गतिविधियों के चलते किसान अब अपने बागों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाये की जा रही है। घटना ढवारसी की बताई जा रही है।

एक नजर

मशीन बदलने के कारण गुल रही बिजली

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। इनकमिंग व आउटगोइंग मशीनो को बदलने के कारण पूरे दिन बिजली गुल रही। बिजली से चलने वाले उपकरण शोपीस बनकर रह गये। रविवार को टाउन के बड़े बिजली घर में इनकमिंग आउटगोइंग मशीनों को बदला गया। जिसके चलते शहर की बिजली 11 बजे बंद कर दी गई। शहर की बिजली पूरे दिन गायब रहने के कारण लोगों के मोबाइल वेल्डिंग मशीन फ्रिज समेत बिजली से चलने वाले अन्य उपकरण शोपीस बनकर रह गये। बिजली पूरे दिन गायब रहने के कारण जनता में हाहाकार मचा रहा। बिजली विभाग के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि इनकमिंग एवं आउट गोइंग मशीनों के बदले जाने के कारण बिजली की कटौती की गई है। कार्य को तेजी के साथ विभाग द्वारा किया जा रहा है।

गेंहू काटकर लगाये गये ढेर में लगी आग

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। आदमपुर क्षेत्र के गांव करनपुर खादर में शनिवार रात एक किसान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। किसान संतराम की करीब 8 बीघा गेहूं की फसल, जिसे उन्होंने कड़े परिश्रम के बाद काटकर भंडारण के लिए इकट्ठा किया था। अज्ञात कारणों से लगी आग में गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। घटना रात करीब 8 बजे की है। फसल के ढेर से उठती आग की लपटों को देख ग्रामीण बचाव के लिए दौड़े, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुकी थी। इस अग्निकांड से किसान को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। जिससे परिवार के सामने जीविका का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने इस घटना में शरारती तत्वों की संलिप्तता की आशंका जताई है। हालांकि, आदमपुर थाना अध्यक्ष कोमल तोमर ने बताया कि अभी तक थाने में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जायेगी।

अभियान चलाकर 47 वारंटी पकड़े

शाह टाइम्स ब्यूरो अमरोहा। जिले में दो दिन चले अभियान में 97 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। दूसरे दिन अमरोहा पुलिस ने 47 वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी है जबकि पहले दिन 51 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए कोर्ट में पेश किया था। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में चले अभियान में मंडी धनौरा पुलिस ने आठ, बछरायूं पुलिस ने सात, नगर कोतवाली पुलिस ने छह, डिडौली व हसनपुर पुलिस ने पांच-पांच, गजरौला व आदमपुर पुलिस ने चार-चार, अमरोहा देहात पुलिस ने तीन, रजबपुर पुलिस ने दो तथा सैदनगली व नौगावां सादात पुलिस ने एक-एक वारंटी अभियुक्त की गिरफ्तारी की है। एसपी ने अभियान आगे भी प्रभावी तरीके से जारी रखने की बात कही।

साइबर क्राइम से बचने के लिए किया जागरुक

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। साइबर अपराधों के विरुद्ध पुलिस ने कसी कमर कस ली है। इलाके में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में हसनपुर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी निरीक्षक श्री राजेश कुमार तिवारी एवं निरीक्षक अपराध अमरपाल सिंह ने टीम के सदस्यों के साथ बैठक कर उन्हें साइबर ठगी के नये तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी अनजान लिंक को क्लिक न करें और न ही फोन पर अपनी गोपनीय जानकारी साझा करें। कहा कि संदिग्ध कॉल और ओटीपी शेयरिंग से बचें। साइबर अपराध होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर या नजदीकी थाने को सूचित करें।

कलेक्शन एजेंट से लूट का तीसरा आरोपी पकड़ा

तीन बाल अपचारियों ने दिया था वारदात को अंजाम

शाह टाइम्स ब्यूरो
अमरोहा। कलेक्शन एजेंट से 25 हजार रूपये की लूट के तीसरे बालअपचारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया।

बताते चलें कि दो अप्रैल की रात को साढ़े दस बजे मालीपुर चौराहे के पास तीन बाल अपचारियों ने कलेक्शन एजेंट से 25 हजार रूपये की नकदी लूट ली थी। घटना के बाद तीनों आरोपी राजस्थानके खाटू श्याम चले गये थे। तीन दिन पहले पुलिस ने इस मामले में दो बाल अपराचारियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गयी रकम बदामद की थी। जबकि एक आरोपी को नोगांवा पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने लूटे गये छह हजार रूपये बरामद किये हैं। थाना प्रभारी सौकेन्द्र बालियान ने बताया कि लूट की यह वारदात देहात थाना क्षेत्र के गांव मालीपुर चौराहे के पास दो अप्रैल को घटी थी।

अनियंत्रित होकर तालाब में गिरी कार, तीन घायल

तेज रफ्तार बनी हादसे का कारण

शाह टाइम्स संवाददाता
सैदनगली। सामने आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में भीषण सड़क हादसे में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सूखे हुए तालाब में गिर गई। इस दुर्घटना में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

रविवार को जनपद संभल के थाना नखासा क्षेत्र निवासी फैजान, अली व अमन कर में सवार होकर हसनपुर अपनी रिश्तेदारी में आ रहे थे। सैदनगली के समीप सामने से आ रहे वाहन को बचाने के प्रयास में चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया। जिससे सड़क किनारे सूखे तालाब में कार जा गिरी। हादसा होते ही स्थानीय ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने कार के शीशे तोड़कर तीनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुँच गई। घायलों को तत्काल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ दो की हालत चिंता. जनक बनी हुई है। घायलों के परिजनों को भी सूचना दे दी गई थी।

बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयासः अख्तर

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। राष्ट्रीय लोक अधिकार परिषद की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष शरीफ अख्तर ने कहा कि, परिषद सदैव गरीब, शोषित एवं वंचितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहेगा। समाज में समानता और न्याय स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर डॉ.सोमान अली को प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ.नवाजिश मंसूरी को मंडल महासचिव मुरादाबाद, अंकुर गोस्वामी को नगराध्यक्ष गजरौला डॉ. सरफराज को मंडल सचिव मुरादाबाद, इरफान सैफी को जिला सचिव अमरोहा बनाया गया। इसी तरह अन्य पदों पर भी मनोयन किया गया। राष्ट्रीय महासचिव सैफ मलिक ने कहा कि संगठन के किसी भी सदस्य के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

आग से दस बीघा गेंहू जलकर राख

शाह टाइम्स ब्यूरो
हसनपुर। हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने किसान का 10 बीघा गेहूं जलाकर राख कर दिया।

रहरा थाना क्षेत्र के फरोटा ग्राम पंचायत के मजरा झिझारपुर में रविवार को बड़ा हादसा सामने आया है। जहां हाईटेंशन बिजली लाइन से गिरी चिंगारी ने किसान की 10 बीघा कटी हुई गेहूं की फसल को जलाकर राख कर दिया। इस पूरी घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आग की भयावह लपटें साफ देखी जा सकती हैं। किसान जोगेश शर्मा खेत पर मशीन लेकर पहुंचे ही थे कि अचानक आग की लपटें उठती दिखीं। बताया जा रहा है कि बिजली लाइन के पोल पर लगा जंपर फ्यूज होकर नीचे गिरा, जिससे निकली चिंगारी ने सूखी फसल को चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा के चलते कुछ ही देर में पूरी फसल जलकर खाक हो गई। जिससे किसान को लाखों का नुकसान हुआ है।

अवैध खनन की सूचना पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। गंगाधाम तिगरी में अवैध खनन की सूचना पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी की, हालाँकि मौके पर खनन करने वाला कोई मौके पर नहीं मिला, लेकिन खनन करके एकत्र किये बालू की टीले जरूर नजर आये। वहीं पीएफए के जिलाध्यक्ष डॉ.रवींद्र शुक्ला एडवोकेट ने हस्तिनापुर वन्य जीव विहार एवं रामसर जोन में बालू खनन होने पर चिंता व्यक्त करते हुए शासन से अवैध खनन के कारोबारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि गंगाधाम तिगरी में पोपलाइन के माध्यम से अवैध खनन की सूचना मिलने पर वन विभाग के कार्यवाहक रेंजर मनोज कुमार, उपनिरीक्षक संतोष कुमार, अनुराग चौहान, रणवीर सिंह ने टीम के साथ छापेमारी की। हालाँकि मौके पर खनन करने वाला कोई मौके पर नहीं मिला, लेकिन खनन करके एकत्र किये बालू की टीले जरूर नजर आये। खनन के टीलों की वीडियोग्राफी करके वन विभाग की टीम वापस लौट आयी। वहीं पीएफए के जिलाध्यक्ष डॉ.रवींद्र शुक्ला एडवोकेट ने हस्तिनापुर वन्य जीव विहार एवं रामसर जोन में बालू खनन होने पर चिंता व्यक्त करते हुए शासन से अवैध खनन के कारोबारियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है। कहा कि अवैध खनन की गति. विधि से राष्ट्रीय जलीय जीव डॉल्फिन एवं वन्यजीवों जैसे कछुये, घड़ियालों, सरीसर्प को जान को खतरा है। इको सेंसेटिव जोन पर खतरा मंडराया है।

युवक ने शादी का झांसा देकर बनाए शारीरिक संबध

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। जनपद देवरिया की एक युवती की जान पहचान एक युवक से फोन पर कॉल लगने से हो गई। बातचीत आगे बढ़ी तो दोनों के बीच प्रेम संबध हो गए। युवती युवक द्वारा शादी करने की बात पर विश्वास करके युवक के घर आ गई। आरोप है कि युवक ने युवती से शारिरिक संबध भी बनाए। अब युवक शादी से मुकर गया। युवती ने आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार जनपद देवरिया के रूदलपुर क्षेत्र की रहने वाली एक युवती की जान पहचान पिछले दिनों नगर के मोहल्ला

■ देवरिया निवासी युवती ने कराई रिपोर्ट दर्ज

धुनपुरी निवासी एक युवक राहुल से फोन के माध्यम से हुई। दोनों के बीच काफी देर तक बात होने लगी और नजदीकी बढ़ गई। राहुल ने उसके साथ शादी करने का झांसा दिया। वह उसकी बातों पर विश्वास कर नगर में राहुल के पास आ गई। वह पिछले करीब एक महीने से उसके घर पर रहती थी। आरोप है कि युवक ने युवती से शारिरिक संबध भी बनाए। अब युवक शादी से मुकर गया। युवती ने आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।

धूमधाम से निकलेगी भगवान परशुराम शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। नगर ब्राह्मण सभा की बैठक में आगामी 18 अप्रैल को आयोजित होने वाली भगवान परशुराम शोभायात्रा को भव्य रूप से निकालने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

रविवार को नगर के खादगूजर

■ नगर ब्राह्मण सभा की बैठक में तैयारियों को दिया अंतिम रूप

तिराहे पर स्थित एक प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में तय हुआ कि शोभायात्रा का शुभारम्भ 18 अप्रैल को शाम 05 बजे माँ ललिता मन्दिर से पूजा अर्चना करके होगा। यहाँ के बाद शोभायात्रा अग्रसेन मार्किट, पुराना डाक खाना, ज्ञान भारती इण्टर कॉलेज, इंदिरा चौक होते हुए शिव इण्टर में समाप्त होगी। सभा के अध्यक्ष डॉ. रविभूषण शर्मा ने कहा कि सभा के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपनी अपनी जिम्मेदारी को भली प्रकार निभाते हुए आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से भी अनुरोध किया कि शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और यातायात व्यवस्था में सहयोग करे। इस मौके पर रोहित शर्मा, देव. राज शर्मा, समीर प्रभाकर, प्रमोद उपाध्याय, पुनीत भास्कर, योगेश प्रभाकर, विपिन शर्मा, देवेश शर्मा, उत्तम शर्मा, संतोष शर्मा, दीपक शर्मा, विपिन शर्मा, वीके शर्मा, प्रमोद तिवारी मौजूद रहे।

अंतोदय तक विकास कर रही है डबल इंजन सरकार

शाह टाइम्स संवाददाता,
गजरौला। उदयगिरि गोस्वामी के तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष बनने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढ़ोल नगाड़ों से स्वागत किया।

भाजपा नेता चौ.महावीर सिंह के आवास पर हुआ स्वागत समारोह

जिलाध्यक्ष ने आगामी त्रिस्तरीय एवं विधानसभा चुनावों में जुटने का आह्वान किया।

नगर के लक्ष्मीनगर में भाजपा नेता चौधरी महावीर सिंह के आवास पर हुए कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी का फूल मालाएं पहनाकर एवं शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार 'सबका साथ सबका विकास' की नीति पर देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। आज अंतोदय तक विकास की योजनाओं चलाकर जनमानस को लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व स्तर पर भारत की साख बढ़ी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि त्रिस्तरीय एवं विधानसभा चुनावों में जुट जाएं। जन-जन तक पार्टी की विचारधारा को पहुंचाएं। पात्रों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाएं। इस अवसर पर नामित सभासद गुरुवचन सिंह सिद्धू का भी स्वागत हुआ। इस मौके पर कृपाल सिंह, सुरेंद्र सिंह स्टेट, तेजपाल सिंह, काविन्द्र सिंह, करन सिंह, राज. कुमार, अंकुर, नरेंद्र, निक्कू आदि मौजूद रहे।

बैसाखी पर्व पर गुरूद्वारा से निकली प्रभातफेरी

वाहेगुरू सिमरन से गूंजा कस्बा, 14 अप्रैल को अखंड पाठ का भोग

शाह टाइम्स संवाददाता
मंडी धनौरा। बैसाखी पर्व और खालसा सृजना दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत रविवार से हर्षोल्लास के साथ हो गई। सुबह गुरुद्वारा साहिब से भव्य प्रभातफेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने श्रद्धा के साथ भाग लिया।

प्रभातफेरी गुरुद्वारा परिसर से अरदास के बाद शुरू हुई। संगत 'वाहेगुरु' का सिमरन करते हुए गुरुद्वारा मार्ग से मुख्य बाजार पहुंची, जिससे पूरा कस्बा भक्तिमय माहौल में डूब गया। इसके बाद प्रभातफेरी सब्जी मंडी से होती हुई होली पार्क तक पहुंची। रास्ते में कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर और सिर ढककर प्रभातफेरी का स्वागत किया। गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष मनजीत सिंह ने बताया कि प्रभातफेरी का आयोजन 12, 13 और 14 अप्रैल तक लगातार किया जाएगा। वहीं 12 अप्रैल से गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब का शुभारंभ हो चुका है। इसका भोग 14 अप्रैल को बैसाखी के पावन अवसर पर डाला जाएगा। बैसाखी के मुख्य उत्सव को लेकर विशेष कीर्तन जत्थे को भी आमंत्रित किया गया है, जो संगत को गुरुबाणी और गुरमत विचारों से निहाल करेगा। रविवार को प्रभातफेरी के बाद गुरुद्वारा परिसर में चाय के लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर ज्ञानी वीर सिंह, सनप्रीत सिंह, सोनी, नीलू, हरजीत, लौकेश कौर, रंजीत, करिश्मा सिद्धू, सिमरन, अधमदीप, गुरेंदर, मनजीत सिंह, त्रिवेन्द्र सिंह, लकी सिंह, सुरजीत सिंह बब्बल, शैली सिंह, गगन चोपड़ा और बलवीर सिंह समेत भारी संख्या में संगत मौजूद रही।

रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से सम्मानित तान्या का फूलों से किया स्वागत

केटी विंग स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय हैमर थ्रो खिलाड़ी तान्या चौधरी के सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकड़ा। केटी विंग स्टेडियम में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय हैमर थ्रो खिलाड़ी तान्या चौधरी के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उन्हें प्रतिष्ठित 'रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार' मिलने की खुशी में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आयोजन केटी विंग के संस्थापक कपिल त्यागी उर्फ केटी भैया के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

समारोह से पूर्व तान्या चौधरी का गांव में जोरदार स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और पूरे लाव-लश्कर के साथ रैली निकालते हुए उन्हें स्टेडियम तक लाया गया। वहां पहुं. चने पर पगड़ी पहनाकर, फूल-मालाओं से लादकर और भगवान श्रीराम की मूर्ति भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इसके बाद तान्या अपने ननिहाल खेकड़ा क्षेत्र के फखरपुर गांव पहुंचीं, जहां केटी विंग द्वारा एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। गांव के लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। फखरपुर निवासी तेजपाल सिंह उर्फ तेजू, तान्या के मामा हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें प्रधान लोकेंद्र त्यागी, प्रधान दिनेश कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष जयकिशोर, मित्तन पहलवान और सतपाल प्रधान शामिल रहे। बागपत जिले के गाधी गांव की निवासी तान्या चौधरी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने एशियन गेम्स 2023 (हांगझोउ, चीन) में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए महिलाओं की हैमर थ्रो स्पर्धा के फाइनल में 60.50 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 61.97 मीटर की थ्रो के साथ नौवां स्थान हासिल किया। जनवरी 2026 में आयोजित 85वीं अखिल भारतीय

अंतर-विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तान्या ने 65.60 मीटर की थ्रो कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने सरिता सिंह का 9 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। साथ ही खेलो इंडिया में 64.29 मीटर की रिकॉर्ड थ्रो के साथ गोल्ड मेडल और 5वीं इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता 2026 में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया। समारोह के दौरान तान्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा कि उनके सहयोग और प्रोत्साहन के बिना यह संभव नहीं था। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों को खेलों में आगे बढ़ाने की अपील की। वहीं उनके पिता नरेंद्र चौधरी ने कहा कि उनकी बेटी की मेहनत ही उसकी सफलता का आधार है और वह बेटों से किसी भी मायने में कम नहीं है।

एक नजर

पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता
खेकड़ा। कोतवाली में तैनात सिपाही श्रीकांत ने दिल्ली की महिला हिना और उसके पति आलम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। सिपाही ने आरोप लगाया है कि उसे दुष्कर्म के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर धर्म परिवर्तन कराया गया और 20 लाख रुपये भी हड़प लिए गए। पुलिस ने आरोपी महिला हिना को गिरफ्तार कर लिया है और उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। बुलंदशहर निवासी सिपाही श्रीकांत वर्ष 2022 में गाजियाबाद कोतवाली में तैनात थे। कुछ समय पहले उनका गाजियाबाद से बागपत तबादला हुआ था, जिसके बाद उन्हें खेकड़ा कोतवाली भेजा गया। गाजियाबाद में तैनाती के दौरान ही सिपाही की मुलाकात दिल्ली की रहने वाली महिला हिना से हुई थी। सिपाही का आरोप है कि हिना ने उसे दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर 20 लाख रुपये हड़प लिए। इसके बाद भी महिला ने सिपाही के खिलाफ गाजियाबाद कोतवाली में शिकायत कर उसे जेल भिजवाने की धमकी दी। इसी डर के कारण सिपाही पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया, जिसके बाद उसने अपना धर्म बदल लिया और उसका नाम हारिश रख दिया गया। करीब चार साल तक सिपाही धर्म बदलकर रहा। आरोप है कि हिना का पति आलम उसे जबरन कई बार जमात पर भी ले गया। जब भी सिपाही अपने मूल धर्म में लौटने की बात करता, तो उसे दोबारा जेल भिजवाने की धमकी दी जाती थी। बागपत तबादला होने के बाद महिला से परेशान होकर सिपाही श्रीकांत ने शुक्रवार रात को हिना और उसके पति आलम के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने और रुपये हड़पने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई। सीओ रोहन चौरसिया ने बताया कि सिपाही श्रीकांत की शिकायत पर महिला हिना को गिरफ्तार कर लिया गया है। हिना के पति आलम की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं और उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बागपत की मिट्टी में बसता है इतिहास

शाह टाइम्स संवाददाता
बागपत। अब बागपत केवल एक जिला नहीं, बल्कि अपनी पहचान को फिर से गढ़ने की दिशा में बढ़ता हुआ एक उदाहरण बनने जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक जिला बागपत अब अपनी उस विरासत को सामने लाने की तैयारी में है, जो अब तक गांवों की परंपराओं, मंदिरों और लोककथाओं में जीवित थी, लेकिन एक संगठित रूप में सामने नहीं आ पाई थी। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन ने Centre for Historic Houses of India के सहयोग से जिले में पहली बार 'हेरिटेज ट्रेल' शुरू करने की घोषणा की है। यह पहल केवल पर्यटन बढ़ाने की योजना नहीं, बल्कि बागपत की आत्मा-उसकी संस्कृति, उसकी परंपराएं और उसका इतिहास-को एक नई पहचान देने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जिस तरह धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को स्वच्छता, सुव्यवस्था और गौरव के साथ जोड़ा जा रहा है, उसी क्रम में बागपत भी अब अपनी विरासत को विकास के साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हेरिटेज ट्रेल इसी सोच का हिस्सा है, जहां अतीत को संजोते हुए भविष्य को मजबूत किया जाएगा। बागपत की मिट्टी में इतिहास बसता है। यह वही क्षेत्र है, जो महाभारत कालीन घटनाओं से जुड़ा रहा है। यमुना किनारे बसे गांवों में आज भी ऐसी परंपराएं, मान्यताएं और स्थल मौजूद हैं, जो सदियों पुराने सांस्कृतिक प्रवाह को दर्शाते हैं, लेकिन समय के साथ ये धरोहरें सीमित पहचान तक सिमट गई थीं। अब हेरिटेज ट्रेल के माध्यम से इन्हें एक साथ जोड़कर एक ऐसी श्रृंखला बनाई जाएगी, जो बागपत को एक अलग पहचान दे सके। हेरिटेज ट्रेल केवल एक रास्ता नहीं होगी, बल्कि एक जीवंत अनुभव होगी। इसमें शामिल हर स्थल अपने आप में एक कहानी होगा-कहीं मंदिरों की आस्था, कहीं गांवों की परंपरा, तो कहीं इतिहास की झलक। पर्यटक जब इस मार्ग पर चलेंगे, तो वे केवल स्थानों को नहीं देखेंगे, बल्कि बागपत की आत्मा को महसूस करेंगे। इस पहल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें गांवों को केंद्र में रखा गया है। अब तक जो विरासत केवल स्थानीय लोगों तक सीमित थी, वह अब पूरे देश और दुनिया के सामने आएगी। इससे बागपत के लोगों में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व की भावना और मजबूत होगी। हेरिटेज ट्रेल का सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। गांवों के युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे उन्हें अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही गांवों में होमस्टे, स्थानीय भोजन और हस्तशिल्प को भी बढ़ावा मिलेगा। छोटे दुकानदारों, कारीगरों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों के लिए यह पहल नई संभावनाएं लेकर आएगी। मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक वस्त्र और स्थानीय उत्पाद अब केवल गांव तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें नया बाजार मिलेगा। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस पूरी योजना में Centre for Historic Houses of India तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। संस्था धरोहर स्थलों के संरक्षण, उनके सही दस्तावेज तैयार करने और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने में मदद करेगी। जिला प्रशासन का स्पष्ट मानना है कि विरासत को बचाने का काम केवल सरकारी स्तर पर नहीं हो सकता। इसके लिए जनभागीदारी जरूरी है। इसलिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इस पहल से जोड़ा जाएगा, ताकि वे अपनी धरोहर को अपनी जिम्मेदारी समझें। जिला. धिकारी अस्मिता लाल ने इस पहल को जिले के भविष्य से जोड़ते हुए कहा, ह्बागपत की पहचान उसकी विरासत से बने, यही हमारा लक्ष्य है।

कपड़ा व्यापारी के इकलौते बेटे की हार्ट अटैक से मौत

शाह टाइम्स संवाददाता
बड़ौत। नगर में कपड़ा व्यापारी नीरज जैन के इकलौते बेटे प्रतीक जैन 21वर्षीय का रविवार सुबह निधन हो गया। बताया जा रहा है कि प्रतीक को सुबह करीब चार बजे हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार अभी प्रतीक की मां शिल्पी जैन के निधन के दुख से उबर नहीं पाया था। अब इकलौते बेटे की असामयिक मृत्यु ने परिवार को गहरा सदमा पहुंचाया है।

मृतक का फाइल फोटो

प्रतीक अपनी दो बहनों नीशु जैन और खुशी जैन का इकलौता भाई था। बेटे की मौत की खबर सुनकर पिता नीरज जैन बेहा. ेश हो गए, जबकि दोनों बहनें भी सदमे में आ गईं।

घटना की जानकारी मिलते ही व्यापारी समाज और परिर. चतों में शोक फैल गया।

व्यापारी नेता मुदित जैन, नवनीत जैन, हर्षित जैन, प्रभात जैन, बोबी सहित कई लोगों ने घर पहुंचकर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

गमगीन माहौल में प्रतीक जैन का अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मिशन शक्ति टीम का विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता
छपरौली। मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण अभियान के तहत 12 अप्रैल को छपरौली थाना की मिशन शक्ति टीम ने ग्राम रठौड़ा में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य गांव की महिलाओं और बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूक करना था। टीम ने उन्हें इन विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, मिशन शक्ति टीम ने वीडियो के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न सामाजिक, कानूनी और सुरक्षा संबंधी पहलुओं से अवगत कराया। उन्हें छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध और अन्य आपात स्थितियों से निपटने के तरीके बताए गए। महिलाओं को यह भी जानकारी दी गई कि किसी भी आपात स्थिति में वे बिना किसी संकोच के पुलिस की सहायता ले सकती हैं। साथ ही, उन्हें महिला सुरक्षा से संबंधित प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) और 181 (महिला सहायता) के बारे में भी बताया गया।

दो युवतीयों की बरामदगी को लेकर भाकियू (भानु) का बडौत कोतवाली में प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। भारतीय किसान यूनियन (भान) ने बड़ौत थाने में धरना प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दो युवतीयों के अपहरण यह प्रदर्शनअब तक बरामदगी नहीं होने पर किया गया। कोतवाली में पुलिस प्रशासन एवं संगठन के लोगों में नोक झोंक भी हुई सभी कार्यकर्ता ने नारेबाजी करते हुए धरना दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों के बीच कोतवाली प्रभारी दीक्षित कुमार त्यागी संगठन के लोगों के बीच में पहुंचे। उन्होंने संगठन के लोगों को जल्द ही दोनों युवतियों को बरामद करने का भरोसा दिलाया तब जाकर संगठन के लोग धरना स्थल से उठकर अपने कार्यालय पर पहुंचे।

संगठन के कार्यकर्ताओं ने बताया कि एक गांव से 19 वषीय युवती और 16 वर्षीय किशोरी को उत्तम पुत्र सतवीर शिवम पुत्र सुभाष निवासी मलकपुर बहला फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। इस संबंध में बड़ौत थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। किसान यूनियन का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद बड़ौत पुलिस अब तक दोनों अपहरण युवतियों को बरामद नहीं कर पाई है। भारतीय किसान यूनियन भानू ने इन बच्चियों की बरामदगी और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 19 अप्रैल को बड़ौत थाने में महापंचायत करने की घोषणा की है। ज्ञापन देने वालों मे सचिन शर्मा एडवोकेट रवि कुमार संदीप पाराशर जिला संगठन मंत्री विक्रांत चौधरी जिला सचिव देवेंद्र शर्मा जिला उपाध्यक्ष शुभम तोमर आदि मौजूद रहे।

मोहित चौहान बोलेः मुख्य मांगों को लेकर जल्द ही दिया जाएगा धरना

शाह टाइम्स संवाददाता
बडौत। तहसील क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी मोहित चौहान ने पत्रकारो से वार्ता करते हुए कहा कि जनपद बागपत के निजी स्कूलों में अभिभावकों के आर्थिक शोषण के विरुद्ध अब मोर्चा खोला जाएगा और जल्दी तहसील परिसर में धरना भी दिया जाएगा।

समाजसेवी मोहित चौहान ने मोर्चा खोलते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिका. रियों और स्कूल प्रबंधकों के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए मेरठ की तर्ज पर बागपत में भी कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होने बताया कि इन मुख्य मांगों को लेकर जल्द ही धरना दिया जाएगा। प्रमुख मांगें अभिभावकों से लूट पर लगे लगाम- स्कूल अपनी ड्रेस सार्वजनिक घोषित करें ताकि अभिभावक कहीं से भी खरीद सकें। नियमों को ताक पर रखने वाले प्रबंधकों और भ्रष्ट अधिका. रियों पर दंडात्मक एक्शन हो। जनहित में यह लड़ाई शासन स्तर पर तब तक जारी रहेगी, जब तक अभिभावकों को इस लूट से राहत नहीं मिल जाती।

नि:शुल्क शिविर में की गई 130 मरीजों की जांच

शाह टाइम्स संवाददाता
रटौल। लहचौड़ा गांव में स्वास्थ्य विभाग की टीम नें एक स्वास्थ्य शि. विर का आयोजन किया जिसमें 130 मरीजों की जांच कर मुफ्त दवाईयां वितरित की गयी। लहचौड़ा गांव में रविवार को रामा हॉस्पिटल की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य शि. विर का आयोजन किया गया। यह शिविर मीनाक्षी पैलेस, लहचौड़ा में सुबह से दोपहर तक आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 130 मरीजों की जांच की गई। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डा.आकाश तयाल तथा नर्सिंग स्टाफ की टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक परामर्श के साथ नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इस दौरान विभिन्न बीमारियों से संबंधित जांच और स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। शिविर में 70 वर्ष से

अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसमें आयुष्मान कार्ड बनाए गए तथा विभिन्न ऑपरेशन पर 50 प्रतिशत तक की विशेष छूट की जानकारी दी गई।

शिविर में आने वाले लोगों से आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड और राशन कार्ड साथ लाने का अनुरोध किया गया था। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। यह नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर प्रधान पद प्रत्याशी प्रवीण शर्मा के सौजन्य से आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना था कि इस प्रकार के शिविर से गांव के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध हो जाती हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है।

पीड़ितों का आरोपः आरोपी लगातार दे रहे जान से मारने की धमकी

शाह टाइम्स संवाददाता
छपरौली। सिनौली गांव में मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। यहां 5 अप्रैल को एक युवक पर हमला किया गया, जिसके बाद अगले दिन उसके घर में घुसकर परिवार के सदस्यों से मारपीट की गई और पिता पर चाकू से वार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़िता प्रवेश पत्नी सुनील ने छपरौली थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि 5 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे उनका बेटा प्रियांशु दुकान से सामान लेकर लौट रहा था। रास्ते में निखिल पुत्र कल्लू ने उसे रोककर गाली-गलौज की और डंडे से मारपीट की।

इस हमले में प्रियांशु के हाथ, छाती, पेट और पैर में गंभीर चोटें आईं।

सूचना मिलने पर डायल 112 और थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रियांशु का सरकारी अस्पताल छपरौली में मेडिकल कराया गया।

प्रवेश के अनुसार, इस घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराने के बाद अगले दिन 6 अप्रैल को दोपहर करीब 1:30 बजे निखिल पुत्र कल्लू, कल्लू पुत्र कटारा और सविता पत्नी कल्लू लाठी-डंडे व चाकू लेकर उनके घर में घुस आए।

आरोप है कि उन्होंने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उन्होंने प्रवेश के पति सुनील, बेटे प्रियांशु और ननद कोमल के साथ मारपीट की। इस दौरान निखिल ने चाकू से सुनील पर हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए, जिसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी कल्लू को हिरासत में लिया था, लेकिन अगले दिन उसे छोड़ दिया गया।

पीड़िता का आरोप है कि पुलिस ने पहले कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जबकि आरोपी लगातार परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

थाना छपरौली प्रभारी आशीष पुंडीर ने बताया कि मामले में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों की परवरिश पर ध्यान देने की जरूरत

शाह टाइम्स ब्यूरो
अमरोहा। शहर के मोहल्ला दरबार मीरा खां स्थित इमाम बारगाह में मरहूम सैय्यद आदिल रजा के चेहल्लुम पर मजलिस का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत करते हुए कर्बला का वाक्या सुना। आलिमेदीन ने इंसानियत और भलाई के रास्ते पर चलने का पैगाम दिया। मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना अहसन अख्तर सरा. ेश ने कहा कि एक अच्छा इंसान हमेशा समाज के काम आता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अच्छा इंसान और सच्चा मुसलमान वही है जो खुद को तमाम बुराईयों से दूर रखे। इस्लाम हमें ऊंचे अख्लाक और दूसरों की मदद करने का सबक देता है। मौलाना ने नसीहत देते हुए कहा कि वे अपने बच्चों की परवरिश पर विशेष ध्यान दें और उन्हें बचपन से ही भलाई करना और नेक राह पर चलना सिखाएं, क्योंकि आज की अच्छी परवरिश ही कल के सभ्य समाज की नींव है। मजलिस का आगाज रिवायती मर्सिया ख्वानी से हुआ। लोगों ने मरहूम के व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्हें एक मिलनसार और नेक दिल इंसान बताया। इस दौरान अधिवक्ता इब्ने हैदर एड, पायम्बर नकवी, जिया हैदर नकवी, शाह नवाज हैदर आबिदी, नवाब मुराद अली खान, आदिल नकवी फैजी, शहवार तकवी, सलीम सज्जाद, शाने हैदर बेबाक, शोएब रजा, रजा आबिदी आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर घायल

छपार। खेत में ट्रेक्टर ट्राली से बोरिंग का सामान उतार कर वापस आ रहा ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर राजबाहे में पलट गया। जिससे उस पर सवार दो युवक गंभीर घायल हो गये। पुलिस ने घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। वहां डाक्टरों ने कन्हैया उर्फ कल्लू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जेसीबी से ट्रेक्टर ट्राली को राजबाहे से बाहर निकलवाया। रविवार को दोपहर के समय गांव रई निवासी दुष्यंत त्यागी का पुत्र अक्षय अपने ट्रेक्टर ट्राली में बोरिंग का सामान भरकर खेत में उतार कर वापस गांव आ रहा था उसके साथ उसकी बुआ का पुत्र कन्हैया उर्फ कल्लू पुत्र अजय त्यागी निवासी गांव निरमाना थाना मंसूरपुर भी था। अनियंत्रित होकर टैक्टर ट्राली अचानक राजबाहे में पलट गई। राजबाहे में पानी नहीं था। दोनों युवक गंभीर घायल हो गये। किसी राहगीर ने पीआरवी को सूचना दी पुलिस ने पहुंचकर दोनों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया वहां डाक्टरों ने कन्हैया को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ओर जेसीबी से ट्रेक्टर ट्राली को बाहर निकलवाया।

युवक को घायल करने वालों को जेल भेजा

बुढ़ाना। एक युवक को घायल करने वाले हमलावरों को बुढाना पुलिस ने जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मांगेराम पुत्र मगना निवासी ग्राम अटाली ने बुढ़ाना पुलिस को एक तहरीर देते हुए बताया कि सुहैल उर्फ सिकन्दर पुत्र शहजाद निवासी ग्राम हरसौली थाना शाहपुर, उस्मान पुत्र शमशाद निवासी पश्चिमी पछाला बुढ़ाना, अनस पुत्र शमशाद निवासी मंदवाडा रोड बुढाना व मोनिस पुत्र शहजाद निवासी कांधला रोड बुढाना द्वारा अपने हाथों में धारदार हथियार व लोहे की रोड आदि लेकर उसके पुत्र अमित कुमार का रास्ता रोककर उसके पुत्र को गन्दी गन्दी गाली देकर जान से मारने की नीयत से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपियो को जेल भेज दिया है।

योग संस्थान का 60 वां स्थापना दिवस मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भारतीय योग संस्थान का 60 वा स्थापना दिवस समारोह उल्लास के साथ मनाया गया।

एसडी मार्केट में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि जिला पंचायत के प्रशासनिक अधिकारी एवं वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा का जिला प्रधान सुभाष गुप्ता एवं केंद्र प्रमुख विनय कुमार वर्मा ने पटका पहना कर स्वागत किया इसके बाद मां सरस्वती एवं एवं भारतीय योग संस्थान के संस्थापक स्वर्गीय प्रकाश लाल जी के चित्र के सम्मुख मुख्य अतिथि राकेश शर्मा प्रशासनिक अधिकारी एवं केंद्र प्रमुख विनय कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित एवं माल्या अर्पण किया गया। उन्होंने कहा कि अप्रैल 1967 को दिल्ली में भारतीय योग संस्थान की स्थापना स्वर्गीय प्रकाश लाल के द्वारा की गई थी।

आज भारत एवं विश्व में संस्थान की 4500 से अधिक योग कक्षाएं निशुल्क चल रही है भारत के 23 राज्यों में एवं विदेशों में ऑस्ट्रेलिया यूके मॉरीशस फिजी अमेरिका दुबई ताइवान चीन एवं कनाडा आदि देशों में निशुल्क निरंतर चलाई जा रही है जिसमें लाखों लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्ञानचंद अरोड़ा योगाचार्य ने व संचालन जिला संयोजक प्रोफेसर आरके गर्ग द्वारा किया गया। रेनू तायल व विनीता मित्तल, शशि जैन, प्रमिला राय,ने ताड़ासन अर्ध चक्रासन, धर्मवीर सिंह पाल ने सूर्य नमस्कार आर के गर्ग ने कोणासन केंद्र प्रमुख विनय कुमार वर्मा, नरेंद्र सिंह एडवोकेट, संजीव गोयल, जिला महामंत्री प्रेम सिंह राणा, सुधा गर्ग,दिनेश सिंघल,विनीता मित्तल ने प्राणायाम कराया। आज के कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केंद्र प्रमुख विनय कुमार वर्मा रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अगम प्रकाश, धर्मवीर पाल, मित्रसेन पाल, रतन पाल, विनोद पाल, सचिन पाल, राकेश खुराना, पवन गर्ग, बीके ग्रोवर, सुधीर शर्मा, राजकुमार पाल, शशि राज गुप्ता, श्याम पाल, सोमदत्त पाल, मनोज वर्मा, रवि कुमार, सुरेंद्र सिंह

पाल, राजेंद्र कुमार, राजेश देवी,ममता शर्मा, संतोष देवी, मुनेश देवी, सविता नामदेव, उर्मिला देवी,अनीता देवी, रंजना देवी, सुधा गर्ग, मीनू का सहयोग रहा।

वांछित के मकान पर मुनादी कर चस्पा किया नोटिस

शाह टाइम्स संवाददाता

भोपा। पुलिस ने कादीपुर गांव में एक वारंटी सोनू पुत्र ईशमपाल के मकान के दरवाजे पर नोटिस लगाए व गांव में ढोल बजवाकर मुनादी कराई।

भोपा थाना क्षेत्र के गांव कादीपुर निवासी महेश कुमार ने गांव के ही सोनू पर मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था। भोपा पुलिस ने मुकदमे में वांछित सोनू को पकड़ने के लिए कई बार दबिश दी, परंतु सफलता हाथ नहीं लगी। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर सोनू के मकान पर नोटिस चस्पा किए व गांव में ढोल बजवाकर मुनादी करवाई है।

तेज रफ्तार कारों संग स्टंट कर रहे युवाओं का वीडियो वायरल

■ पुलिस ने बिगडैल युवकों की शुरू की तलाश

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। युवकों के द्वारा सड़कों पर कारों में फिल्मी स्टाइल में स्टंटबाजी करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ युवक तेज रफ्तार कारों के साथ खतरनाक स्टंट करते नजर आ रहे हैं, जिससे सड़क सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना बुढ़ाना कस्बे की किसी सड़क की है जहां पर 03 से लेकर 04 कारों में सवार कुछ युवकों ने जान लेवा करतब दिखाए हैं। वायरल हुई वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ युवक चलती गाड़ियों से बाहर निकलकर भी स्टंट कर रहे हैं जो ना केवल उनकी जान के लिए खतरा है बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी जोखिम पैदा कर रहा है।

स्थानीय पुलिस प्रशासन पहले ही ऐसे मामलों में सख्त चेतावनी दे चुका है और समय समय पर कार्रवाई भी कर रहा है। इसके बावजूद भी युवक बेखौफ होकर इस तरह की हरकतों को अंजाम देने में लगे हैं। उधर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने जिले में स्टंटबाजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अब देखना होगा कि बुढ़ाना पुलिस इन लापरवाह युवकों पर कब तक प्रभावी कार्रवाई करती है और सड़कों पर इस तरह की रोजाना कि खतरनाक स्टंटबाजी पर पूरी तरह रोक लगा पाती है। इस संबंध में बुढ़ाना कस्बा चौकी के इंचार्ज ललित कुमार कसाना ने स्टंट करने वाले युवकों की तलाश शुरु कर दी है।

जिसकी आनी थी बारात वहीं प्रेमी संग फरार

सोने चांदी के जेवरात व एक लाख रुपये गायब

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढाना। जिस नवयुवती की अगले दिन ही बारात आनी थी उसी नवयुवती ने एक दिन पहले ही रात में अपने परिजनों को नशीली चाय पिलाकर बेहोश कर दिया और घर में रखे सोने चांदी के जेवरात व एक लाख रुपये लेकर अपने प्रेमी के संग फरार हो गयी। जब परिजनोंं को होश आया तो उनकी पुत्री घर पर नहीं मिली और घर का सभी सामान अस्त व्यस्त था तो परिजनों के पैरों तले की जमीन खिसक गयी। इस घटना को लेकर परिजनों में जबरदस्त को. हराम मचा हुआ है। मिली जानक. ारी के अनुसार बुढ़ाना कोतवाली की सफीपुर पटी निवासी एक ग्रामीण ने बुढ़ाना पुलिस को एक तहरीर देते हुए बताया कि उसकी पुत्री को पहले से ही मोहल्ले का आरिफ पुत्र नसीम परेशान करता चला आ रहा था। उसकी पुत्री की बीती 11 अप्रैल को मुजफ्फरनगर शहर से बारात आनी थी। बारात आने से एक दिन पहले ही बीती 10 अप्रैल की देर रात लगभग 09 बजे उसकी पुत्री ने सभी को नशीली चाय बनाकर दी तो लगभग 03 घंटे बात चाय पीते ही परिवार के सब सदस्य बेहोश हो गये। तब योजना के मुताबिक उसके घर पर आरिफ अपनी बहन मुस्कान, बहनोई साकिब, मां सईदा, भाई आदिल, रिहान और वसीम, छोटा व फिरोज पुत्रगण कल्लू आए और उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगाकर ले गये और घर मे रखी सोने की 08 चीजें, चांदी की 10 चीज और एक लाख रुपये भी अपने साथ में ले गये। वह एक गरीब व्यकित है और मेहनत मजदूरी करके ही अपने परिवार का पालन पोषण करता है। अब उसे डर है कि सभी आरोपी उसकी पुत्री के साथ कोई बडी अनहोनी ना कर दें। अब पीड़ित ने पुलिस से सभी आरो. पियों के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई है। उधर बुढ़ाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर नवयुवती और उसको ले जाने वाले सभी आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है। ये घटना मोहल्ले में चर्चा का विषय बनी हुई है।

खाटू श्याम निशान यात्रा में उमड़े हजारों भक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। कस्बे में रविवार को आस्था और भकित का अनोखा संगम देखने को मिला, जब श्री खाटू श्याम युवा मित्र मंडल के तत्वावधान में तीसरी श्री श्याम निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा नगर बाबा श्याम के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत गीता भवन संकीर्तन मंदिर से हुई, जहां बाबा खाटू श्याम का भव्य दरबार सजाया गया। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना और आरती में भाग लेकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद हाथों में निशान ध्वज लिए भकतों ने शोभा यात्रा का शुभारंभ किया।

यात्रा जैसे ही नगर के मुख्य मार्गों पर आगे बढ़ी, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भकित गीतों की धुन पर श्रद्धालु झूम उठे। फूलों से सुसज्जित रथ पर विराजमान बाबा श्याम की झांकी ने सभी का मन मोह लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यह यात्रा दुर्गा मंदिर से होते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरकर पुनः मंदिर परिसर में पहुंची, जहां समापन के अवसर पर महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वित. रित किया गया। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें ख्याति प्राप्त भजन गायक बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। इस अवसर पर अभय जैन, पंकज भटनागर, शिवम, यश छाबड़ा, हिमांशु सिंगल, प्रमोद कुमार, प्रीति महंत, अनुज गर्ग, अंकुर,

पंकज कुमार, पंकज गुप्ता, शिवम वर्मा, अमित गोयल, प्रदीप जैन, अनिल नागर, निर्भीक अग्रवाल, सुमित गुप्ता, चिराग जैन, दीपक बंसल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं के लिए चेतावनी की जारी

■ बकायेदारों के कनेक्शन काटने का चलेगा अभियान

बुढ़ाना। स्थानीय बिजली विभाग ने बकाया बिलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। विभाग ने उपभोकताओं को अंतिम चेतावनी जारी करते हुए जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करने को कहा है। स्थानीय विद्युत ग्रह के जेई शिव कुमार ने बताया कि जिन उपभोकताओं का बिजली बिल 5000 रुपये से भी अधिक है और वे पूरा बिल जमा करने में असमर्थ हैं उन्हें कम से कम कुल बकाया का 25 प्रतिशत भुगतान अवश्य जमा कराना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर बिल जमा न करने वाले उपभोकताओं के बिजली कनेक्शन खंभे से काट दिए जाएंगे। जेई शिवकुमार ने सभी उपभोकताओं से अपील की है कि किसी भी कार्रवाई से बचने के लिए समय पर बिल जमा करें, अन्यथा इसकी जिम्मेदारी स्वयं उपभोकता की होगी। इसके साथ ही स्थानीय बिजली विभाग की टीम क्षेत्र में घर घर जाकर कनेक्शनों की जांच भी कर रही है इसके साथ ही, बिजली विभाग की टीम क्षेत्र में घर-घर जाकर कनेक्शनों की जांच भी कर रही है। इस दौरान बिजली चोरी की संभावनाओं को भी परखा जा रहा है। स्थानीय विद्युत विभाग की टीम लोगों से बात. चीत कर उन्हें जागरूक कर रही है और बिजली का वैध उपयोग करने की अपील कर रही है।

ट्राई साइकिल वितरण करते हुए छलका सांसद का दर्द

बोले- जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रमों से दूर रखना सही परंपरा नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राई साइकिल वितरित की गई।बैटरी चालित ट्राई साइकिल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान नजर आई। कार्यक्रम के दौरान सांसद हरेंद्र मलिक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के मुजफ्फरनगर दौरे को लेकर उन्हें निमंत्रण न मिलने पर नाराजगी जताई।उन्होंने कहा कि दोनों बड़े नेता जनपद में आ रहे हैं, लेकिन उन्हें स्वागत का अवसर नहीं दिया गया, जो उचित नहीं है।उन्होंने इसे लोकतांत्रिक परंपराओं के विपरीत बताते हुए कहा कि विपक्षी जनप्रतिनिधियों को सरकारी कार्यक्रमों से दूर रखना सही परंपरा नहीं है। गुलशन पॉलीओल्स लिमिटेड के सहयोग से लगभग 10 दिव्यांगजनों को सपा सांसद हरेंद्र मलिक के आवास पर कार्यक्रम में सपा विधायक पंकज मलिक भी मौजूद रहे।उन्होंने बताया कि छात्रों के माध्यम से दिव्यांगजनों के नाम चयनित किए गए हैं और आगे भी पात्र लोगों को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी।

मुजफ्फरनगर: दिव्यांगों को ट्राई साईकिल देते सांसद हरेन्द्र मलिक व विधायक पंकज मलिक।

एआई कार्यशाला का भव्य समापन, विशेषज्ञों ने बताए मीडिया के बदलते आयाम

मुजफ्फरनगर। श्री राम कॉलेज, के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित हएप्लीकेशन ऑफ़ ए इन जर्नलिज्म एंड कम्युनिकेशन विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आज सफलतापूर्वक समापन किया गया। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं मीडिया से जुड़े प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला के अंतिम दिन कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार रखते हुए पत्रकारिता एवं संचार के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्धए आईऋ के बढ़ते प्रभाव, उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ रमेश चंद कश्यप विभागाध्यक्ष एआईएमएल विभाग श्री राम कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग ने अपने वकतव्य में कहा कि ए आई आज के समय में केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि मीडिया इंडस्ट्री का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। उन्होंने बताया कि मशीन लर्निंग एवं डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से समाचारों का विश्लेषण अधिक सटीक और तेज़ी से किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों को अपनाने और स्वयं को अपडेट रखने की सलाह दी।रुचि राय प्रवकता कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग श्री राम कॉलेज ने तकनीकी पक्ष पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ए आई टूल्स जैसे कंटेंट जनरेशन, ऑटोमेशन और डेटा प्रोसेसिंग आज के मीडिया प्रोफेशनल्स के लिए बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने छात्रों को विभिन्न डिजिटल टूल्स के व्यावहारिक उपयोग के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे ये टूल्स कार्य को सरल और प्रभावी बना सकते हैं। डॉ. ओमप्रकाश कुशवाहा विभागाध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग श्री राम कॉलेज ने अपने संबोधन में कहा कि ए आई के उपयोग से पत्रकारिता में नई संभावनाएं खुल रही हैं, लेकिन इसके साथ नैतिकता का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने फेक न्यूज और गलत जानकारी से बचने के लिए फैक्ट-चेकिंग के महत्व पर विशेष जोर दिया और छात्रों को जिम्मेदार पत्रकार बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया। सभी प्रतिभागियों ने ए आई से संबंधित नई जानकारियां प्राप्त कर अपने कौशल को विक. सित करने का अवसर पाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वित. रित किए गए। विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश कुशवाहा ने सभी अतिथियों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यकत करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।इस अवसर पर डीन आइक्यूएसी डॉ विनीत शर्मा, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रवकता कहकशा मिर्जा, शिवानी बर्मन, मयंक वर्मा आदि उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया जाएगा मां बगलामुखी पीतांबरा जयंती महोत्सव

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित पांडव कालीन माता पार्वती मंदिर में मां बगलामुखी पीतांबरा जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें श्रीमद भागवत कथा के अलावा रामल. ीला का मंचन भी किया जाएगा। जिसकी तैयारी जोरों से चल रही है।

धाम के संस्थापक एवं कार्यक्रम संयोजक डां. अयोध्या प्रसाद मिश्र महाराज ने बताया कि गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी 17 से 24 अप्रैल तक मां बगलामुखी पीतांबरा जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें 17 अप्रैल को कलश स्थापना समारोह के बाद नगरी में बैंडबाजों के बीच शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसके बाद बनारस तीर्थ के स्वामी ज्ञानेश्वरानन्द महाराज के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ होगा।

चित्रकूट धाम के आचार्य देवशरण त्रिपाठी के द्वारा दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक श्रीमद भागवत कथा ज्ञान की अमृत वर्षा की जाएगी तथा प्रात नौ बजे से 10:30 तकदैनिक हवन का होगा। महोत्सव में 18 से 23अप्रैल तक रात्रि में चित्रकूट के कलाकारों के द्वारा श्री रामलीला का मंचन किया जाएगा। समापन पर 24 अप्रैल को मां बगलामुखी की 81 फुट ऊंची मूर्ति का चरणाभिषेक होगा, जिसके बाद

संतों के प्रवचन होंगे तथा महाप्रसाद भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी जोरों से चल रही है। श्रद्धालुओं के रहने ठहरने की व्यवस्था आश्रम में ही की जाएगी।

विवाहिता को भगाकर ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

बुढ़ाना। कोतवाली की गढ़ी सखावतपुर पुलिस चौकी के एक गांव के निवासी ने पुलिस को विगत दिवस एक तहरीर देते हुए बतलाया था कि नितिश और 2 अन्य अज्ञात व्यक्ति उसकी पत्नि को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गये हैं। तब पुलिस क्षेत्राधिकारी गजेंद्र पाल सिंह के निर्देश पर बुढ़ाना पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरु कर दी थी। मुखबिर की सूचना पर ब पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त सचिन पुत्र बाबूराम निवासी अतोल्लापुर थाना बापौली जनपद पानीपत हरियाणा को मेरठ करनाल हाईवे पर बायवाला पुल के पास गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी को मेरठ वाया करनाल हाईवे पर बायवाला पुल के पास से गिरफ्तार किया है।

योगी से पहले पूर्व मंत्री बालियान लगातार चर्चाओं में

मुजफ्फरनगर। योगी की रैली से पहले पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान लगातार चर्चाओं में चल रहे हैं। रैली से दो दिन पहले ही उनके पिता और भाई की फैक्ट्री श्रीराम पोटाश पर जीसटी की छापेमारी और एक करोड 68 लाख रूपये मौके पर ही जमा कराने की जानकारी जैसे ही लोगों को मिली तो उन्होंने अलग-अलग अर्थ निकालने शुरू कर दिये है।

गौरतलब है कि मेरठ में अन्तर्राष्ट्रीय जाट संसद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ हुई बयानबाजी के वक्त श्री बालियान मंच पर ही थे। तभी से ही उनको लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म था। योगी की आज प्रस्तावित रैली को लेकर हुई बालियान का रूख जानने को लोग बेताब रहे। भाजपा के स्थानीय नेतृत्व ने इस रैली को लेकर उन्हे कोई खास जिम्मेदारी नही दी है। जिस कारण यह देखना भी दिलचस्प होगा कि श्री बालियान को कल योगी के मंच पर कितना रैस्पोंस मिलता है या उन्हे अनदेखा कर योगी प्रशासन के लिए कोई मूक संदेश छोड जायेंगे।

17 कन्याओं का सामूहिक विवाह

■ भव्य आयोजन में उमड़ा जनसैलाब
■ शहनाइयों के बीच गूंजे मंगलगीत

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। कुर्मी क्षत्रिय सभा के तत्वावधान में आयोजित 18वां स्वजातीय परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह समारोह रविवार को भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। शहनाइयों की मधुर धुन, वैदिक मंत्रोच्चार और मंगलगीतों के बीच 17 कन्याओं का विवाह पूरे विधि-विधान से कराया गया। समारोह में समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए और नवदंपतियों को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाध्यक्ष एडवोकेट के.पी. सेन गंगवार एवं उनकी पत्नी सुधा सेन गंगवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, इसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया और विवाह परिचयिका का विमोचन किया गया। पूरे आयोजन में पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक एकता की झलक देखने को मिली। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, पूर्व विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री भगवत सरन गंगवार, पूर्व विधायक छोटे लाल गंगवार, ब्लॉक प्रमुख भूपेन्द्र कुर्मी, आईएमए अध्यक्ष डॉ. डी.पी. गंगवार, प्रवेश राठौर, कर्नल पुरुषोत्तम सिंह और रत्नेश गंगवार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एड. के.पी. सेन गंगवार ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार ने किया। सभी 17 नवविवाहित जोड़ों को मंच पर आमंत्रित कर अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों ने आशीर्वाद दिया। विवाह उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया, साथ ही नवदंपतियों को गृहस्थी की शुरुआत के लिए आवश्यक उपहार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत देते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने इसे बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य की दिशा में सराहनीय पहल बताया। जिलाध्यक्ष एड. के.पी. सेन गंगवार ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज को एक मंच पर लाकर जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना है, जिससे सामाजिक बंधन मजबूत होते हैं और आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलता है।

जमीनों पर कब्जे को लेकर फिर गरमाई रामगंगा की कटरी

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली/फरीदपुर। जमीनों पर कब्जेदारों को लेकर कई बार खून-खराबे के दौर दे चुकी रामगंगा की कटरी फिर गरमा रही है। खादर क्षेत्र में खाली पड़ी जमीनों को हथियाने के चक्कर में रंजिशें बढ़ रही हैं।

दो दिन पहले फरीदपुर क्षेत्र के गोवन्दिपुर गांव में रंजिश के चलते दो गुटों के बीच अंधाधुंध फायरिंग और पुलिस पर हमले ने प्रशासन की चिंताएं फिर बढ़ा दी हैं।

पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए गोलीबारी में इस्तेमाल लाइेंसी हथियार जब्त कर कई लोगों को गिरफ्तार जरूर कर लिया है, लेकिन कटरी क्षेत्र में तनातनी ने भविष्य की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। रामगंगा की कटरी में खाली पड़ी जमीनों पर कब्जे का खेल नया नहीं है। 11 जनवरी 2023 को दबंग सपा नेता सुरेश पाल सिंह और सरदार परमजीत सिंह गुटों में जमीनों पर कब्जेदारी को लेकर खूनी संघर्ष किया था। इसमें कुछ लोग मारे गए थे और कई घायल होकर लंबे समय अस्पतालों में भर्ती नजर आए थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि दबंगों के बीच जमीनें हथियाने की लड़ाई इसलिए भी कभी खत्म नहीं होती, क्योंकि फसल बोता कोई है और काटता कोई और। दबंगों को राजनैतिक संरक्षण का खेल रंजिशों को और हवा देता है, जिसकी वजह से पुलिस-प्रशासन लाख कवायद के बाद भी हर बार नया टकराव सामने आता रहता है।

कटरी क्षेत्र में रहने वाले लोग बताते हैं कि चकबंदी प्रक्रिया में कई तरह की कमियां होने से विवाद बढ़ रहे हैं। चकबंदी सीओ श्याम नारायण अग्निहोत्री बताते हैं कि रायपुर हंस रायपुर तोमकन में चकबंदी चल रही है। हम आवंटन नही करते हैं। नदी की जो जमीन जलमग्न होती है, उसको चकबन्दी से पृथक रखा जाता है। प्रयास रहता है किसानों की जमीन सुरक्षित रह सके। जिनका विनिमय अनुपात नहीं होता, उनको चकबंदी में शामिल नहीं किया जाता।

बरेली नहीं नहीं, बल्कि शाहज. हांपुर, बदायूं, एटा, फर्रुखाबाद सहित कई जिलों में लंबे समय आतंक का पर्याय बना रहा कलुआ डकैत भी रामगंगा के कटरी क्षेत्र में सक्रिय रहा था। कलुआ गैंग ने दर्जनों पुलिसकर्मियों की हत्या कर डाली थी और उसके नाम से लोग कांपते थे। कल्लू गैंग के नाम पर भी कटरी में जमीनों पर कब्जे का खेल चला था। 15 जनवरी सन् 2006 को थाना कटरी में तत्कालीन एसओजी प्रभारी विजय राणा और थाना फतेहगंज पूर्वी पुलिस के साथ मुठभेड़ में कल्लू उर्फ कलुआ डकैत मारा गया था।

उसके बाद कल्लू गैंग के कई सदस्य अलग-अलग समय और स्थानों पर पुलिस के साथ मुठभेड़ों में ढेर होते रहे।

एक नजर

सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार आज करेंगे जनसुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। बरेली से सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार सोमवार आज मीरगंज तहसील में जनसुनवाई करेंगे। यह कार्यक्रम दोपहर 12.00 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित होगा।गन्ना समिति के चेयरमैन तेजपाल फौजी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनसुनवाई के दौरान सांसद ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे और संबंधित अधिकारियों से उनका शीघ्र समाधान कराने का प्रयास करेंगे।उन्होंने बताया कि सांसद गंगवार केंद्र सरकार की सामा. जिक न्याय एवं अधिकारिता स्थायी समिति तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी हैं, जिससे क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान में उन्हें अनुभव का लाभ मिलता है।

सुजातपुर में दो घरों में लाखों की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के सुजातपुर गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना से गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सुजातपुर निवासी शाकिर हुसैन पुत्र इरफान हुसैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सुबह करीब चार बजे जब उनकी नींद खुली तो घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर पता चला कि चोर सोने-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी कर ले गए।चोरों ने इसी दौरान पड़ोसी शमशाद के घर को भी निशाना बनाया और वहां से भी नकदी समेत अन्य कीमती सामान पार कर दिया। एक ही रात में दो घरों में हुई चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की तलाश में जुटी है। थाना मीरगंज के इंस्पेक्टर संजय तोमर ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गेहूं की खंदाई के दौरान खेत से लापता ढाई साल की बच्ची मिली

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। गेहूं की खंदाई के दौरान खेत पर सो रही ढाई वर्ष की बच्ची अचानक लापता हो गई, जिससे परिजनों में हड़कम्प मच गया। काफी खोजबीन के बाद भी देर रात तक बच्ची नहीं मिली। जिसपर बच्ची के पिता ने थाना नवाबगंज में उसकी रिपोर्ट दर्ज करायी। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सर्च अभियान चलाया। कई घंटे चले सर्च अभियान के बाद पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बच्ची को ढूंढ निकाला। थाना नवाबगंज क्षेत्र के अधकटा नजराना गांव के रहने वाले मुस्तफा शनिवार शाम अपने खेत में थ्रेसर से गेहूं की खंदाई करा रहे थे। उनके साथ पत्नी नईमा बानो, बेटा मोहम्मद फैज, बेटी कहकशा और ढाई साल की बेटी तौसीबा भी मौजूद थी। फैज और कहकशा गेहूं की पूलियां थ्रेसर में लगा रहे थे, जबकि नईमा बानो ने तौसीबा को पास ही खेत में सुलाकर काम शुरू कर दिया। रात करीब 11 बजे जब मां ने बच्ची को देखा तो वह वहां नहीं थी। आनन-फानन में परिजनों ने खेत में उसकी तलाश शुरू की। साथ काम कर रहे लोग भी खोजबीन में जुट गए, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं लगा। इसकी सूचना गांव पहुंचते ही गांव में खलवली मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण खेत और आसपास के क्षेत्र में खोज के लिए निकल पड़े। काफी देर तक तलाशने के बाद भी जब वह नहीं मिली तो पिता मुस्तफा ने थाने पहुंचकर उसकी रिपोर्ट दर्ज करायी। बच्ची के खेत से लापता होने की खबर मिलते ही कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, और सर्च अभियान शुरू कराया। कई घंटे चले सर्च अभियान के बाद ग्रामीणों को वहां से एक किलोमीटर दूर गांव के ही बंटू के ट्यूबवेल पर जमीन में बिछे बोरे पर लेटी हुई मिली। जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। बच्ची के मिलने से परिजनों की खुशी देखते ही बन रही थी।

सीओ के फालोअर से अभद्रता, भाजपा बूथ अध्यक्ष से मारपीट पर इंस्पेक्टर क्राइम निलंबित

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। थाने में फरियादियों से खराब व्यवहार को लेकर चर्चा में रहने वाले इंस्पेक्टर क्राइम जयपाल सिंह पर इस बार कार्रवाई की गाज गिर गई। शुक्रवार शाम उन्होंने पहले सीओ के फालोअर वीरपाल से गाली-गलौज की और बाद में भाजपा के बूथ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह को थाने बुलाकर उनके साथ मारपीट कर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया।

एक माह पहले थाने में तैनात किए गए इस्पेक्टर क्राइम जयपाल सिंह का रवैया फरियादियों के प्रति अच्छा नहीं था। वह थाने में फारियादियों को देख उन्हें हड़काने लगते थे। जिसकी शिकायतें अधिकारियों तक पहुंचती रहती थीं। शुक्रवार को थाने आए सीओ के फालोअर वीरपाल गंगवार से उन्होंने अभद्रता करते हुए गाली गलौज कर डाली। जिसकी शिकायत फालोअर ने सीओ से की, तो सीओ ने कोतवाल को कार्रवाई के आदेश दिए। इसी बीच, कस्बे के मोहल्ला कुम्हारान निवासी भाजपा बूथ अध्यक्ष देवेंद्र सिंह को इंस्पेक्टर क्राइम ने फोन कर थाने बुलाया। आरोप है कि थाने पहुंचने पर उनके साथ गाली-गलौज कर थप्पड़ मारे और लात-घूंसों से पिटाई की। साथ ही जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल भी किया गया। जिससे नाराज बूथ अध्यक्ष ने उनके खिलाफ पुलिस को तहरीर भी दी। दोनों मामलों की शिकायतों के बाद एसएसपी के आदेश पर जांच हुई तो आरोपों की पुष्टि हुई। जिसपर एसएसपी अनुराग आर्य ने इंस्पेक्टर क्राइम जयपाल सिंह को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए।

भारत गैस एजेंसी लालपुर की जांच

■ उपभोक्ताओं ने लगाए गंभीर आरोप बिना सिलेंडर डिलीवरी
■ कालाबाजारी और अवैध वसूली का मामला गरमाया

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरगंज। क्षेत्र के लालपुर स्थित भारत गैस एजेंसी की शिकायतों के बाद प्रशासन हरकत में आया। शनिवार को गैस सिलेंडरों के कथित रूप से भारी वाहनों से अवैध वितरण का वीडियो वायरल होने, बिना सिलेंडर दिए ऑनलाइन डिलीवरी दिखने और बीमा के नाम पर 236 रुपये वसूले जाने की शिकायत उपजिलाधिकारी से किए जाने पर रविवार को जांच टीम एजेंसी पहुंची।

जांच के दौरान मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं ने टीम के सामने शिकायतों की झड़ी लगा दी और एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाए।बैरमनगर निवासी आरिफ पुत्र रियासत खां ने बताया कि उन्होंने पिछले छह महीनों से गैस सिलेंडर नहीं लिया है, इसके बावजूद उनके नाम पर लगातार ऑनलाइन डिलीवरी दिखाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 24 मार्च को एजेंसी द्वारा सिस्टम में गड़बड़ी कर उनके नाम पर सिलेंडर निकाल लिया गया। जब वह बुकिंग कराने एजेंसी पहुंचे तो न तो बुकिंग की गई और न ही सिलेंडर दिया गया। इसी तरह बुझिया जागीर निवासी सद्दीकन पत्नी नन्हे ने बताया कि 4 मार्च को उनका सिलेंडर ऑनलाइन निकालकर बेच दिया गया। वहीं कस्बा शाही के मोहल्ला ठाकुरद्वारा निवासी शरद ने भी आरोप लगाया कि 19 मार्च को उनके नाम पर सिलेंडर निकाल लिया गया, जबकि उन्होंने कई महीनों से सिलेंडर लिया ही नहीं है।नगरिया सोवरनी निवासी सत्यपाल यादव ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 19 अप्रैल को है। उन्होंने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर सिलेंडर उपलब्ध कराने की गुहार लगाई थी, लेकिन निर्देश के बावजूद एजेंसी द्वारा उन्हें सिलेंडर नहीं दिया गया।कई उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से बिना सिलेंडर दिए ही उनके नाम पर ऑनलाइन एंट्री कर सिलेंडर कालाबाजारी में बेचे जा रहे हैं।वहीं अमित कुमार पुत्र राधेश्याम ने बीमा के नाम पर 236 रुपये वसूले जाने की शिकायत करते हुए बताया कि उनसे जबरन पैसे लिए गए और विरोध करने पर दबाव बनाया गया।

इस पर एजेंसी प्रबंधक राम औतार का कहना है कि हर पांच वर्ष में होने वाली जांच के तहत 236 रुपये शुल्क लिया जाता है। हालांकिशिकायतकर्ता अमित का कहना है कि उनके कनेक्शन को अभी केवल दो वर्ष ही हुए हैं।नायब तहसीलदार अरविंद कुमार ने बताया कि जांच के दौरान एजेंसी का स्टॉक और स्टॉक रजिस्टर सही पाया गया है।

अन्य शिकायतों की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जांच टीम में आपूर्ति निरीक्षक राज. ेश कुमार यादव, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार तथा थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

उड़ान ग्लोबल स्कूल में "काव्य तरंग" कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। उड़ान ग्लोबल स्कूल में "काव्य तरंग" कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमांशु श्रोत्रिय 'निस्पक्ष' ने की जबकि सफल संचालन उमेश त्रिगुणायत 'अध्यौत' द्वारा किया गया।

कवि सम्मेलन में जितेश राज 'निर्गुणायत', निर्मल सक्सेना, अभिषेक अग्निहोत्री, सुल्तान जहां, विकास आर्य 'स्वप्न', कुलदीप 'कल्प',रिजवान फरीदी एवं नेहा मिश्रा ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं का पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाईं। यह आयोजन एडवोकेट सुधांशु शर्मा, डायरेक्टर उड़ान ग्लोबल स्कूल द्वारा उनके स्वर्गीय पिता राजेंद्र प्रसाद शर्मा की पुण्य स्मृति में आयोजित कराया गया।विद्यालय की प्रबंधन समिति की ओर से डॉ. सत्यवीर सिंह गुज्जर, विनोद गंगवार, रिजवान सहित अन्य गणमान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद प्रजापति एवं प्रशासक ऋतु शर्मा ने सभी कवियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कई दिग्गज कर सकते हैं हाथी की सवारी!

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। मिशन-2027 की तैयारी में जुटी मायावती की बरेली बिग्रेड ने भाजपा-सपा को जिले में झटके पर झटके देने की तैयारी कर ली है। सत्तारूढ़ भाजपा और सपा कैंप में सक्रिय होकर टिकट की उम्मीद लगाए कई सूरमा हालात देखते हुए बी प्लान पर भी काम कर रहे हैं और चुपके-चुपके बसपा संगठन से संपर्क बढ़ा रहे हैं। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि कुछ दिग्गज चुनावी समय में बेटिकट होते ही हाथी की सवारी करते नजर आएंगे। कई तरह की चर्चाओं और कयासें के बीच बसपा की टिकट पर भोजीपुरा सीट से दमदार कुर्मी चेहरा आशीष पटेल और भोजीपुरा से अल्पसंख्यक दांव के रुप में डा. मोहम्मद फाजिल का उतरना लगभग तय हो चुका है।

आशीष पटेल बिथरी से दो बार बसपा विधायक रहे कद्दावर नेता दिवंगत वीरेन्द्र सिंह के सुपुत्र हैं और पिता की राजनैतिक विरासत आगे बढ़ाने में जुटे हैं। आशीष पटेल ने 2022 विधानसभा चुनाव बिथरी सीट से लड़ा था, लेकिन जीत से दूर रहे थे। पिछले चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर ब्लाक प्रमुख योगेश पटेल ने बागी होकर हाथी की सवारी कर ली थी और खुद जीत न सकने के बाद भी भगवा कैंप की हार का बड़ा फैक्टर साबित हुए थे। योगेश पटेल अब फिर भाजपा कैंप में हैं। आशीष पटेल कैंप से जुड़े लोगों के अलावा बसपा संगठन भी यह बात खुलकर कह रहा है कि इस बार वह भोजीपुरा के मैदान में ताल देते नजर आएंगे। सभी जानते हैं कि आशीष के पिता स्व. वीरेन्द्र सिंह अपने समय में बरेली के बड़े राजनैतिक छत्रप माने जाते थे। पवन विहार परिवार की विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख चुनावों में जीत के आंकड़े किसी छिपे नहीं है। पिता वीरेन्द्र सिंह के असमय निधन के बाद से पुत्र आशीष पटेल लगातार नीला झंडा थामकर आगे बढ़ रहे हैं, हालांकि उनके चाचा पूर्व ब्लाक प्रमुख बसपा छोड़ सपा और वहां से भी नाता तोड़ भाजपा के हो चुके हैं। बसपा को आशीष पटेल से भोजीपुरा में बड़ी उम्मीद है। भोजीपुरा विधानसभा क्षेत्र में बड़ी तादात कुर्मी मतदाताओं की है और आशीष समाज के प्रमुख युवा चेहरा हैं। बसपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी में चुनावी दौड़ में आगे चल रहे दूसरे बड़े खिलाड़ी आला हजरत अस्पताल के संचालक डा. मोहम्मद फाजिल हैं। चिकित्सा पेशे से जुड़े होने के साथ अपने समाज पर अच्छी पकड़ भी बताई जाती है। बिथरी से बसपा ने 2007 और 2012 में जीत दर्ज की थी। 2017 में बसपा के तत्कालीन विधायक वीरेन्द्र सिंह भाजपाई चेहरा राजेश मिश्रा पप्पू भरतौल के मुकाबले शिकस्त खा बैठे थे। डा.फाजिल के रूप में बसपा बिथरी में अल्पसंख्यक कार्ड खेलने की तैयारी में हैं।

दो बाइकों में आपस में हुई टक्कर, तीन लोग हुए घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

फतेहगंज पश्चिमी। रविवार को अगरास-शंखा रोड पर तेज रफ्तार दो बाइक भिड़ने से तीन लोग घायल हो गए।पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भेज दिया।जहां एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना शीशगढ़ के गांव के मीरपुर निवासी रजत किसी काम से बाइक के द्वारा बरेली जा रहे थे।थाना भोजीपुरा के कस्बा धौरा निवासी कलीम हुसैन अपने दोस्त के साथ बाइक के द्वारा बरेली से लौटकर शाही की ओर जा रहे थे।अगरास-शंखा रोड पर एक इंजीयरिंग कालेज के सामने दोनों बाइक सवार आमने सामने से भिड़ गए।हादसे में दोनो बाइक पर बैठे तीनों लोग गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस के द्वारा बरेली अस्पताल भेज दिया।जहां रजत की हालत नाजुक बताई जा रही है।दोनो बाइक सवार हेलमेट पहनें थे।जिससे सिर में चोट नहीं आने से दोनो बाइक चालक खतरे से बाहर बताए जाते है।

तेज रफ्तार कैंटर ने टुक-टुक को मारी टक्कर, महिला व बच्ची घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। कस्बा नवाबगंज में रविवार शाम एक तेज रफ्तार कैंटर ने ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वाहन पलट गया और उसमें सवार महिला और मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम खुण्डारा थाना जहानाबाद जिला पीलीभीत निवासी महेंद्रपाल की भाभी पुष्पा देवी अपनी 5 वर्षीय पुत्री मिताली के साथ बाजार से खरीदारी कर ई-रिक्शा से वापस घर लौट रही थीं। तभी कस्बे के ब्रजमाया लॉन के आगे गुरुद्वारे के पीछे स्थित सिमरन राइस मिल के पास तेज गति से आ रहे कैंटर ने ई-रिक्शा में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पलट कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में पुष्पा देवी वाहन के नीचे दब गईं, जिससे उनका बायां पैर टूट गया, जबकि बच्ची मिताली को भी गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

बहेड़ी मिल की वादा खिलाफी पर भाकियू (भानु) का ऐलान-ए-जंग

■ भुगतान नहीं हुआ तो होगा चक्का जाम, मंडियों में अवैध वसूली पर भी दी कड़ी चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। शुगर मिल द्वारा गन्ना भुगतान में लापरवाही और मंडियों में नए नियमों के नाम पर किसानों के उत्पीड़न के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन (भानु) के प्रदेश महासचिव इरशाद अहमद ने मोर्चा खोल दिया है। प्रेस वार्ता में यूनियन पदाधिकारियों ने मिल और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द ही किसानों का बकाया भुगतान नहीं हुआ, तो पूरे जिले में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर अमर सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर अनुज सिंह, प्रदेश प्रवक्ता जुबैर सिद्दीकी, मीडिया प्रभारी नितिन सिरोही, प्रदेश सचिव इरशाद अहमद, महासचिव ताहिर बाबा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। युवा प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर अनुज सिंह ने कहा कि शुगर मिल ने 20 फरवरी 2026 से भुगतान शुरू करने का लिखित वादा किया था, लेकिन अब तक किसानों को एक भी रुपया नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन मिल के खिलाफ आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है, जिससे साफ है कि अधिकारियों की मिलीभगत मिल प्रबंधन के साथ है। उन्होंने कहा कि अब यूनियन अधिकारियों से सीधे जवाब मांगेगी।

वहीं प्रदेश सचिव इरशाद अहमद और महासचिव ताहिर बाबा ने कहा कि एक तरफ किसानों का करोड़ों रुपये मिल पर बकाया है, दूसरी ओर समितियां खाद पर ब्याज वसूल रही हैं। उन्होंने मांग की कि जब तक गन्ना भुगतान पूरा नहीं होता, तब तक खाद पर लगने वाला ब्याज तुरंत समाप्त किया जाए। मंडी व्यवस्था को लेकर भी यूनियन ने नाराजगी जताई। मीडिया प्रभारी नितिन सिरोही ने कहा कि गेहूं खरीद में लेखपाल सत्यापन और ऑनलाइन प्रक्रिया के नाम पर किसानों को परेशान किया जा रहा है। प्रवक्ता जुबैर सिद्दीकी ने चेतावनी दी कि यदि मंडी में पल्लेदारी या तौल के नाम पर अवैध वसूली हुई, तो यूनियन कार्यकर्ता कांटों पर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। यूनियन ने साफ किया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो जिला स्तर पर चक्का जाम किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

युवती को बहला-फुसलाकर ले गया युवक, छह के खिलाफ मुकदमा

■ प्रेम प्रसंग की भी चर्चा, पुलिस ने शुरू की जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। थाना क्षेत्र के ग्राम मनक. ापुर उर्फ मूसापुर निवासी ललित कुमार ने कोतवाली बहेड़ी में तहरीर देकर छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि आरो. पियों ने उसकी बहन को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के साथ विरोध करने पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

तहरीर के अनुसार, ग्राम पिताम्बरपुर थाना हाफिजगंज निवासी पुष्पेन्द्र कुमार समेत उसके परिवार के अन्य लोगों पर प्रवेश कुमारी (करीब 23 वर्ष) को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि जब उन्होंने इस संबंध में जानकारी की तो आरोपियों के परि. जनों ने अभद्रता करते हुए धमकी दी।

पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि करीब नौ माह पूर्व एक शादी समारोह में पुष्पेन्द्र कुमार और प्रवेश कुमारी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और प्रेम प्रसंग की बात भी सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि दोनों दूर के रिश्तेदार भी हैं।

प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत

बरेली। गर्मी के सीजन में मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। रेल प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए 13 अप्रैल से 11 मई तक गोमती नगर-बान्द्रा टर्मिनस ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन बरेली मंडल के इज्जतनगर स्टेशन सहित कई प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। जिससे स्थानीय यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक इज्जतनगर संजीव शर्मा ने बताया कि गोमती नगर-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गोमती नगर से दोपहर 2 बजे रवाना होगी और रास्ते में बादशाहनगर, डालीगंज, सीतापुर, लखीमपुर, मैलानी, पीलीभीत और इज्जतनगर शाम 7:17 बजे समेत कई स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए अगले दिन रात 8 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुंचेगी। वापसी में 05034 बान्द्रा टर्मिनस-गोमती नगर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को रात 11 बजे बान्द्रा टर्मिनस से चलेगी और दूसरे दिन विभिन्न स्टेशनों से होते हुए इज्जतनगर रात 12:47 बजे पहुंचकर तीसरे दिन सुबह 7:35 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन कुल 5 फेरों के लिए संचालित की जाएगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं मौहल्ला सुफी टोला शाहजहांपुर रोड़ बरेली, उप्र।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0581-2562222 (बरेली)
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No UPHIN/2003/11165
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सोशल मीडिया से परवान चढ़ा प्यार

■ मुस्कान ने हिंदू धर्म अपनाकर कुनाल संग लिए सात फेरे

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। बिजनौर की रहने वाली मुस्कान ने हिन्दू धर्म अपनाकर बरेली में प्रेमी संग विवाह कर लिया। सुभाषनगर क्षेत्र में स्थित अगस्त्य मुनि आश्रम में पंडित केके शंखधार ने वैदिक रीति-रिवाज से शादी संपन्न कराई।

बताया गया है कि नजीबाबाद की रहने वाली मुस्कान सोशल मीडिया के जरिए बरेली में कुर्मांचल नगर के रहने वाले कुनाल भट्ट के संपर्क में आई थी। दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने साथ जिंदगी बिताने का फैसला कर लिया। शादी के लिए कुनाल और मुस्कार ने अगस्त्य मुनि आश्रम के संचालक पंडित शंखधार से संपर्क किया। मुस्कान ने स्वेच्छा से हिन्दू धर्म अपनाने की बात की। सभी कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पंडित शंखधार ने उसे सनातन धर्म ग्रहण कराया। इसके बाद मंत्रोच्चार के बीच मुस्कान और कुनाल विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए।

हंगामा-हाथापाई करने वाला दरोगा लाइन हाजिर

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। फरीदपुर के रेस्टोरेंट में साथियों के साथ खाना खाकर हंगामा करना दरोगा को महंगा पड़ा। प्रबंधन ने बरेली से लखनऊ तक शिकायत की। जिसके बाद एसएसपी ने दरोगा को फील्ड पोस्टिंग से हटाकर लाइन हाजिर कर दिया है।

एसएसपी बरेली अनुराग आर्या का पुलिसकर्मियों के व्यवहार और आचरण को लेकर लगातार लगातार गंभीर रुख अपनाते आ रहे हैं। जब-जब उदंडता, उदासीनता या अपराधियों से सांठगांठ के मामले सामने आए हैं, पुलिस कप्तान ने सम्बंधित पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करके दिखाई है। इसके बाद भी पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं।

ताजा मामला फरीदपुर थाने का है। शिकायत के अनुसार, थाने में तैनात दरोगा रविंद्र राणा पर राजधानी होटल के मैनेजर कमल कुमार ने आरोप लगाया था कि चार अप्रैल की रात सब इंस्पेक्टर राणा तीन साथियों के साथ नशे में रेस्टोरेंट आ गए थे। उन्होंने खाना खाया। मैनेजर ने बिल मांगा तो वह अभद्रता करने लगे।गाली गलौज की।

आरोप है कि ग्राहकों से भी धक्कामुक्की की। हंगामे के बाद धमकी देते हुए चले गए। मामले की शिकायत थाने में की गई मगर पुलिस ने नहीं सुनी। जिसके बाद मैनेजर ने डीजीपी कार्यालय से लेकर शासन तक शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की। लखनऊ से निर्देश जारी होने के बाद दरोगा को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

पोते की मौत के बाद दादी ने की आत्महत्या

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। कस्बा क्षेत्र के मोहल्ला दुबे निवासी श्याम कली के पोते हर्षित राठौर की एक सप्ताह पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी इसी के चलते दादी गहरे सदमे में आ गई थी और अपनी जीवन लीला आत्महाद करके समाप्त की। इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पोते की सड़क हादसे में मौत के एक सप्ताह बाद दादी ने भी आत्महत्या कर ली। जानकारी के

अनुसार मोहल्ला दुबे निवासी श्याम कली के पोते हर्षित राठौर की करीब एक सप्ताह पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी यह हादसा बीसलपुर पीलीभीत मार्ग पर जिरो. हनिया के पास हुआ था। परिजनों के मुताबिक पोते की मौत के बाद दादी गहरे सदमे में थी और लगातार उसे याद कर दुखी रहती थी इसी मान. सिक आघात के चलते उन्होंने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली घटना की सूचना मिलते ही बीसलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और परिजनों से पूछताछ भी की जा रही हैं। एक ही परिवार में महज एक सप्ताह के भीतर दो मौतों ने सभी को झकझोर कर रख दिया हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस का कहना है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नहाते समय गंगा में डूबे पांच युवक

दो को जिन्दा निकाला, दो लापता, एक का शव बरामद, खोज जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

उसावां/उसहैत। थाना क्षेत्र के गांव खजुरा पुख्ता गंगा घाट पर गंगा में नहाते समे तीन भाई समेत पांच किशोर ड्ब गये जिनमें दो को ग्रामीणों ने जिंदा निकाल लिया जबकि दो समे भाई समेत तीन को नहीं निकाला जा सका जिनमें एक घंटे बाद एक का शव निकाल लिया गया।और डूबे दो समे भाइयों का सुराग नहीं लग सका जिसके लिए पुलिस गोताखोरों से तलाश कराने में जुटी हुई हैं।

थाना उसहैत के गांव खजुरा पुख्ता निवासी अखिलेश पुत्र संतोष(14),केशव(10) ,पिंटू(8),सिंकू (15) पुत्रगण जमादार और नन्हे (16) पुत्र सोरन घर से करीब 200 मीटर दूरी पर बह रही गंगा नदी में नहाने गये नहाते समय पिंटू गंगा में डूबने लगा चीख पुकार पर सभी एक दूसरे को बचाने के चक्कर में पांचों किशोरों को ड्बते देख खेतों पर काम कर रहे लोग दौड़े और आनन फानन में सिंकू और नन्हे को तो जिंदा निकाल लिया।परंतु तीन ड्ब गये।सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह, कटरा सआदतगंज चौकी प्रभारी घटना स्थल पहुंच गए।और गोता खोरों की मदद से अखिलेश का शव बरामद कर लिया।तथा केशव और पिंटू के शवों की तलाश के लिए गोताखोरों की टीम लगाई गयी है।

एक नजर

रवि प्रकाश हत्याकांड का खुलासा

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। पुलिस ने गोवल पतीपुरा गांव में हुए रवि प्रकाश हत्याकांड के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने सभी नामजद आरो. पियों को जेल भेज दिया है। इस मामले में पहले से फरार चल रहे एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं।27 मार्च को हुई थी घटना जिसमें परिवार वालों से मारपीट के दौरान रवि प्रकाश की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। यह घटना 27 मार्च को हुई थी जब रवि प्रकाश के साथ उसके ही परिवार के कुछ लोगों ने लाठी डंडों से मारपीट की थी गंभीर रूप से घायल रवि प्रकाश की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद मृतक के भाई बृजेश ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी इस शिकायत के आधार पर छह नामजद और चार अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस ने पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था शेष आरोपियों की तलाश जारी थी और अब हाल ही में एक और आरोपी की गिरफ्तारी के साथ सभी आरोपी पकड़े जा चुके हैं सीसलपुर कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में किसी भी आरोपी को बक्सा नहीं जाएगा।

पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेजा

पीलीभीत की पूर्व डीसीबी चेयरमैन सुमन गंगवार का निधन

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। बीजेपी नेता सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन सत्यपाल गंगवार की धर्मपत्नी सुमन गंगवार (पूर्व चेयरमैन जिला सहकारी बैंक) इलाज के दौरान दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन पर राज्यमंत्री संजय गंगवार, दर्जा राज्यमंत्री सुरेश गंग. वार, पूर्व राज्यमंत्री हेमराज वर्मा सहित कई नेताओं शोक व्यक्त किया।

पुलिस ने तमंचा और जिन्दा कारतूस के साथ पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूं अंकिता शर्मा के आदेशानुसार जनपद में अवैध शस्त्र धारकों के विरुद्ध चलाए जा रहे गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज रविवार 12.04.2026 को थाना फैजगंजबेहटा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त सत्यभान उर्फ कल्लू पुत्र नन्दराम यादव निवासी ग्राम आसफपुर थाना फैजगंज बेहटा जनपद बदायूं को मय एक अदद तमंचा 315 बोर व दो अदद जिन्दा कारतूस नाजायज 315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना फैजगंजबेहटा पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

बिहार से भांजी की शादी में भात पहनाने आए मामा की हार्ड अटैक से मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। थाना सिविल लाइन के मोहल्ला सागर ताल वाली गली निवासी सलीम उर्फ कल्लू के साढ़ू सकील मास्टर कादरी निवासी हकीम वाडा की बेटी की सोमवार को होनी है।

कल्लू के मुताबिक सकील मास्टर के साले मृतक इरशाद आलम निवासी थाना मोहनपुर जिला गया बिहार प्रदेश बिहार से मृतक अपने भाई अमजद और सज्जाद के साथ अपनी भांजी की शादी समारोह में भात पहनाने आये थे रविवार को अपराहन के समय मृतक अपने छोटे बहनोई कल्लू उर्फ सलीम के घर सागर ताल पर फ्रेश होने स्नान करने आया था स्नान करते समय बाथरूम में ही अटैक आ गया और उसकी मौत हो गई घटना से परिजनों में कोहराम मच आनंन फानन में जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया मृतक के भाई बिना पीएम के मृतक के शव को गृह जनपद गया बिहार ले गए घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई दुल्हन की नन्हिाल की रस्में अधूरी रह गई दुल्हन के मौसा कल्लू उर्फ सलीम के मुताबिक शादी तो होगी क्योंकि सभी तैयारियां पूरी हो गई थी दावते वंट गई हैं लेकिन दुल्हन के मौत होने के कारण शादी की खुशियां अधूरी रह गई अब तो केवल रस्म अदायगी से शादी पूरी होनी है दुल्हन के मामा होने वाली रश्मि अधूरी रह जाएंगी। इस संबंध में शहीद भगत सिंह पुलिस चौकी प्रभारी युवराज सिंह ने बताया कि शादी समारोह में आए युवकक अटैक पड़ने से मौत हो गई है परिजनों ने बिना पीएम के मृतक के शव को विहार ले गए है।

नगर निगम ने नैनीताल रोड पर कई स्कूल-अस्पताल को दिए नोटिस

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। नैनीताल रोड को सीएम ग्रिड योजना के तहत मॉडल रोड के रूप में विकसित करने की राह में रोड़ा बन रहे अतिक्रमण पर नगर निगम का डंडा चलना तय हो गया है। शनिवार को भी नगर निगम की निर्माण विभाग की टीम ने चिह्नीकरण अभियान जारी रखा, जिसमें कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप से लेकर कुदेशिया फाटक तक सड़क के दोनों ओर 55 छोटे-बड़े अवैध कब्जे चिह्नित किए गए।

निगम की इस कार्रवाई की जद में बड़े स्कूल-कॉलेजों की दीवारें, अपार्टमेंट के गेट, बरातघर, अस्पताल और दर्जनों दुकानें आ रही हैं। टीम ने पाया कि कई स्थानों पर नगर निगम की सरकारी भूमि पर एक फीट से लेकर 16 फीट तक अवैध निर्माण कर लिया गया है। नोटिस चस्पा कर इनको सात दिन का समय दिया गया है। नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि चिह्नों की जद में आने वाले सभी अवैध हिस्सों को समय सीमा के भीतर यदि कब्जेदारों ने स्वयं नहीं हटाया, तो निगम प्रशासन कोहाड़ापीर रोड की तर्ज पर बुलडोजर एक्शन शुरू करेगा। इधर, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य का कहना है कि मानचिकारों और अभियंताओं की टीम ने वर्ष 1920-1921 के पुराने नक्शों को आधार बनाकर निगम की मूल सड़क की सीमा का निर्धारण किया है। हालांकि, कई प्रतिष्ठान संचालकों ने निगम की पैमाइश पर आपत्ति जताई और इसे गलत बताया, लेकिन अधिकारियों ने उनसे दो टूक शब्दों में कहा है कि सात दिन का समय बीतते ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी, ताकि शहर को जाम मुक्त और सुंदर मॉडल रोड की सौगात मिल सके। इस दौरान यदि किसी ने सरकारी काम में बाधा डालने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहेगा।

गुलाब राय इंटर कालेज के सामने भी नगर निगम की टीम ने दुकानों और घरों पर 10 से 12 फीट तक के हिस्से को अवैध बताते हुए लाल निशान लगाए हैं। लोगों का कहना है कि तीस साल पहले बीडीए से संपत्ति खरीदी थी। सभी दस्तावेज उनके पास हैं, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। महिलाओं का कहना है कि जो निशान लगाए हैं, उससे उनके कारोबार मिट्टी में मिल गए हैं।

सोमवार को तमाम लोग रामगंगा नगर पहुंचे और बीडीए वीसी डा. मनिकंडन. ए से भेंट कर उनको अपनी पीड़ा बयां की। राजीव, मयंक कपूर, सरजीत, देवेंद्र आदि व्यापारियों का कहना है कि बीडीए की ओर से बेची गई संपत्ति पर निगम को बुलडोजर चलाने का अधिकारी नहीं है। वह मेयर और नगर आयुक्त को भी साक्ष्य सौंपेंगे। कोहाड़ापीर क्षेत्र में वक्फ संपत्ति और कब्रिस्तान की भूमि पर नगर निगम ने 80 दुकानें अवैध पाई हैं, जो निर्धारित सीमा से 7 से 15 फीट तक सरकारी जमीन दबाए हुए हैं। संपत्ति प्रभारी राजीव कुमार राठी ने संबंधित मुतावल्ली को नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर इन दुकानों को खाली करने के आदेश दिए हैं। सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे इन अवैध निर्माणों को यदि तय समय में स्वयं नहीं हटाया गया, तो नगर निगम की टीम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगी।

भगवान बुद्ध की प्रतिमा का किया गया अनावरण

शाह टाइम्स संवाददाता

उसावां। ब्लॉक क्षेत्र के गांव शिंभू नगला में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया गया। विश्व शांति बुद्ध विहार संस्था के अंतर्गत प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बदायूं की पूर्व सांसद संघमित्रा मौर्य ने कहा कि बुद्ध सत्य और अहिंसा के पथ पर चलना सिखाते हैं। बदायूं को दिल्ली से जोड़ने वाली कासगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के संबंध में संघमित्रा मौर्य ने कहा की यह कार्य हमारी भी कार्य योजनाओं में शामिल था, लेकिन किन्ही कारण बस यह हमारे कार्यकाल में पूरा नहीं हो पाया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि म्याऊं ब्लॉक प्रमुख प्रति. निधि के सी शाक्य रहे।

सैकड़ों मरीजों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

पीलीभीत। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध अस्पताल, पीलीभीत द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य सेवा यात्रा, ब्रज प्रान्त के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य सेवा यात्रा के अंतर्गत ब्रज प्रान्त के विभिन्न जनपदों आगरा, मथुरा, एटा, फिरोजाबाद, सैफई, बदायूं, बरेली, पीलीभीत एवं शाहजहांपुर में व्यापक स्तर पर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविरों का आयोजन किया गया।

इस अभियान का आयोजन नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन (एनएमओ), ब्रज प्रान्त द्वारा सेवा भारती के सहयोग से किया गया, जिसके अंतर्गत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध अस्पताल, पीलीभीत ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इसी क्रम में

जनपद पीलीभीत में विभिन्न स्थानों पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ करते हुए जन-जागरूकता को प्रभावी रूप से बढ़ावा दिया गया। कालीबाड़ी, दुधिया मंदिर तथा दुर्गा देवी मंदिर (बरहा गांव) में आयोजित शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीमों द्वारा कुल 160 मरीजों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। कालीबाड़ी शिविर में डीसी विश्वास के पर्यवेक्षण में डॉ० परीक्षित सिंह (सहायक आचार्य, पैथोलॉजी प्रभारी रक्त केन्द्र) के नेतृत्व में 40 मरीजों का परीक्षण किया गया, जबकि दुधिया मंदिर शिविर में सूर्यकान्त शंखधार के पर्यवेक्षण में डॉ० अमृता सिंह (सहायक आचार्य, पैथोलॉजी) की टीम द्वारा 30 मरीजों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। इसी प्रकार दुर्गा देवी मंदिर, बरहा गांव में अशोक कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में डा. मुकेश पाण्डेय (सह-आचार्य, फिजियोलॉजी) के नेतृत्व में 90 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इन शिविरों में मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं रोगों के प्रति जागरूकता प्रदान की गई। साथ ही हीमोग्लोबिन एवं रक्त ग्लूकोज की निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई तथा आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण भी किया गया, जिससे आमजन को त्वरित एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकीं।

कार्यक्रम के दौरान डा. अरुण सिंह, विभागाध्यक्ष, सामुदायिक चिकित्सा एवं डॉ० पूजा सिंघवानी द्वारा तीनों शिविर स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। उन्होंने क्षेत्रीय संचालकों एवं चिकित्सा टीमों से संवाद स्थापित कर शिविरों के संचालन की गहन समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. संगीता अनेजा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि "समुदाय स्तर पर इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर जनस्वास्थ्य सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यंत प्रभावी पहल हैं। इससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होने के साथ-साथ रोगों की समय पर पहचान एवं उपचार सुनिश्चित होता है। भविष्य में भी महाविद्यालय द्वारा ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। प्राचार्या ने इस सफल आयोजन के लिए सभी चिकित्सा टीमों, क्षेत्रीय समन्वयकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी रूप से संचालित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भाजपा स्थापना दिवस पर चलाया सफाई व लाभार्थी संपर्क अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर चल रहे कार्यक्रमों के तहत गांव चलो अभियान के निमित शनिवार को हबीबगंज 315 और हबीबगंज साह. कारा लाइनपार के देवी स्थान मंदिर पर सफाई अभियान चलाया गया।

इस दौरान वरिष्ठ जनों का सम्मान और लाभार्थी संपर्क अभियान भी किया गया। अभियान की संयोजक नगर महामंत्री सपना सिंह चौहान और नगर उपाध्यक्ष उपेन्द्र भारती रहीं।

इस अवसर पर जिला

कार्यकारिणी सदस्य ऋतुराज पासवान, शक्ति केंद्र प्रभारी उमाशंकर शुक्ला, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रियंका मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष मानस शुक्ला, नगर उपाध्यक्ष अमन शान, सभासद प्रति. निधि शेर सिंह यादव, नगर महामंत्री सूरज बाथम, शक्ति केंद्र संयोजक अनिल शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक आकाश वर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक दीपक गुप्ता समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम विकास अधिकारी संघ की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन, रामकिशोर बने जिलाध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। शहर के होटल ग्रान्ड शारदा पीलीभीत में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम विकास अधिकारी संघ जनपद शाखा पीलीभीत की जिला कार्यकारणी का चुनाव संजय तोमर, प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रियल एशोसियेशन (चुनाव अधिकारी) एवं सह चुनाव अधिकारी अवनीश कुमार, जिला अध्यक्ष, ग्राम पंचायत अधिकारी संघ जनपद शारदा पीलीभीत द्वारा सम्पन्न कराया गया।

इस अवसर पर हसमुद्दीन खां, जिलाध्यक्ष उप्र राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद शाखा पीलीभीत, मुख्य अतिथि की देखरेख में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया में जिला अध्यक्ष रामकिशोर

(ग्राम विकास अधिकारी), वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर्यन्द्र कुमार जिला मंत्री सौरभ गंगवार, उपाध्यक्ष रुपेश कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल कर्नीजया, आडिटर मेवालाल, संगठन मली मंत्री नामेन्द्र कुमार, संयुक्त मंत्री ललित मोहन गंगवार, प्रान्तीय प्रति. निधि सुधीर कुमार, कार्यकारणी सदस्य वीरेन्द्र कुमार, महेश पाल, प्रवीण मौर्य को चुना गया। अन्त में चुनाव अधिकारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। संगठन की ओर से निर्वाचित पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया, तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया।

काव्य गोष्ठि का अयोजन कर आधुनिक हिन्दी कविता के संरक्षण पर दिया गया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

उसावां। कस्बे के वरिष्ठ कवि महेश मिश्रा अग्निमुख के आवास पर काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ।

गोष्ठी की अध्यक्षता संतोष सिंह ने की जबकि गोष्ठी का संचालन वयो वृद्ध कवि रामस. हाय शूल ने किया। गोष्ठी 9:00 बजे प्रारंभ होकर देर रात 1:00 बजे तक चलती रही। गोष्ठी में साहित्यिक चर्चा के साथ-साथ आधुनिक कविता को संरक्षण देने पर भी जोर दिया गया। गोष्ठी में अमित अंबर, जगपाल जग,सुरेश यादव, रामनरेश यादव,मुशीर अहमद मुशीर आदि ने काव्य पाठ किया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला की मौत

आरोपी अज्ञात चालक क खिलाफ तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

बीसलपुर। कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में को. हराम मच गया। मृतका के बेटे ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम मीरपुर वाहनपुर निवासी मो. शरीफ पुत्र शहजादे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी माता सलमा बेगम अपने पति रब्बन के साथ टुकटुक से रोहनिया कौसर के भट्ट पर काम करने जा रही थीं। गोवल के पास मोड़ पर दोनों टुकटुक से उतरकर पैदल जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई हीरो स्प्लेंडर बाइक ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सलमा बेगम गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि रब्बन भी चोटिल हुए।घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर बरेली रेफर कर दिया गया। परि. जनों के अनुसार, बरेली ले जाते समय रास्ते में ही सलमा बेगम ने दम तोड़ दिया। पीड़ित ने बताया कि आसपास के लोगों से जानक. री करने पर एक मोबाइल नंबर (84455xxxxx) मिला है, जो संभवत: आरोपी से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने पुलिस से आरोपी चालक की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल से लौट रही छात्रा के सरेआम अपहरण की कोशिश

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। थाना सीबीगंज क्षेत्र में स्कूल से घर लौट रही छात्रा के सरेआम अपहरण की कोशिश से हड़कंप मच गया। छात्रा को अकेला देखकर ऑटो चालक ने उसे जबरन बैठा लिया और गलत रास्ते पर ले जाकर छेड़खानी की। शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते हुए भाग निकला। मामला दो समुदायों से जुड़ा बताया गया है। इसे लेकर हिन्दू संगठन गुस्से में हैं और पुलिस से शिकायत कर आरो. पी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है।

पीड़ित छात्रा क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है और कक्षा छह में पढ़ती है। परिवार ने हिन्दूवादी संगठनों को जानकारी दी कि शनिवार दोपहर बच्ची स्कूल से घर आ रही थी। आरोप है कि रास्ते में महेशपुरा निवासी दूसरे समुदाय के ऑटो ड्राइवर ने छात्रा को जबरन अपने ऑटो में बैठा लिया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। विरोध पर उसने ऑटो गलत रास्ते पर दौड़ा दिया। उसका संयुक्त अपहरण के थे। डरी सहमी छात्रा लगातार शोर मचाती रही। इससे आरोपी के पैर उखड़ गए और वह छात्रा को ऑटो उतारकर भाग निकला। हिंदू जागरण मंच युवा के जिलाध्यक्ष हिमांशु पटेल ने बताया कि मामला बेहद गंभीर है।

छात्रा के साथ कुछ भी अनहोनी सकती थी।हिमांशु ने यह आरोपी कट्टर विचार रखने वाला बताया जाता है और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट कर चुका है। फिलहाल इसकी शिकायत सीबीगंज पुलिस से की गई है। संगठन के लोग कल थाने पहुंचकर आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करेंगे। एसपी सिटी मनुष पारीक ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई होगी।

नरैनी में चलती पिकअप बनी आग का गोला

शाह टाइम्स संवाददाता

उचैती बदायूं। बिसौली सहसवान रोड पर एक खौफनाक तस्वीर सामने आई है। उचैती थाना क्षेत्र के राज बरौलिया गांव के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सहसवान-बिसौली रोड पर दौड़ रही एक पिकअप अचानक आग की लपटों में घिर गई।

गाड़ी की रफ्तार जितनी तेज थी, आग उतनी ही भयानक। लेकिन कहते हैं न कि जिसका रक्षक ईश्वर हो, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। पिकअप चालक इब्ने हसन ने जैसे ही केबिन से धुंआ उठते देखा, उन्होंने बिना पल गंवाए चलती गाड़ी से छलांग लगा दी। महज कुछ ही पलों में पूरी पिकअप गाड़ी आग का गोला बन गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों के बीच दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही उचैती थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के साहस और पुलिस की तत्परता से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जिला स्तर की बैठक पी डब्लू डी गेस्ट हाउस में आयोजित हुई

शाह टाइम्स संवाददाता

बदायूं। मंडल प्रभारी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव नीरज मिश्रा जी तथा एससी एसटी मंच के प्रदेश सचिव सतीश ऋषिवाल उपस्थित रहे थे।

संगठन पर विशेष चर्चा हुई तथा सदस्यता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया जिला अध्यक्ष रोहिताश सिंह पटेल ने अपने जिले की कमेटी तथा मोर्चा तथा प्रकोष्ठ के अति शीघ्र पूर्ण कर लखनऊ में सूची भेजी जाने पर बोल दिया इस अवसर पर नीरज मिश्रा ने बोलते हुए कहा अब तो वह दिन दूर नहीं जिस दिन बहन जी उच्चतम शीर्ष शिखर पर बैठी होगी और हम प्रदेश की बागडोर अपने हाथ में लिए होंगे। सतीश ऋषिवाल ने बोलते हुए बताया कि यदि बहन जी के हाथों में को हमने मजबूत किया तो हम बहुत मजबूत हो जाएंगे और हमें एक नई दिशा मिलेगी जिला अध्यक्ष रोहिताश सिंह पटेल की नेतृत्व में सलीम भाई ने के साथ लगभग दो दर्जन मुस्लिम बिरादरी के लोगों ने अपना दल में अपनी आस्था जताई और रसीद काटा कर सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर नीरज मिश्रा सतीश ऋषिवाल योगेश पटेल राहुल पटेल दो हरिनंदन पटेल देशपाल सोलंकी दिलीप जोशी सुरेश वर्मा एडवोकेट रमेश पाल डॉक्टर जुल्फिकार अली डॉक्टर नसीम अहमद सलीम भाई सरताज भाई मोहम्मद भाई आदि शामिल रहे इस सभा का संचालन जिला अध्यक्ष रोहिताश सिंह पटेल ने किया।

घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीण

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। ग्रामीण क्षेत्र के आम लोगों की मुश्किलें इन दिनों आसमान छू रही हैं। श्री अंबे भारत गैस एजेंसी पर सुबह से शाम तक लंबी लंबी कतारें लगी हुई हैं उपभोक्ता घंटों इंतजार करते हैं लेकिन बुकिंग करने के बावजूद घरेलू गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे डिलीवरी के लिए एसएमएस आने के बाद भी सिलेंडर एजेंसी से जारी नहीं हो रहा जिससे कई परिवारों में रसोई का चूल्हा ठंडा पड़ा रह गया है।

ग्रामीण महिलाएं और पूरे परिवार सुबह से एजेंसी के बाहर खड़े रहते हैं शाम ढलते ढलते उदास मन से खाली हाथ घर लौटना पड़ रहा है। कई घरों में तो सिलेंडर पूरी तरह खत्म हो चुके हैं खाना बनाना पानी गरम करना और छोटे बच्चों व बुजुर्गों की देखभाल में भारी दिक्कतें आ रही हैं लोगों का कहना है कि ऑनलाइन या फोन से बुकिंग करने के बाद डिलीवरी का मैसेज आ जाता है लेकिन असल में सिलेंडर नहीं पहुंचाया जा रहा लाइन में लगने पर भी कई बार टाल दिया जाता है या सिलेंडर देने से मना कर दिया जाता है। एक महिला ने बताया सुबह से शाम तक लाइन में खड़े रहते हैं लेकिन शाम को खाली हाथ घर जाना पड़ता है बुकिंग हो जाने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा तो घर में खाना कैसे बनाएं दूसरे उपभोक्ता कह रहे हैं सिलेंडर खत्म होने से हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पूरी तरह प्रभावित हो रही है एजेंसी प्रबंधन का दावा है कि गैस की कोई कमी नहीं है और बुकिंग के दो दिन के अंदर डिलीवरी हो रही है लेकिन स्थानीय लोगों का अनुभव इससे पूरी तरह अलग है।

ग्रामीणों ने अधिकारियों से अपील की है कि छुटमलपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर की नियमित और समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित की जाए ताकि आम जनता को इस अनावश्यक परेशानी से छुटकारा मिल सके भारत गैस उपभोक्ता शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-22-4344 पर संपर्क कर सकते हैं गैस लीकेज इमरजेंसी के लिए 1906 डायल करें शिकायत करते समय अपना कंज्यूमर नंबर, मोबाइल नंबर और एजेंसी का नाम जरूर बताएं।

मारपीट का आरोप

चिलकाना। ग्राम बरथाकायस्थ पठेड़ निवासी पीड़ित महिला ने तीन लोगों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया।

पीड़िता ने थाना पर तहरीर देकर बताया कि वह ग्राम पठेड बरथाकायस्थ की रहने वाली है। विगत 9 अप्रैल 26 को रात के करीब साढ़े बारह बजे आरोपी नदीम, मुनीर, सोहेल पुत्रगण महमूद निवासी बरथाकायस्थ पठेड के द्वारा बच्चों के रोने की बात को लेकर पीड़िता के साथ गाली गलोच करते हुए मारपीट की गई। आरोप है कि यदि पीड़िता को छुड़ाने के लिए उसका पडोसी बीच बचाव मे आया तो आरोपियों ने उसके साथ भी बुरी तरह मारपीट की।

पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर उपरोक्त आरोपी नदीम, मुनीर तथा सोहेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बाबा श्याम का वार्षिकोत्सव मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नकुड़। केएलजीएम इंटर कॉलेज प्रांगण में श्री श्याम दीवाना सेवा मंडल समिति द्वारा बाबा श्याम का पांचवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में दिव्य दरबार, बाबा का आकर्षक श्रृंगार, इत्र वर्षा व छप्पन भोग के साथ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और विधि-विधान से पावन ज्योत प्रज्वलित की गई।

शनिवार की रात को आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूजन में नीरज गोयल, डॉ. विनय गोयल व शिवम गर्ग ने परिवार सहित भाग लिया, जबकि मयंक सिंघल ने ज्योत प्रज्वलित की। श्याम संकीर्तन में विधायक मुकेश चौधरी, आलोक जैन व मयंक चौधरी पहुंचे।भजन संध्या में हरीश नामदेव, शिवम सुखीजा, अंकित शर्मा व परविंदर पलक ने भजनों से माहौल भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद व भंडारे की व्यवस्था रही।कार्यक्रम में वैभव गोयल, निशु बंसल, विकास रोहिला, शिवम मित्तल, वरुण मित्तल, दीपक गोयल, अक्षय सिंघल, संयम जैन, वर्धन जैन, लक्ष्य सिंघल, हर्षित गोयल, सत्यम मित्तल, मणिक सिंघल, सचिन बंसल, विशाल मित्तल, गौरव वर्मा, विशाल गुप्ता, नीरज गोयल, नीरज सिंघल, विनीत शर्मा, सचिन नामदेव, यमन मित्तल, प्रशांत प्रधान, डॉ. गौरव, मनप्रीत ठाकुर, दीपक चौधरी, दिव्यांशु, आदेश व नीरज सैनी सहित समिति का सहयोग रहा।

मेधावी छात्र छात्राएं किये सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। उच्च प्राथमिक विद्यालय गोवर्धनपुर में वार्षिक परीक्षाओं के दौरान ही वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 6 से 8 तक के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय परिवार एवं उपस्थित अभिभावकों ने बच्चों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कक्षा आठ से नेहा ने प्रथम, वर्षा ने द्वितीय, प्रियांशी ने तृतीय स्थान का पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं कक्षा 7 की नबिया प्रथम, सबनूर द्वितीय, राधिका तृतीय स्थान पर रही। कक्षा 6 से संजना ने प्रथम, नैना ने द्वितीय, अंशुल ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विद्यालय स्टाफ एवं अभिभावकों की उपस्थिति से माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

शातिर गिरफ्तार

सहारनपुर। मंडी कोतवाली पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार 10 अप्रैल को वादी विशाल पुत्र पाल्लूराम निवासी ग्राम कपासा थाना नागल ने थाने में लिखित तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर ने उसकी मोटरसाइकिल संख्या यूपी11सीक्यू-5021 चोरी कर ली है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी। मंडी कोतवाली पुलिस ने आज प्रभारी निरीक्षक सतपाल भाटी व उपनि. रीक्षक प्रेमपाल सिंह के नेतृत्व में मुकदमा उपरोक्त में त्वरित कार्यवाही की।

काम की तलाश में गये युवक की संदिग्धावस्था में मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। गहरे दुख और आक्रोश भरी खबर है. मुजफ्फराबाद निवासी अखलाक अहमद के घर में कोहराम मच गया जब उनके 24 वर्षीय बेटे साजेब की अचानक मौत की सूचना मिली। घर का इकलौता सहारा, परिवार की उम्मीद और भविष्य सब कुछ एक पल में बिखर गया।

साजेब महज 8 दिन पहले हरियाणा के तुहाना क्षेत्र में काम की तलाश में घर से निकला था। परिवार को पूरा विश्वास था कि बेटा मेहनत और लगन से घर की जिम्मेदारियाँ संभालेगा। लेकिन किस्मत ने कुछ और ही लिखा था। परिजनों के अनुसार, साजेब के जाने के बाद शुरू में सब कुछ सामान्य रहा। घरवाले यह सोचकर सुकून महसूस कर रहे थे कि वह सुरक्षित पहुँच गया है। लेकिन अचानक अमेठी जिले से आई दिल दहला देने वाली खबर ने पूरे परिवार की दुनिया उजाड़ दी।

सूचना मिली कि साजेब बेसुध हालत में अमेठी के जगद. ीशपुर थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन के पास पड़ा मिला। जगदीशपुर थाना प्रभारी धीरेन्द्र कुमार यादव ने तुरंत उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जहाँ से उसे जिला अस्पताल अमेठी (गौरीगंज) रेफर किया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस की इस सूचना के साथ ही घर में चीख-पुकार मच गई। साजेब की माँ बार-बार रोते हुए चिल्ला रही थीं ख्र "मेरे बेटे को किसने मारा? मेरे बेटे को किसने मारा?" माँ-बाप और पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। साजेब घर का इकलौता कमाऊ सदस्य और भावी सहारा था। उसकी मौत से पूरा परिवार पूरी तरह टूट चुका है। गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। हर घर में सन्नाटा पसरा हुआ है। रात 9 बजे मुजफ्फराबाद कब्रिस्तान में नम आँखों और भारी मन से साजेब को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम यात्रा में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और ग्रामीणों ने भी शिरकत की। यह घटना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। एक युवक जो बस परिवार की बेहतरी के लिए घर से निकला था, उसकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हो जाना और भी ज्यादा पीड़ादायक है। परिवार न्याय की माँग कर रहा है। पुलिस को इस मामले की गहन और निष्पक्ष जांच करनी चाहिए ख्र क्या यह हत्या थी, दुर्घटना थी या कोई अन्य कारण? पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के नतीजे जल्द सामने आने चाहिए ताकि सच्चाई उजागर हो और परिवार को न्याय मिल सके।

ट्यूबवेल से विद्युत केबिल व कटआउट चोरी करने वाला पकडा

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। थाना फतेहपुर पुलिस ने ट्यूबवेल से विद्युत केबिल और कटआउट चोरी करने वाले एक शातिर चोर को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने चोरी का पूरा सामान भी बरामद कर लिया।

थानाध्यक्ष विनय शर्मा के कुशल नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी टीम, जिसमें उपनिरीक्षक विजयपाल सिंह हैड कांस्टेबल रो. हित राणा और हैड कांस्टेबल रोहित कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फतेहपुर भादो के बिजलीघर के पास से आदिल पुत्र शौकत निवासी ग्राम अल्हेडी, थाना फतेहपुर को गिरफ्तार किया।अभियुक्त के कब्जे से 6.5 मीटर विद्युत केबिल, 06 कटआउट और 01 स्टार्टर बरामद किया गया। आपको बता दें मामले की जानकारी दिनांक 15 फरवरी 2026 को मनोज पुत्र सतवीर (निवासी कमालपुर, थाना फतेहपुर) की तहरीर पर थाना फतेहपुर में मुकदमा संख्या 69/26 दर्ज किया गया था। शुरू में धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज था, जिसे अब गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस बढ़ा दी गई है। गिरफ्तार अभियुक्त आदिल को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पत्रकार की पत्नि के इंतकाल पर पेश की खिराज ए अकीदत

शाह टाइम्स संवाददाता

नकुड़। नगर के पत्रकार राशिद खान की पत्नी का इंतिक. ाल हो से नगर में शोक की लहर दौड़ गई। नगर व देहात क्षेत्र के पत्रकारों व राजनीतिक, सामा. जिक, धार्मिक लोगों के अलावा व्यापारियों ने मरहूमा को खिराजे अकीदत पेश की।

बताया जाता है कि राशिद खान की फरीदा नाज लंबे समय से कैंसर व पीलिया जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रही थी। उनका उपचार विगत कई महीनों से पीजीआई चंडीगढ़ में चल रहा था। उन्होंने रविवार को अपने घर पर अंतिम सांस ली तथा अपने मालिक ए-हकीकी से जा मिली। उनके इंतिकाल से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस दुखद समाचार के मिलते ही नगर व क्षेत्र के पत्रकारों, सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक लोगों का तांता उनके आवास पर लग गया। तथा माहौल पूरी तरह गम में डूबा नजर आया। शोक व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र चौहान, काजी शाहिद अहमद, नदीम निजामी, हसीब खान, अजीत सिंह, संजीव शर्मा, दीपक सैनी, नोशाद अब्बासी, पीयूष गर्ग, विकास शर्मा, फरमान निजामी, इंद्रेश त्यागी, राजन शर्मा, नरेश गोयल, नवीन धीमान, विपिन आर्य, संतोष शर्मा, राजेश जैन, मनोज धनगर, विजेंद्र शर्मा, मनोज राणा, मास्टर सलाहुद्दीन गंगोही, सोहेल खान, इरशाद मलिक, शादाब मलिक, आबिद राजप. ूतनक अलावा खुफिया विभाग के दीपक खुराना, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चंद्रशेखर मित्तल, वरिष्ठ समा. जसेवी हाजी याकूब कुरैशी, इरफान पंसारी, पूर्व सभासद कामिल मिर्जा, सभासद हैदर अली, शाहिद कुरैशी, पूर्व पालि. का अध्यक्ष शाहनवाज खान, धनीराम सैनी, खालिद खान, युवा नेता साहिल खान, सभासद पति हाजी दिलशाद कुरैशी, सभासद जुनैद असगर, आमिर कुरैशी, हसीब निजामी, फरमान निजामी, भाकियू युवा विंग के नगर अध्यक्ष डॉ. इदरीश अहमद, अरशद निजामी, पूर्व सभासद याकूब निजामी, व्यापारी नेता इरशाद निजामी, खुर्शीद कुरैशी, हाजी जाहिद कुरैशी, शहजाद बाबा, इसरार निजामी, जिया उल इस्लाम, मुंशी शमीम, पूर्व सभासद अफजाल निजामी, हमसफर अध्यक्ष डॉ. साकिब खान, खादिम इसरार कुरैशी, एडवोकेट अफ्फान अंसारी, हेल्प सोसायटी के संस्थापक काजी अजकार, नैन सिंह चौहान, शबाना सिद्दीकी, मयंक चौधरी, एनपी राठौर, लियाकत निजामी, जमील अहमद, सरफराज कुरैशी समेत बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और मरह. ूमा को खिराज ए-अकीदत पेश किया। मरहूमा को असर की नमाज के बाद गमगीन माहौल में कलन्दर शाह कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया।

बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत भाजपा कार्यकर्ताओं का जनसम्पर्क

शाह टाइम्स संवाददाता

नागल। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बस्ती चलो अभियान के तहत रविवार को जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी मांगेराम द्वारा चंदैना कोली मे ग्रामीणों से घर घर जाकर जनसम्पर्क किया गया और उन्हे पार्टी द्वारा कराये गये विकास कार्यों के बारे में जानकारी देने के साथ साथ 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहारनपुर आगमन पर आयोजित जनसभा मे शामिल होने की अपील की गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी मांगेराम ने कहा कि आज जन जन तक विकास कार्य बिना किसी भेदभाव के कराये जा रहे है। सबका साथ सबका विकास नारा सार्थक हो रहा है।उन्होने कहा कि आगामी 2045 तक देश को विकसित करने के सपने को साकार करने के लिए सभी को अपने कर्तव्य का पालन ईमानदारी से करना है । उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंबेडकर जयंती के अवसर पर दिल्ली देहरादून एलीवेटीट मार्ग का लोकार्पण कर जनपद को विकास की सौगात भेंट करेगे जो जनपद के लिए गौरव की बात है।

इस दौरान उनके साथ पपिन चौधरी, सतेंद्र वैदिक,हरपाल सिंह आर्य, सुनील कुमार, आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योगी-जयंत का कार्यक्रम सफल बनाने का आहवान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय मंत्री चौ. जयंत सिंह के प्रस्तावित कार्यक्रम की सफलता के लिये रालोद के प्रमुख नेताओं ने विचार विमर्श कर कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिये। साथ ही कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में भागेदारी का आहवान किया।

दिल्ली रोड स्थित जिला कार्यालय पर आयोजित बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक, जिलाध्यक्ष शाहजमां खान ने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वाहन किया है कि वह भारी भागेदारी कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मजबूती को दिखाये। साथ ही सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से जनसंपर्क अभियान चलाये। बैठक को मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, थानाभवन विधायक अशरफ अली खान, पूर्व विधायक राव वारिस ने भी संबोधित किया।

बैठक में प्रदेश सचिव अय्यूब हसन, क्षेत्रीय महासचिव रमेश चौहान, महावीर सैनी, महानगर अध्यक्ष भूषण चौहान, मनोज वर्मा, महिला अध्यक्ष श्रीमती अंजूम त्यागी, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती रेखा धनगर, शिव कुमार गुर्जर, युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर प्रमोद प्रधान, जसमेर प्रधान चौधरी इमरान, दिनेश शर्मा, भूरा मलिक, शहजाद मलिक, पंकज मलिक, बृजवीर सिंह, अरविंद प्रधान, चौधरी नियाज हसन, डा.अनिल सैनी, सरदार दरबारा सिंह, प्रवीण धनगर, नितिन शर्मा, आरिफ, प्रदेश सचिव किसान प्रकोष्ठ विशाल कांबोज, जिला महासचिव प्रवेश कश्यप, श्रवण कंबोज, अनुराग चौधरी आदि उपस्थित रहे। संचालन प्रदेश महासचिव चौ.धीरसिंह ने किया।

पुलिस के हत्थे चढा चोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। थाना सरसावा पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का माल व अवैध असलाह मय कारतूस बरामद कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार विगत नौ मार्च को वादिया श्रीमती डोली पत्नी कपिल कुमार निवासी सरसावा ने थाने में लिखित तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोरों ने उसके शासकीय आवासा से आभूषण व नगदी चोरी कर ली है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी थी। थाना सरसावा पुलिस ने आज थाना प्रभारी प्रवेश कुमार, उपनिरीक्षक अतुल सिंह व महिला उपनिरीक्षक नेहा उपाध्याय के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर दानिश पुत्र इज्जत अली निवासी लक्ष्मीनगर जमनानगर थाना लक्ष्मीनगर दिल्ली को अम्बाला रोड हनुमान धाम से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए आभूषण एक चांदी का सिक्का, एक जोड़ी पाजेब, दो चांदी के बिछुए, 4600 रूपए की नगदी, एक तमंचा मय जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद कर लिया।

दबोचा गया आरोपी शातिर किस्म का अपराधी हैं जिसके खिलाफ दिल्ली, अमरोहा व सरसावा में अलग-अलग मामलों में तीन मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी का वांछित धाराओं में चालान काटकर जेल भेज दिया।

गेंहू की खडी फसल में लगी आग

गंगोह। गांव कलसी में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेत में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें देखते ही आसपास के किसानों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार गांव कलसी निवासी गजेन्द्र के खेत में आग तेजी से के एक हिस्से में फैल गई, जिससे खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और आसपास के खेतों तक आग फैलने से रोकने की कोशिश की। प्रारंभि क तौर पर आग लगने का कारण बिजली के तारों से निकली चिंगारी बताया जा रहा है।

भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथमः जसवंत सैनी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है और सम्पूर्ण विकास लक्ष्य है।

भारतीय जनता पार्टी रामपुर मनिहारान मंडल द्वारा ग्राम जंधेड़ा समसपुर स्थित एक कॉलेज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन किया गया।जिसमें पाँचवे सत्र श्इतिहास विकासश के मुख्य वक्ता प्रदेश सरकार के संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के गौरवशाली इतिहास, स्थापना से लेकर वर्तमान तक के निरंतर विकास, संगठन के व्यापक विस्तार तथा राष्ट्र निर्माण में उसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद जैसे प्रेरणादायी सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का आवाहन किया।जसवंत सैनी ने कहा कि भाजपा के राष्ट प्रथम है और सम्पूर्ण विकास लक्ष्य है।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा) चौधरी हैदर गुर्जर ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अनुशासन का पालन करे।राष्ट्र और पार्टी के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा ही भारत को विकसित भारत बनाएगी। इस दौरान प्रमोद कौशिक, दीपक सैनी, डॉ किरनपाल सिंह, विशालदेव गुर्जर आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

नागल। डॉ भीमराव अंबेडकर को लेकर स्थानीय पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रविवार को कस्बा नागल एवं कोटा गांव में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च का नेतृत्व थाना प्रभारी संदीप कुमार के निर्देशन में किया गया। जिसमें पुलिस बल के जवान पूरी वर्दी और सुरक्षा उपकरणों के साथ शामिल रहे। जवानों ने कस्बे के मुख्य बाजार, संवेदनशील क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल मार्च कर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि जयंती के अवसर पर शांति एवं सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने के निर्देश भी दिए । थाना प्रभारी संदीप कुमार बताया कि जयंती को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

फ्लैग मार्च के दौरान बाजार में हलचल बनी रही क्योंकि इससे पूर्व कभी भी अंबेडकर जयंती के अवसर पर फ्लैग मार्च नही निक. ला गया है।

कोतवाली पुलिस ने नशे के कारोबार का किया भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

भारी मात्रा में नशे की गोलियां व प्रतिबंधित सीरप किए बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। शहर कोतवाली पुलिस ने औषधि विभाग की टीम के साथ मिलकर नशे के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशे की गोलियां और सीरप बरामद हुए हैं। पुछताछ में उन्होंने बताया कि वह यह गोलियां और शीरप मेडिकल स्टोर के जरिए,खामोश से अच्छी कीमत में बेंच देते हैं। कार्रवाई के दौरान उनका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। बरामद माल की कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान कर दिया है। इस गिरोह का खुलासा करते हुए एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि औषधि विभाग और शहर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लोग शहर में नशे का कारोबार कर रहे हैं। यह लोग प्रतिबंधित दवाएं और सीरप यहां पर लाकर बेंच रहे हैं। जिससे अच्छा-खासा मुनाफा होता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने औषधि विभाग की टीम के साथ आश्रम पद्टिर स्कूल के पास छापा मारा। बकौल एसपी पुलिस को देखकर मौजूद लोगों ने भागने की कोशिश की। घेराबंदी करके पुलिस ने तीन को दबोच लिया, जबकि उनका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से प्रतिबन्धित नशीली दवाईयों के साथ कुल 33 पेटी(226 शीशी वेरकोडेक्स, 2992 शीशी कोडेकटस टीआर, 144 शीशी वेरीकोफ नशे का सीरप), 35 डिब्बे जिसमें 8400 ट्रामाडोल एवं अन्य सामान बरामद कर लिया। उनके पास से एक स्कूटी और डस्टर कार भी बरामद हुई है। एसपी के अनुसार बरामद माल की कीमत करीब 15 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपी मुरादाबाद जिले के नागफनी थाना क्षेत्र के अशय, मूंढापांडे थाना क्षेत्र के ग्राम चमरूआ निवासी जीशान और रामपुर के अजीमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम इमरता निवासी जब्बार हैं। जबकि फरार हुए साथियों के संबंध में जानकारी मिल गई है, उनकी गिरफ्तारी के भी प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी ने बताया कि पुछताछ में कुछ अहम सुराग भी मिले हैं। पूरे सिंडीकेट को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा। ताकि रामपुर में नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लग सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि औषधि विभाग की टीम के साथ मिलकर मेडिकल स्टोर भी चेक किए जाएंगे। अगर कहीं भी प्रतिबंधित दवा की बिक्री होती मिली तो कार्रवाई तय है।

अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने वाले दो आरोपी नकली नोट के साथ गिरफ्तार

गंज कोतवाली व एसओजी को मिली सफलता, नकली नोट के साथ मशीन भी की बरामद

गिरोह के दो सदस्यों को गंज पुलिस पहले ही कर चुकी है गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। देश की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने वाले दो आरोपियों को गंज पुलिस व एसओजी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के पास से पुलिस ने करीब साढ़े चार लाख रुपये के नकली नोट व नोट बनाने की मशीन बरामद की है। साथ ही कंप्यूटर व प्रिंटर भी पुलिस ने बरामद किया है। गिरोह के दो सदस्यों को गंज पुलिस ने पहले ही एक अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था। उनके पूछताछ के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है।

गिरोह का खुलासा करते हुए एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि गंज पुलिस ने एक अप्रैल को गंज कोतवाली के मोहल्ला पुश्यं तालाब निवासी सिनवान व मोहल्ला चाह मोटे कल्लन निवासी मिन्हाज को गिरफ्तार किया था। उनके पास से पुलिस ने पांच-पांच सौ रुपये के 21 नकली नोट बरामद हुए हैं। यह नोट वह शहर में लगी नुमाइश व मेलों में खपाने की फिराक में थे। पुछताछ में दोनों ने बताया था कि वह आनलाइन नकली नोट मंगवाते थे फिर नुमाइश या फिर मेले में उनको चला देते थे। वह नोट किससे लाते थे इसके संबंध में सही जानकारी नहीं दे सके थे। दोनों आरोपियों से पुछताछ के बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू की तो कई कड़ी जुड़ गई। जिसके आधार पर पुलिस ने एटा जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के राजवर्धन सिंह चौहान और कासगंज रोड निवासी चिराग सक्सेना को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से पुलिस ने करीब साढ़े चार लाख रुपये के नकली नोट, नोट बनाने की मशीन व अन्य उपकरण बरामद किए हैं।

एक माह तक सीखा नकली नोट बनाने का हुनर

पुछताछ के दौरान मुख्य आरोपी राजवर्धन सिंह ने बताया कि वह मूलतः एटा का रहने वाला है और एक पैथालॉजी लैब चलाता है। एक दिन वह एटा से अलीगढ़ बस से जा रहा था। बराबर में बैठा एक व्यक्ति किसी से फोन पर बात करते हुए कह रहा था कि अगर मोटा मुनाफा कमाना है तो बताओ। राजवर्धन के अनुसार उसने उस व्यक्ति से बात कर मुनाफा कमाने के बारें में पूछा तो उसने नकली नोट के कारोबार के संबंध में जानकारी दी। कहा कि एक हजार रुपये दो और कूरियर में तुमको नकली नोट मिल जाएंगे। इसके बाद उसने नकली नोटों को आसानी से बाजार में खपा दिया। कई बार यह काम करने के बाद राजवर्धन ने उससे संपर्क किया और नोट बनाने के बारें में जानकारी की। इसके बाद वह व्यक्ति उसे दिल्ली ले गया और एक कमरें में रहने को कहा। करीब एक महीने तक वह उस कमरें में रहा और किसी से मुलाकात नहीं की। नोट बनाने की जानकारी करने के बाद वह बीमारी का बहाना बनाकर वापस आ गया। इसके बाद उसने कंप्यूटर व अन्य सामान खरीदा और मेरठ में एक किराए पर मकान ले लिया। जहां पर वह नकली नोट बनाकर लोगों को देता था। इस काम में उसने अपने दोस्त चिराग को भी शामिल कर लिया था। वह लोग पहले ईस्ट्राग्राम के माध्यम से लोगों से संपर्क करते थे। फिर कूरियर के माध्यम से नकली नोट भेजते थे।

राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने पर होगा कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। रामपुर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक जागरण मंच के तत्वावधान में राष्ट्र गीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय स्तर की विचार माला का आयोजन 2 मई को उत्सव पैलेस में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्राउन होटल सिविल लाइन्स में एक कार्य योजना बैठक आयोजित की गयी । बैठक में मुख्य अतिथि बाल कल्याण आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विशेष गुप्ता ने कहा कि भारत को शक्तिशाली बनाकर परम वैभव तक ले जाने की भावना का नाम ही वंदे मातरम है । उन्होंने कहा कि नयी पीढ़ी को राष्ट्र भाव और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराने की आवश्यकता है । रामपुर सांस्कृतिक साहित्यिक जागरण मंच के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल (उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग) ने कहा कि हजारों क्रांतिकारियों ने वंदेमातरम

के जयघोष के साथ आजादी की लड़ाइ लड़ी है । उनके बलिदानो का स्मरण करते हुए भारत के उत्थान और सशक्तिकरण के संकल्प को साकार किया जाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्य के लिए नारीशक्ति को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी । कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. प्रमोद कुमार वार्ष्णेय ने की। इस मौके पर योगेंद्र सिंह चौहान, केशव गुप्ता, चित्रक मित्तल, श्रीष गुप्ता, दीपक गोयल, प्रभात अग्रवाल, राजीव मांगलिक, सरिता सिंघल, संजीव अग्रवाल, शैलेंद्र शर्मा, राकेश जुनेजा, रवींद्र सिंह रवि, जगपाल यादव, संदीप अग्रवाल सोनी, अवधेश शर्मा, संजय पाठक, सचित गुप्ता, अमृत कपूर, पारुल अग्रवाल ,सुनील अग्रवाल, प्रतीक शर्मा, मुकेश आर्य, प्रियंका शुक्ला, सरिता विश्नोई ,पीयूष सक्सेना और सचिन सिंह आदि मौजूद रहे।

अपनी शादी का कार्ड देने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

पिकअप ने पटवाई क्षेत्र में मारी टक्कर, दूसरा साथी गंभीर घायल

मृतक खुशी राम

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। अपनी शादी का कार्ड देने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। पटवाई क्षेत्र में पिकअप ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उसका दोस्त भी गंभीर रूप से घायल हो गया। लोग शोर मचाते हुए मौके की ओर भागे तो चालक पिकअप लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजने के साथ ही घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे बरेली लेकर चले गए। वहीं हादसे की सूचना मिलने पर परिजनों में को. हरायम मच गया। शादी वाले घर में मातम छा गया।

हादसा पटवाई थाना क्षेत्र के ग्राम रहपुरा मिलक के पास हुआ। ग्राम जमाल. पुर निवासी खुशीराम की 29 अप्रैल को शादी होनी थी। जिस कारण घर में शादी की तैयारी चल रही थीं। आज खुशीराम अपने दोस्त अजय के साथ शादी के कार्ड बांटने के लिए निकला था। बताते हैं कि दोनों बाइक से जा रहे थे। जैसे ही वह रहपुरा मिलक के पास पहुंचे तभी पिकअप ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में खुशीराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोस्त अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे को देखकर लोग शोर मचाते हुए मौके की ओर भागे लेकिन चालक पिकअप लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजने के साथ ही घायल अजय को जिला अस्पताल भेजा। वहीं हादसे की सूचना जब पुलिस ने परिजनों को दी तो कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन भी मौके पर आ गए। शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। वहीं अजय के परिजन उसकी हालत गंभीर होने पर उसे बरेली लेकर चले गए।

मीरापुर में आग से जली गेहूं की फसलों का मुआवजा दे सरकार: मुस्तफा हुसैन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर: स्वार तहसील के गांव मीरापुर मीरगंज में किसानों की गेहूं की 12 एकड़ फसल आग लग जाने से खाक हो गई। जिस पर रामपुर जिला पंचायत के सदस्य मुस्तफा हुसैन ने प्रशासन और मुख्यमंत्री से किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। रामपुर जिला पंचायत के सदस्य मुस्तफा हुसैन ने स्वार क्षेत्र के गांव मीरापुर मीरगंज में असामाजिक तत्वों द्वारा लगाई गई किसानों की फसल से राख हुई किसानों की फसल पर दुख व्यक्त करते हुए कहा। 10 किसानों की छः माह की मेहनत जल कर राख हो गई। किसानों ने बच्चों के लिए जो सपने देखे, वो चकनाचूर हो गए। पुलिस प्रशासन को इस मामले की जांच करवाकर कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए।

तेज रफ्तार डम्पर की टक्कर से स्वार निवासी युवक की दर्दनाक मौत, साथी गंभीर घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार। नगर निवासी 27 वर्षीय युवक की उत्तराखंड में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, विकास कुमार पुत्र महेंद्र कुमार अपने फूफेरे भाई रजत कुमार के साथ स्कूटी से किसी काम से रुद्रपुर जा रहा था। गदरपुर क्षेत्र के महतोष मोड़ पर एक तेल से भरे डम्पर ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि विकास कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रजत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक विकास कुमार की दो महीने बाद शादी होनी थी। वह नगर पालिका परिषद स्वार में तैनात सफाई नायक महेंद्र कुमार का पुत्र था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसपी ने मिलक थाने का किया औचक निरीक्षण, दिए जरूरी निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। पुलिस अधीक्षक रामपुर ने रविवार को थाना मिलक का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मालखाना, मिशन शक्ति केंद्र, हवालात तथा साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने अभिलेखों के समुचित संधारण, उनमें की जाने वाली प्रविष्टियों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की भी जांच कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने और कार्य प्रणाली को और बेहतर बनाने पर जोर दिया।

दो बाईकों की भिड़ंत पति पत्नी गंभीर रूप से घायल

सत्संग जा रहे दंपति को दूसरी बाइक ने मारी टक्कर, एक रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। क्षेत्र में रविवार को हुए एक सड़क हादसे में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। गांव भीरकी जदीद निवासी 50 वर्षीय सोहनलाल और उनकी 45 वर्षीय पत्नी मीना बाइक से शाहबाद में सत्संग में शामिल होने जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुजरेला मोड़ के पास सामने से आ रही एक अन्य तेज रफ्तार बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों पति-पत्नी सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल दंपति को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद सोहनलाल की हालत अत्यंत गंभीर बताई। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं, मीना को हल्की चोटें आई, जिसके बाद प्राथमिक उपचार देकर उन्हें घर भेज दिया गया।

प्रेम प्रसंग प्रकरण की जांच को ओसी गांव पहुंचे सीओ

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। थाना क्षेत्र के ओसी गांव में प्रेम प्रसंग के चलते युवक युवती पर दोनों पक्षों के द्वारा चाकू से वार कर घायल करने के मामले में दोनों पक्षों के चार चार लोगों पर केस दर्ज किया गया था। जिसमें युवती पक्ष की ओर से दर्ज कराए गए केस में आरोप लगाया है कि युवक विशाल समेत चार लोगों के जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए युवती पर चाकू से वार कर घायल कर दिया। वहीं युवक विशाल की मां ने भी केस दर्ज कराते हुए चार लोगों पर उसके बेटे पर चाकू से हमला कर घायल करने के मामले में केस दर्ज कराया था। जिसकी विवेचना सीओ देवकीनंदन कर रहे हैं। सोमवार को सीओ देवकीनंदन ने ओसी गांव पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की। सीओ देवकीनंदन ने बताया कि दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले की जांच की जा रही है,जांच के बाद ही तथ्य सामने आ पाएंगे

ई-रिक्शा चालक की हादसे में मौत माहौल गमजदा

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद-बिलारी मार्ग पर रविवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब चालक सैफनी से मुर्गा पहुंचाकर शाहबाद लौट रहा था।

मृतक की पहचान शाहबाद नगर के मोहल्ला मस्जिद काजी निवासी भूरा (30) पुत्र शफी अहमद के रूप में हुई है। वह सुबह ई-रिक्शा में जिंदा मुर्गे लेकर सैफनी गया था। वापसी के दौरान केसरपुर मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उसकी ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गई।

राहगीरों की मदद से उसे साम. दायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि भूरा की शादी एक साल पहले हुई थी और वह

अपने पीछे चार माह की बेटी छोड़ गया है। पहले वह सिलाई का काम करता था, लेकिन कुछ समय से ई-रिक्शा चला रहा था। वह पांच भाइयों में सबसे छोटा था। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाल प्रदीप कुमार ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और शव आने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने पर होगा कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर। रामपुर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक जागरण मंच के तत्वावधान में राष्ट्र गीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रीय स्तर की विचार माला का आयोजन 2 मई को उत्सव पैलेस में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्राउन होटल सिविल लाइन्स में एक कार्य योजना बैठक आयोजित की गयी ।

बैठक में मुख्य अतिथि बाल कल्याण आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विशेष गुप्ता ने कहा कि भारत को शक्तिशाली बनाकर परम वैभव तक ले जाने की भावना का नाम ही वंदे मातरम है । उन्होंने कहा कि नयी पीढ़ी को राष्ट्र भाव और सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित कराने की आवश्यकता है । रामपुर सांस्कृतिक साहित्यिक जागरण मंच के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल (उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग) ने कहा कि हजारों क्रांतिकारियों ने वंदेमातरम के जयघोष के साथ आजादी की लड़ाइ लड़ी है । उनके

बलिदानो का स्मरण करते हुए भारत के उत्थान और सशक्तिकरण के संकल्प को साकार किया जाना है । उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्य के लिए नारीशक्ति को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी । कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. प्रमोद कुमार वार्ष्णेय ने की। इस मौके पर योगेंद्र सिंह चौहान, केशव गुप्ता, चित्रक मित्तल, श्रीष गुप्ता, दीपक गोयल, प्रभात अग्रवाल, राजीव मांगलिक, सरिता सिंघल, संजीव अग्रवाल, शैलेंद्र शर्मा, राकेश जुनेजा, रवींद्र सिंह रवि, जगपाल यादव, संदीप अग्रवाल सोनी, अवधेश शर्मा, संजय पाठक, सचित गुप्ता, अमृत कपूर, पारुल अग्रवाल ,सुनील अग्रवाल, प्रतीक शर्मा, मुकेश आर्य, प्रियंका शुक्ला, सरिता विश्नोई ,पीयूष सक्सेना और सचिन सिंह आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में तीन घायल, तीनों रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहबाद। रविवार को हुए सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें उपचार के लिए शाहबाद सीएचसी में भर्ती कराया।जहां प्राथमिक उपचार देकर तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार जिला संभल के थाना कुंदरकेहरू निवासी सबीब अली पुत्र मौसम खान,फिरदोस पुत्री मौसम खफन दोनों भाई बहन घायल हो गए।वही सामिया पुत्री फहीम निवासी मीरगंज भी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई,सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी शाहबाद पहुंचाया गया डॉक्टरों ने तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार देकर तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

डीएम से सीसी रोड बनाने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री संदीप सिंह ने ग्राम जमुना जमुनी चौहड़ा की लगभग 400 मीटर लंबी कच्ची व जर्जर गली को पक्का कराने के लिए जिलाधिकारी रामपुर को पत्र भेजकर सीसी रोड निर्माण की मांग की है।

उन्होंने बताया कि अल्पसंख्यक बाहुल्य इस गांव की मुख्य गली कच्ची होने के कारण बारिश में कीचड़ व जलभराव की समस्या बनी रहती है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। घरों में पानी घुसने से महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग चोटिल हो रहे हैं और बीमार व्यक्तियों को मुख्य मार्ग तक ले जाने में परेशानी होती है। एंबुलेंस भी गली में प्रवेश नहीं कर पाती, जिससे करीब 100 परिवार प्रभावित हैं। संदीप सिंह ने कहा कि 'स्वच्छ भारत मिशन' और 'गांव-गांव तक पक्की सड़क' के संकल्प के बावजूद यह गली अब तक विकास से वंचित है। उन्होंने 15वें वित्त आयोग या ग्राम पंचायत निधि से सीसी रोड निर्माण कराने की मांग की है। साथ ही मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 पर भी दर्ज कराई गई है।

गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से हराया

लखनऊ, वार्ता। प्रसिद्ध कृष्णा (चार विकेट) के बाद कप्तान शुभमन गिल (56) और जॉस बटलर (60) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को आठ गेंदे शेष रहते सात विकेट से शिकस्त दी।

165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन और शुभमन गिल की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। छठें ओवर की पहली गेंद पर दिग्वेश राठी ने साई सुदर्शन को आउट कर लखनऊ सुपर जायंट्स को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉस बटलर ने शुभमन गिल के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। 15वें ओवर में लप्रस यादव ने शुभमन गिल को आउटकर पवेलियन भेज दिया। शुभमन गिल ने 40 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 56 रनों की पारी खेली। 16वें ओवर में मोहम्मद शमी ने जॉस बटलर को आउट किया। जॉस बटलर ने 37 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए 60 रनों की पारी खेली।

गुजरात टाइटंस ने 18-4 ओवरों में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। वॉलशगटन सुंदर ने 13 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 21 रनों की पारी खेली। राहुल तेवतिया ने नाबाद 10 रन बनाए। इससे पहले आज यहां एडन मारक्रम (30), कप्तान ;षभ पंत (18), निकोलस पूरन (19) और अब्दुल समद (18) के योगदान लखनऊ सुपर जायंट्स ने गुजरात टाइटंस के खिलफ आठ विकेट पर 164 रन बनाये। गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर लखनऊ सुपर जायंट्स को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के गें. दबाजी आक्रमण के आगे संघर्ष करते नजर आये। लखनऊ का पहला विकेट 14 के स्कोर पर मिचेल मार्श के रूप में गिरा। उन्हें कगिसो रबाड़ा ने आउट किया। मार्श ने चार गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 11 रन बनाये। पांचवें ओवर में मोहम्मद सिराज ने ऋषभ पंत का शिकार कर लिया। ऋषभ पंत ने 11 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 18 रन बनाए।

पोलार्ड आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर नियम के खिलाफ आवाज में शामिल हुए

मुंबई, वार्ता। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम के बढ़ते विरोध को एक नई आवाज मिली है। मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड ने बिना किसी लाग-लपेट के कहा, ष्अगर आप मुझसे पर्सनली पूछें कि मुझे यह पसंद है या नहीं, तो मैं सीधे कह सकता हूं: मैं इसका फैन नहीं हूं। मुंबई के पूर्व ऑलराउंडर, जो 2010 सीजन से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं,

को लगा कि इम्पैक्ट प्लेयर ऑप्शन ऑलराउंडरों की स्किल्स का कम इस्तेमाल करता है, जिसका असर इंटरनेशनल टीमों पर पड़ सकता है। इससे छुटकारा पाने की बात करें तो, यह मेरे बस की बात नहीं है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, इसने टी20 क्रिकेट में स्कोर जरूर बढ़ाया है। क्या इंटरनेशनल क्रिकेट में भी इसका वैसा ही असर हुआ है? मैंने सच में इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया है, क्योंकि यह एक अलग डायनामिक है - अगर आप लीग गेम में कुछ विकेट खो देते हैं, तो भी आपके पास मजबूत होने का मौका होता है। इसलिए, जो लोग सत्ता में हैं, उन्हें यह देखना होगा कि क्या यह असल में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविजन के लिए अच्छा है, या सिर्फ लोगों के लिए फायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर रूल के साथ, कुछ स्किल सेट ऐसे हैं जिनका इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो सकता है। उम्मीद है, वे रिव्यू करेंगे कि क्या यह सच में फायदेमंद है। अगर नहीं - और अगर नियम बने रहते हैं - तो आपको बस इसे जारी रखना होगा। रोहित शर्मा, विराट कोहली, एमएस धोनी, शुभमन गिल और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर ने सीजन शुरू होने से पहले कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बैट्समैन या बॉलर को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है? गिल भी उतने ही क्रिटिकल थे। पर्सनली मेरे लिए, मुझे नहीं लगता कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 प्लेयर्स का गेम है, एक एक्स्ट्रा बैट्समैन जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम से स्किल खत्म हो जाती है। उस एक एक्स्ट्रा प्लेयर के साथ, यह गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा कि मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांचक है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

खेल विशेष

भारत मेजबान केन्या से 2-0 से हारा

नैरोबी, वार्ता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने शनिवार को नैरोबी के न्यायो नेशनल स्टेडियम में मेजबान केन्या के खिलाफ 2-0 से हार के साथ अपने फीफा सीरीज 2026 अभियान की शुरुआत की। दुनिया की 134वीं नम्बर की टीम केन्या के लिए मार्था एमेडोट (2) और टेरेजा ओबुन्या (55) ने गोल किए, जबकि फीफा रैंकिंग में 67वें नम्बर पर मौजूद भारत स्कोर करने में नाकाम रहा। फीफा सीरीज को इंटर-कॉन्फेडरेशन मैच-अप के जरिए इंटरनेशनल एक्सपोजर देने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे टीमों को पारंपरिक टूर्नामेंट के बाहर कीमती कॉम्पिटिटिव मिनट मिलते हैं। टूर्नामेंट में सिर्फ चार टीमें हिस्सा ले रही हैं - जिसकी शुरुआत सेमीफाइनल से होगी। इससे पहले दिन में, ऑस्ट्रेलिया ने पहले सेमीफाइनल में मलावी को 5-0 से हराया था। इसके चलते, भारत बुधवार को तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मलावी से भिड़ेगा।

मिरांडा, हंसराज और स्टनर्स जीते

नई दिल्ली, वार्ता। 5वें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट के छठे दिन मिरांडा हाउस, हंसराज कॉलेज और स्टनर्स एकेडमी ने आसान जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट का आयोजन श्री गुरु तेग बहादुर कॉलेज द्वारा किया जा रहा है। महिला वर्ग में, मिरांडा हाउस ने हंसराज कॉलेज को 53-18 से हराया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिरांडा हाउस की दीक्षिता को दिया गया। पुरुष वर्ग के मैचों में, हंसराज कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 63-38 से हराया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हंसराज कॉलेज के सार्थक को दिया गया। एक अन्य मैच में, स्टनर्स एकेडमी ने खालसा एलुमनी को 105-87 से हराया। 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार स्टनर्स एकेडमी के जयंत कादयान को दिया गया।

फाइनल में थमा आयुष का स्वप्निल सफर

निगबो (चीन), वार्ता। दुनिया के दूसरे नम्बर के पुरुष सिगल्स खिलाड़ी शि यू की ने यहां खेली जा रही बैडमिटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में रविवार को 'जायंट किलर' आयुष शेट्टी की जीत का सिलसिला रोक दिया। चीनी खिलाड़ी ने 20 साल के रूकी पर 21-8, 21-10 से शानदार जीत दर्ज की। 2025 पेरिस वर्ल्ड चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट यूकी ने शुरू से ही मैच पर कंट्रोल कर लिया, उन्होंने पहला गेम 21-8 के स्कोर के साथ शानदार अंदाज में जीता। तीन बार के ऑल इंग्लैंड ओपन चैंपियन ने अपने स्मैश अच्छे से लगाए, जिससे आयुष की डिफेंसिव कमजोरी सामने आ गई और उन्हें नेट्स पर आने से रोक दिया। आयुष ने गेम 2 में अच्छी शुरुआत की, 6-2 की बढ़त बनाई, दूसरे गेम के ब्रेक पर स्कोर यू की के पक्ष में 11-8 था। इसके बाद सब यू की ही रहा क्योंकि दुनिया के 25वें नम्बर के आयुष के पास यूकी के शॉट्स का कोई जवाब नहीं था।

रुतुराज गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है

क्योंकि उनकी टीम ने चेन्नई के एम ए चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच नम्बर 18 के दौरान धीमा ओवर-रेट बनाए रखा। आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2-22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला उल्लंघन था, जो मिनिमम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पॉवरप्ले तय करेगा राजस्थान और हैदराबाद मुकाबले का फैसला

हैदराबाद, वार्ता। कुछ मैच टॉस से शुरू होते हैं, और फिर कुछ मैच बल्ले की पहली झलक से शुरू होते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच यह मैच पूरी तरह से दूसरी कैटेगरी में आता है। यह उतना क्रिकेट मैच नहीं है, जितना कि चार बाएं हाथ के खिलाड़ियों का मिलन है, जो मानते हैं कि संयम एक तरह की कमजोरी है।

सनराइजर्स हैदराबाद अपने होम ग्राउंड पर पूरे कॉन्फिडेंस के साथ उतरेगी, जैसे उसने अपनी बैटिंग लाइनअप के बारे में बहुत सारी अच्छी बातें पढ़ी हों। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा, उनकी ओपनिग जोड़ी, उतने बैट्समैन नहीं हैं, जितने कि सब्र के खिलाफ तर्क हैं। जब वे कनेक्ट करते हैं, तो बॉल आगे नहीं बढ़ती, वह निकल जाती है। पिच पर राजस्थान रॉयल्स खड़ी है, जो बिना हारे है और इस सीजन में बाकी सभी की परेशानियों से थोड़ी खुश है। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी, उनकी ओप. निग कॉम्बिनेशन, स्कूली बच्चों जैसे दिखते हैं, जिन्होंने पाया है कि मैथ का हल छक्कों से निकाला जा सकता है। दोनों ने मिलकर पावर प्ले को पब्लिक डेमोंस्ट्रेशन में बदल दिया है। इसीलिए मैच को, मॉडर्न क्रिकेट की बेसब्र भाषा में, 'एक्सप्लोसिव लेफ्ट-हैंड ओपनर्स की लड़ाई' बना दिया गया है। यह एक विनम्र कहावत है, खासकर उन चार लोगों के लिए जो ड्रिंक्स ब्रेक से पहले फिजिक्स के नियमों को फिर से लिखने की कोशिश कर रहे हैं। एसआरएच, अपने सभी पटाखों के बावजूद, एक अजीब कंट्रोवर्सी बनी हुई है। वे 200 रन उतनी ही आसानी से बना सकते हैं, जितनी आसानी से कोई चाय ऑर्डर करता है, और फिर भी इसका बचाव ऐसे करते हैं।

ज्योति सुरेखा के नेतृत्व वाली भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक

पुएब्ला मेक्सिको, वार्ता। अनुभवी ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और प्रगति वाली भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने तीरंदाजी विश्व कप 2026 के पहले चरण में स्वर्ण पदक जीता। शनिवार को आयोजित मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय तीरंदाजी टीम ने फाइनल में अमेरिका की पेज पियर्स, ओ. लिविया डीन और एलेक्सिस रुइज को 233-232 से हराया।

दूसरे सेट के अंत में भारत 117-114 से पीछे था, और अगले सेट में उसने इस अंतर को घटाकर एक अंक (174-173) कर दिया। चार 'र' और दो '10' अंकों की बदौलत, भारतीय टीम ने चौथे और अंतिम सेट में पिछड़ने के अंतर को पाटते हुए, 2026 तीरंदाजी विश्व कप के सीजन-ओपनिग चरण में देश का एकमात्र पदक हासिल किया। तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम इस मुकाबले में एक शानदार विरासत के साथ उतरी थी, क्योंकि उसकी तीनों तीरंदाजों ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में पदक जीते थे। इससे पहले, विश्व की नम्बर 3 तीरंदाज ज्योति सुरेखा, 2025 शंघाई विश्व कप की स्वर्ण पदक विजेता मधुरा धामनगांवकर और 22 वर्षीय प्रगति ने डेनमार्क पर 235-234 की जीत के बाद, सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त तुर्की को 233-230 से हराया था। क्वालीफिकेशन राउंड में कुल 2074 अंकों के साथ शीर्ष पर रहने के कारण, भारत को शुरुआती राउंड में 'बाई' (सीधा प्रवेश) मिला। क्वालीफिकेशन में प्रगति भारत की सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली तीरंदाज रहीं, उन्होंने 694 अंक बनाकर 54 तीरंदाजों के समूह में कुल मिलाकर छठा स्थान हासिल किया। मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति सुरेखा 691 अंकों के साथ 10वें स्थान पर रहीं, जबकि मधुरा धामनगांवकर 689 अंकों के साथ 15वें स्थान पर रहीं। भारत कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक से चूक गया। जिसमें ओजस देवताले और प्रगति की जोड़ी कांस्य पदक के मुकाबले में अमेरिका की एलेक्सिस रुइज और स्टीफन हैनसेन से 155-154 से हार गई। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में, ज्योति भारत की सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली तीरंदाज रहीं। उन्होंने मौजूदा विश्व चैंपियन और नम्बर 1 खिलाड़ी, मेक्सिको की एंड्रिया बेसेरा को हराया।

मांडविया ने 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' के 69वें संस्करण की अगुवाई की

नई दिल्ली, वार्ता। केंद्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने आज नागरिकों से 'फिट इंडिया आंदोलन' में शामिल होने और एक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आग्रह करते हुए जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' के 69वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस अवसर पर डा. मांडविया ने कहा कि संडे ऑन साइकिल' अब एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित होकर, देश के युवा फिटनेस के प्रति अधिक जागरूक हुए हैं। एक स्वस्थ नागरिक एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है, और एक स्वस्थ समाज एक राष्ट्र को विक. सित बनाता है।

मैं प्रत्येक नागरिक से, विशेष रूप से इस देश के युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे 'संडे ऑन साइकिल' आंदोलन में शामिल हों और 'फिट इंडिया' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं। डा. मांडविया ने 'फिट इंडिया एप' के माध्यम से फिटनेस के साथ-साथ स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) को जोड़ने पर भी जोर दिया, यह एप नागरिकों को साइकिल चलाकर 'कार्बन क्रेडिट' अर्जित करने का अवसर प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण-अनुकूल आवागमन को बढ़ावा देना और साथ ही स्वस्थ जीवनशैली को पुरस्कृत करना है।

अर्जित किए गए 'कार्बन क्रेडिट' का उपयोग उत्पाद खरी. दने के लिए किया जा सकता है, और जल्द ही साइकिलिग लीडरबोर्ड पर शीर्ष पर रहने वालों को भौतिक पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान तेज संगीत, तालबद्ध जुम्बा अभ्यास, विभिन्न गतिविधि क्षेत्रों में बिछे योग मैट और साइकिलों की कतारों के साथ, यह आयोजन स्थल सुबह-सुबह ही एक जीवंत फिटनेस अखाड़े में तब्दील हो गया। यहां योग प्रदर्शन, रस्साकशी प्रतियोगिताएं, रस्सी कूदने की गतिविधियां, मनोरंजक खेल क्षेत्र, फोटो बूथ और फिटनेस से जुड़ी विभिन्न संवादात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागी,जिनमें मशहूर हस्तियां, छात्र, पेशेवर, एथलीट और परिवार शामिल थे, बड़ी संख्या में यहां एकत्रित हुए। कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज पिंकी जांगड़ा को भी सम्मानित किया गया। उनके साथ फिटनेस इन्फ्लुएंसर दिनेश शेट्टी द्धएक मुए थाई मार्शल आर्टिस्ट और 'इंडियाज अल्टीमेट वॉरियर' के विजेताऋ और सामाजिक कार्यकर्ता सोनिया सिसोदिया को भी सम्मानित किया गया। 'राहगीरी फाउंडेशन' द्वारा 'स्टेट यूथ लीडस' की थीम पर एक 'नुक्कड़ नाटक' का भी आयोजन किया गया।

डा. मनसुख मांडविया ने संग्राम सिंह को सौंपी एक बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, वार्ता। खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने फिट इंडिया मूवमेंट के फिटनेस आइकन और एमएमए की दुनिया में इतिहास रचने वाले संग्राम सिंह का ब्यूनस आयर्स में योग और प्राणायाम का प्रचार करने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया है।

इसके अलावा भी वह कई मंचों से कह चुके हैं कि योग और प्राणायाम को दुनिया भर में घर-घर तक पहुंचाना प्रधानमंत्री का सपना है और वह खेलों को निचले स्तर पर ऊपर उठाना चाहते हैं जिससे भारत खेलों में एक शक्ति के तौर पर उभरकर सामने आए। डा. मनसुख मांडविया का कहना है कि प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए अगर खेल मंत्रालय की किसी भी योजना के तहत संग्राम सिंह युवाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें प्रेरित करने के लिए अगर आगे आते हैं तो उन्हें खेल मंत्रालय की तरफ से पूरा सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने ऐसे कामों के लिए उन्हें हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। डा. मांडविया का मानना है कि खिलाड़ियों को किसी भी स्थिति में अनुशासन के साथ समझौता नहीं करना चाहिए। उन्हें समय पर खाने और समय पर सोने के नियम के साथ ही अपने डेली रूटीन कार्यक्रम का कड़ाई से पालन करना चाहिए। ए सब बातें खिलाड़ी को विश्व स्तर का बनाने की दिशा में पहला कदम होना चाहिए। उन्हें खुशी है कि खिलाड़ियों ने इन मूलभूत नियमों का पालन किया, उसके अच्छे परिणाम भी देखने को मिले हैं। डा. मांडविया ने अपने ए उद्गार यहां खेल मंत्रालय के फिटनेस आइकन संग्राम सिंह को व्यक्त किए। दोहरे कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैम्पियन संग्राम सिंह अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अपनी तीसरी एमएमए फाइट जीतने के बाद स्वदेश लौटे हैं। शुक्रवार को भारतीय खेल प्राधिकरण के उप-महानिदेशक मंयक श्रीवास्तव ने नेहरू स्टेडियम में उन्हें सम्मानित किया। शनिवार को डा. मांडविया संग्राम सिंह के अर्जेंटीना में योग और प्राणायम का संदेश देने से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी आपसे बहुत कुछ सीखती है। उन्हें आप ज्यादा से ज्यादा अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करने और तय कार्यक्रम को अपनाने का संदेश दें। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में तमाम तरह की व्यस्तताओं और उठापटक के बीच इन नियमों का पालन करना बड़ी चुनौती बन जाते हैं लेकिन वह दिनचर्या संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने की पूरी को. शिश करते हैं।

नम्बर एक पोजिशन के लिए भिड़ेंगे अल्काराज व सिनर

मोंटे कार्लो, वार्ता। डिफेंडिग चैंपियन कार्लोस अल्काराज मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में जानिक सिनर से भिड़ेंगे, जिसमें जीतने वाला दुनिया का नम्बर एक खिलाड़ी बन जाएगा। दोनों शनिवार के सेमीफाइनल में सीधे सेटों में जीते, जिसमें सिनर ने तीसरे सीड अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-1, 6-4 से हराया और अल्काराज ने घरेलू पसंदीदा वैलेंटीन वैचेरोट का सिलसिला 6-4, 6-4 से खत्म किया। टूर्नामेंट के दूसरे सीड और दुनिया के दूसरे नम्बर के खिलाड़ी सिनर, 2015 में नोवाक जोको. विच के बाद एक सीजन में पहले तीन मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं,

वे पहले ही इंडियन वेल्स और मियामी में जीत चुके हैं। 24 साल के सिनर मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 21 मैच जीत रहे हैं और ज्वेरेव के खिलाफ शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने अपने चारों ब्रेक चांस को भुनाया और कभी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं किया क्योंकि उन्होंने 82 मिनट में जीत हासिल की। ज्वेरेव के खिलाफ लगातार आठवीं टूर-लेवल जीत पूरी करने वाले सिनर ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हम यहां (क्ले पर) खुद को कुछ फीडबैक देने की कोशिश में आए थे और अब फाइनल में पहुंचना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।जब आप सीधे ब्रेक अप करते हैं, तो यह मैच का डायनामिक बदल देता है। मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है। यहां आकर फाइनल में पहुंचना मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इसलिए बेशक मैं कल आखिरी दिन जितना हो सके उतना जोर लगाने की कोशिश करूंगा, दुनिया के नम्बर एक अल्काराज ने सिनर के साथ मैचों में 10-6 की बढ़त बना ली है, जिनसे वह पिछले नवम्बर में एटीपी फाइनल्स चैंपियनशिप मैच में इटैलियन की सीधे सेटों में जीत के बाद पहली बार मिलेंगे। स्पेन के टॉप सीड खिलाड़ी 84 मिनट में फाइनल में पहुंचे, उन्होंने वैलेंटीन वैचेरोट के खिलाफ चार में से तीन ब्रेक पॉइंट्स को कन्वर्ट किया, जो मोंटे कार्लो में सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले मोनाको के रहने वाले बने। अल्काराज ने कहा कि मुझे लगता है कि यह हर किसी के लिए ड्रीम स्पॉट है।

मैं दूसरे मोंटे कार्लो टाइटल के लिए लड़ रहा हूं, वह अपने पहले टाइटल के लिए लड़ रहा है। नम्बर एक दांव पर है, जो कल के मैच को और भी खास बना देगा। मैं वैलेंटिन के खिलाफ यह बहुत मुश्किल मैच जीतकर बहुत खुश हूं। वह अभी अपने होम टाउन में बहुत कॉन्फिडेंस के साथ शानदार टेनिस खेल रहा है। जीतना वाकई मुश्किल था, लेकिन मैं 2026 में जानिक के साथ अपनी पहली मुलाकात को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

सोमवार, 13 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

अभी शांति दूर

शनिवार को पाकिस्तान की मध्यस्थता में इस्लामाबाद में 21 घंटे चली ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष विराम को लेकर दोनों देशों प्रतिनिधिमंडलों की बैठक बेनतीजा समाप्त हुई। निश्चित रूप से यह दुनिया के लिए कोई अच्छी खबर नहीं है, क्योंकि दोनों देशों के बीच चला संघर्ष पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी शर्तों को लेकर अड़े रहे। कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। रविवार को अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेन्स ने कहा भी कि वह बहुत उम्मीद लेकर इस्लामाबाद गए थे, लेकिन ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपनी जिद पर अड़ा था। वह न्यूक्लियर पर जरा भी पीछे हटने को तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका का नजरिया बिल्कुल साफ है कि वह किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु संपन्न देश नहीं बनने देगा। होर्मुज भी बातचीत के फेल होने का बड़ा कारण बना। ईरान उस पर अपना दावा छोड़ने को तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका चाहता है कि होर्मुज को अंतर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार पूरी तरह खुला छोड़ना चाहिए। यूं तो दोनों ही तरफ से अपनी-अपनी शर्तें थी, जहां ईरान ने अपनी दस मांगों का एजेंडा सामने रखा, तो वहीं अमेरिका ने भी अपनी 15 मांगें ईरान के सामने रखीं, उनमें कुछ मांगें ऐसी हैं जो वास्तव में दोनों पक्षों के लिए स्वीकार करना बेहद कठिन है, क्योंकि ईरान जहां होर्मुज पर अपने कंट्रोल, अपने मिसाइल प्रोग्राम और उसकी प्रॉक्सी की सहायता से जरा भी पीछे हटने को तैयार नहीं है, तो वहीं अमेरिका की यह पहली शर्त है। ईरानी डेलिगेशन ने वार्ता के बाद कहा कि इस बैठक में सबसे बड़ी कमी भरोसे की दिखाई दी। वह अमेरिका पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। ईरान के लोकसभा स्पीकर गालिबाफ व विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा भी कि अमेरिका उनसे बातचीत में वह चाहता है, जो युद्ध में हासिल नहीं कर सका और इस समय सबसे बड़ी समस्या भरोसे की है। अमेरिका का अब तक जिस तरह का आचरण रहा है, उस पर भरोसा किया भी नहीं जा सकता। ईरान की बात गलत भी नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति जेडी वेन्स जिनके नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल आया था, जिसमें स्टीव विटकॉफ व जेरेड कुशलर जैसे नाम शामिल थे, कहा है कि हम ईरान का किसी भी कीमत पर होर्मुज पर कंट्रोल नहीं होने देंगे और न ही परमाणु बम बनाने देंगे और ट्रम्प की नीति को ही आगे बढ़ाएंगे। इससे साफ है कि दोनों पक्ष अपने अड़ियल दृष्टिकोण पर खड़े हैं। ऐसे में यह साफ हो जाता है कि किसी भी पक्ष को एक-दूसरे पर भरोसा नहीं है और कोई भी समझ सकता है कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने के लिए भरोसा सबसे पहली चीज है। वार्ता के बाद जिस तरह की भाषा अमेरिकी राष्ट्रपति बोल रहे हैं और ईरान को धमका रहे हैं और होर्मुज को बलपूर्वक खोलने की बात कर रहे हैं, उससे भी साफ है कि शांति का समय जल्द ही लौटने नहीं जा रहा है।

कानून पर सार्थक चर्चा संभव नहीं

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 कानून सितम्बर 2023 में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित हुआ था और उस समय कांग्रेस ने इसे तुरंत लागू करने की मांग की थी, सरकार ने तब इसे लागू नहीं किया, जबकि अब 30 महीने बाद बिना विपक्ष को विश्वास में लिए विशेष सत्र बुला रही है, परिसीमन से जुड़ी कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की गई है, जिससे इस महत्वपूर्ण कानून पर सार्थक चर्चा संभव नहीं हो पाएगी, सरकार का यह दावा गलत है कि राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर संवाद हुआ है, विपक्ष लगातार 29 अप्रैल 2026 के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रहा है, चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाना सरकार की राजनीतिक मंशा को दर्शाता है और यह कदम महिलाओं को सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए उठाया गया प्रतीत होता है।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

Versatile singing के लिए हमेशा याद रहेंगी आशा भोसले

आशा भोसले भारतीय संगीत जगत की वह अद्वितीय स्वर सम्राज्ञी हैं, जिनकी आवाज ने लगभग सात दशकों तक श्रोताओं के दिलों पर राज किया है। उनका जीवन केवल एक सफल गायिका की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, साहस, आत्मविश्वास और निरंतर परिश्रम की ऐसी मिसाल है, जो हर पीढ़ी को प्रेरित करती है। आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक और रंगमंच कलाकार थे। घर का वातावरण पूरी तरह संगीत से भरा हुआ था, इसलिए आशा जी को बचपन से ही संगीत की शिक्षा और संस्कार मिले। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत की दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी थीं और आगे चलकर वह भारत की सबसे महान गायिकाओं में गिनी जाने लगीं।

आशा भोसले का बचपन सामान्य नहीं था। जब वह केवल नौ वर्ष की थीं, तभी उनके पिता का निधन हो गया। यह घटना उनके जीवन में एक बड़ा झटका थी। पिता के जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो गई। परिवार को संभालने की जिम्मेदारी अचानक आशा और लता पर आ गई। इतनी कम उम्र में ही उन्होंने जीवन की कठिनाइयों का सामना करना शुरू कर दिया। उन्होंने फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करना और गाना शुरू किया, ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। यह उनके संघर्षपूर्ण जीवन की शुरुआत थी, जिसने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया। आशा भोसले ने अपने करियर की शुरुआत बहुत छोटी उम्र में की थी। उन्होंने पहली बार मराठी फिल्म के लिए गाना गाया और फिर धीरे-धीरे हिंदी फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया, लेकिन शुरुआती दौर उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। उस समय संगीत जगत में गीता दत्त, शमशाद बेगम और उनकी अपनी बहन लता मंगेशकर जैसी स्थापित गायिकाओं का वर्चस्व था। ऐसे में आशा जी को मुख्यधारा के बड़े गीत नहीं मिलते थे। उन्हें बी-ग्रेड फिल्मों और कम बजट की फिल्मों में गाने का मौका मिलता था, लेकिन उन्होंने कभी भी इन परिस्थितियों से निराश होकर हार नहीं मानी। उन्होंने हर छोटे अवसर को अपनी प्रतिभा दिखाने का माध्यम बनाया।

उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उनकी मुलाकात प्रसिद्ध संगीतकार ओपी नैयर से हुई। ओ.पी. नैयर ने आशा भोसले की आवाज की अलग पहचान को पहचाना और उन्हें ऐसे गीत दिए, जिन्होंने उनकी छवि को पूरी तरह बदल दिया। नया दौर, हावड़ा ब्रिज, कश्मीर की कली जैसी फिल्मों के गीतों ने आशा भोसले को लोकप्रियता के शिखर तक पहुंचा दिया। उनकी आवाज में जो चंचलता, मस्ती और ऊर्जा थी, वह उस दौर के संगीत में एक नई ताजगी लेकर आई। इस दौर में उन्होंने यह साबित कर दिया कि वह केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र और सशक्त पहचान वाली गायिका हैं।

आशा भोसले की गायकी की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा रही है। उन्होंने हर प्रकार के गीतों में अपनी अलग छाप छोड़ी है। चाहे वह रोमांटिक गीत हों, गजल हों, भजन हों, लोकगीत हों या फिर पाश्चात्य शैली के कैबरे गीत, हर शैली में उन्होंने अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्होंने पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, इन आंखों की मस्ती के जैसे गीतों के माध्यम से अपनी गायकी की विविधता को साबित किया।

उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ा आरडी बर्मन के साथ। आरडी बर्मन, जिन्हें प्यार से पंचम दा कहा जाता था, ने आशा भोसले के साथ मिलकर संगीत को एक नई दिशा दी। दोनों की जोड़ी ने कई सुपरहिट गीत दिए, जो आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। बाद में दोनों ने विवाह कर लिया और उनका रिश्ता केवल पेशेवर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी गहरा हो गया। आरडी बर्मन के साथ काम करते हुए आशा भोसले ने आधुनिक संगीत, पॉप और फ्यूजन में भी अपने प्रयोग किए, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ी।

आशा भोसले का निजी जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने बहुत कम उम्र में गणपतराओ भोसले से विवाह कर लिया था, लेकिन यह विवाह सफल नहीं रहा। उन्हें इस रिश्ते में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और अंततः उन्हें अलग होना पड़ा। इसके बाद उन्होंने अपने बच्चों की परवरिश अकेले की और अपने करियर को भी आगे बढ़ाया। यह उनके साहस और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

आशा भोसले ने केवल भारत में ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कई देशों में लाइव कॉन्सर्ट किए और अपनी आवाज का जादू बिखेरा। उन्होंने पश्चिमी संगीत के साथ भी प्रयोग किए और अपनी शैली को समय के साथ बदलते हुए उसे और भी समृद्ध बनाया। यही कारण है कि वह आज भी नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सफलता का रास्ता कभी आसान नहीं होता। इसमें कई कठिनाइयां, असफलताएं और चुनौतियां आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहता है, वह अंततः सफलता प्राप्त करता है। आशा भोसले ने अपने जीवन में हर कठिनाई का सामना किया और कभी हार नहीं मानी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर इंसान में आत्मविश्वास और मेहनत करने का जज्बा हो, तो वह किसी भी मुकाम को हासिल कर सकता है। आशा भोसले का जीवन एक प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा के बल पर जो मुकाम हासिल किया, वह बहुत कम लोगों को नसीब होता है। उनकी आवाज आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

जीवन की उपलब्धियां

आशा भोसले ने अपने करियर में हजारों गीत गाए हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कई विदेशी भाषाओं में भी गाने गाए हैं। उनकी आवाज की मधुरता और लचीलेपन ने उन्हें हर भाषा में लोकप्रिय बना दिया। उन्होंने लगभग 20,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उनकी उपलब्धियों की बात करें तो उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कई बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते और एक समय के बाद उन्होंने नए गायकों को मौका देने के लिए अपना नाम इस प्रतियोगिता से वापस ले लिया। उन्हें नेशनल फिल्म अवार्ड फॉर बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर से भी सम्मानित किया गया, जो भारतीय सिनेमा में उत्कृष्ट गायन के लिए दिया जाता है। इसके अलावा भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान उनके संगीत में योगदान की सर्वोच्च मान्यता है। आशा भोसले को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

तमिलनाडु विस चुनाव : नए युग का आगाज !

ओ.पी. पाल

तमिलनाडु की राजनीति को समझने के लिए अक्सर वहां की रैलियों का शोर और सिनेमाई सितारों का कट-आउट काफी माना जाता रहा है, लेकिन 23 अप्रैल 2026 को विधानसभा की 234 सीटों पर होने वाले चुनाव से ठीक पहले राज्य की गलियों में पसरा सन्नाटा किसी खामोशी का नहीं, बल्कि एक बहुत बड़े सियासी मंथन का संकेत है। इस बार का चुनाव केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं है, बल्कि यह इस बात का लिटमस टेस्ट है कि क्या 50 साल पुराना द्रविड़ वर्चस्व अब बहु-ध्रुवीय राजनीति के सामने झुकने को तैयार है? यानी एक गहरी राजनैतिक परिपक्वता और त्रिस्तरीय मुकाबले का संकेत है। विशेषकर महिला मतदाता, जो राज्य की आबादी का 51 प्रतिशत हैं, उन्होंने अपनी चुप्पी से डीएमके और एआईएडीएमके दोनों खेमों की नींद उड़ा दी है। हालांकि सभी राजनीतिक दल अपनी नई चुनावी रणनीति के साथ चुनावी जंग में हैं।

तमिलनाडु राजनीति के इतिहास पर नजर डाली जाए, तो चुनाव में तमिलनाडु की राजनीति में इस समय द्रविड़ दलों यानी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एडीएमके) को अक्सर एक राजनीतिक महाशक्ति के रूप में देखा जाता है। ये दोनों प्रमुख दल ही पिछले दशकों से राज्य पर शासन करते आ रहे हैं, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सियासी तस्वीर काफी बदली हुई नजर आ रही है। जहां पहले चुनावों में किसी एक पार्टी या गठबंधन की लहर नजर आती थी, वहीं इस बार ऐसा कोई सियासी परिदृश्य नहीं है। राजग और इंडिया गठबंधन दोनों अपनी-अपनी रणनीति के साथ मैदान में हैं, लेकिन जनता का मूड अभी भी शांत और सोच-समझकर फैसला लेने वाला दिख रहा है। राज्य में चुनावी सरगर्मियों के बीच इस बार चुनावी रैलियों में वह पारंपरिक उन्माद नहीं दिख रहा, जो कभी एमजीआर, जयललिता या करुणानिधि के दौर में होता था। इस बार मतदाता मौन है और लगता है कि जनता इस बार उम्मीदवारों के चेहरों को नहीं, बल्कि उनके ट्रैक रिकॉर्ड को तौल रही है। यह सन्नाटा बताता है कि मतदाता इस बार लहर के बहाव में नहीं, बल्कि परिणाम के प्रभाव पर वोट करेगा। मसलन इस बार का चुनाव यह तय करेगा कि क्या तमिलनाडु अपनी पारंपरिक द्रविड़ सीमाओं में ही रहेगा या फिर वह राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति और नए क्षेत्रीय चेहरों के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। दरअसल जब तमिलनाडु का मतदाता शांत होता है, तो वह अक्सर किसी बड़े उलटफेर की पटकथा लिख रहा होता है। 4 मई के नतीजे एक मुख्यमंत्री नहीं चुनेंगे, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति की आधी सदी का रुख तय करेंगे।

डीएमके का वर्चस्व और एडीएमके का अस्तित्व

सत्ताधारी डीएमके अपने द्रविड़ मॉडल और महिला केंद्रित कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के लिए यह चुनाव अपनी विरासत को स्थाई बनाने की लड़ाई है। इसमें उनका मजबूत कैडर और सरकारी योजनाओं की जमीनी पहुंच मानी जा रही है। हालांकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का चेहरा सबसे बड़ा है, लेकिन गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, छोटे दलों और वामपंथी दलों में दबी हुई नाराजगी के साथ ही कार्यकर्ताओं के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल की कमी एक 'अदृश्य दरार' पैदा कर रही है। वहीं सनातन धर्म जैसे विवादित बयानों ने जिस तरह राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन को असहज किया है, उसका असर स्थानीय स्तर पर भाजपा भुनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा के लिए तमिलनाडु हमेशा से एक अजेय दुर्ग रहा है, लेकिन इस बार पार्टी ने अपनी रणनीति बदली है। एआईएडीएमके के साथ दोबारा हुए गठबंधन ने राजग को नई ऊर्जा दी है। हालांकि एआईएडीएमके का आंतरिक नेतृत्व संकट अभी भी पूरी तरह सुलझा नहीं है। के. अन्नामलाई के नेतृत्व में भाजपा ने खुद को आक्रामक विपक्ष के रूप में पेश किया है। वे हिंदुत्व को तमिल गौरव से जोड़कर उस वैचारिक चक्रव्यूह को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे द्रविड़ राजनीति ने दशकों से बनाया था। वहीं इस चुनाव में अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी तमिझगा वेत्री टीवीके इस चुनाव के सबसे बड़े ब्लैक हॉर्स साबित हो सकते हैं। पहली बार वोट देने वाले करोड़ों युवा, जो पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से अलग विकल्प ढूंढ रहे हैं। यह विजय का फैन बेस अगर पोलिंग बूथ तक पहुंचा, तो वह बड़े-बड़े दिग्गजों का सियासी गणित बिगाड़ सकता है। तमिलनाडु की सियासत में 2026 का विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व मोड़ पर खड़ा है। राज्य के राजनीतिक इतिहास में शायद यह पहला मौका है जब डीएमके, एडीएमके, भाजपा और कांग्रेस जैसे सभी मुख्यधारा के दलों ने किसी भी ब्राह्मण उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

आम्बेडकरवादी भी जातिवादी हैं !

डा. उदित राज

भारतीय समाज में जाति एक जटिल और गहराई से जड़ जमाई हुई संरचना रही है, जिसे समाप्त करने का सबसे सशक्त और स्पष्ट आह्वान डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने किया था। उन्होंने न केवल जाति-प्रथा की आलोचना की, बल्कि एक ऐसे समाज की कल्पना की जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित हो। उनके विचारों का मूल उद्देश्य था, जाति का उन्मूलन। आज एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि क्या स्वयं को आम्बेडकरवादी कहने वाले लोग इन मूल्यों को व्यवहार में उतार पा रहे हैं या कहीं वे भी उसी जातिवादी सोच के शिकार हो गए हैं, जिसका विरोध आम्बेडकर ने किया था। शादी- विवाह जाति के भीतर ही हो रहा है और गैर आम्बेडकरवादी जातियों की तरह खुद के जाति के संगठन खड़ा कर दिया है। रीति-रिवाज, शादी- विवाह, जाति के आधार पर राजनीति का समर्थन, अपनी जाति को ऊंचा मानना आदि व्यवहार वैसे ही हैं जैसे अन्य हिंदू समाज का है। पुरुष समाज अपनी महिलाओं को उन्ही बंधनों में रखता है जैसे अन्य। जो जागृति दिखती है वो मुख्यतः खुद की सुविधा, धन और सम्मान की प्राप्ति के लिए है। डा आम्बेडकर ने अपनी प्रसिद्ध कृति Annihilation of Caste में स्पष्ट लिखा था जाति केवल श्रम का विभाजन नहीं है, बल्कि श्रमिकों का विभाजन है। इस कथन में उन्होंने यह रेखांकित किया कि जाति-प्रथा समाज को केवल कार्य के आधार पर नहीं, बल्कि मनुष्यों को स्थाई रूप से अलग-अलग वर्गों में बांट देती है। उनका मानना था कि जब तक जाति का अस्तित्व रहेगा, तब तक सच्चा लोकतंत्र और सामाजिक न्याय संभव नहीं है। इसके बावजूद, वर्तमान सामाजिक व्यवहार में एक विरोधाभास देखने को मिलता है। अनेक लोग जो स्वयं को आम्बेडकरवादी कहते हैं, वे सामाजिक-राजनीतिक मंचों पर समानता और अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन निजी जीवन में, विशेषकर विवाह और सामाजिक संबंधों के मामले में, जाति को प्राथमिकता देते हैं। यह प्रवृत्ति केवल एक समुदाय तक सीमित नहीं है यह व्यापक सामाजिक मनोविज्ञान का हिस्सा बन चुकी है। डा. आम्बेडकर ने अंतरजातीय विवाह को जाति-प्रथा को तोड़ने का सबसे प्रभावी साधन माना था। उन्होंने कहा था जाति को समाप्त करने का वास्तविक उपाय है, अंतरजातीय विवाह। उनके अनुसार, जब तक लोग अपने ही जाति-समूह के भीतर विवाह करते रहेंगे, तब तक जाति की दीवारें बनी रहेंगी। इस संदर्भ में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि आम्बेडकरवादी भी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस सिद्धांत को अपनाने से हिचकते हैं, तो फिर उनके विचार और आचरण में सामंजस्य कैसे स्थापित होगा? महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण के मामले में भी एक समान विरोधाभास देखा जा सकता है। डा. अंबेडकर महिलाओं की स्वतंत्रता और अधिकारों के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने कहा था, मैं किसी समुदाय की प्रगति को इस आधार पर मापता हूं कि उस समुदाय की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है। इसके बावजूद, आज भी कई समाजों में, चाहे वे किसी भी विचारधारा से जुड़े हों, महिलाओं के प्रति पारंपरिक और सीमित दृष्टिकोण बना हुआ है। अंबेडकरवादी समाज भी इस प्रवृत्ति से मुक्त नहीं दिखता। यह भी सच है कि सामाजिक और आर्थिक संसाधनों तक पहुंच के लिए पहचान-आधारित राजनीति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के लिए संगठित होना और अपने अधिकारों की मांग करना आवश्यक रहा है, लेकिन जब यह पहचान केवल सुविधा, सम्मान और संसाधनों की प्राप्ति तक सीमित रह जाती है और जीवन के अन्य पहलुओं में समानता के मूल्यों को नहीं अपनाया जाता, तो यह एक प्रकार का वैचारिक द्वंद्व उत्पन्न करता है।

डा. भीमराव अंबेडकर ने 25 नवंबर 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण में चेतावनी दी थी कि राजनीति में भक्ति या किसी नेता की अंधपूजा (Hero-worship) पतन और तानाशाही का सीधा रास्ता है। उन्होंने कहा था कि धर्म में भक्ति आत्मा की मुक्ति हो सकती है, लेकिन राजनीति में यह आत्म-विनाशकारी है, क्योंकि यह अंततः लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देती है। इसके विपरीत कथित दलित और पिछड़ों के नेता वोट बैंक की होड़ में अपने-अपने जाति के संगठन खड़ा कर दिए हैं। यह उतने ही जातिवादी हैं जितने अन्य दबंग जातियां और जाति के लोग अंध भक्त बन गए हैं और यह प्रकिया जारी है। यहीं पर आम्बेडकरवाद धराशाई हो जाता है और इनके जातियों के चरित्र और व्यवहार दूसरों के समान हो जाते हैं। आम्बेडकरवादी होना केवल एक पहचान या नारा नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है, उन मूल्यों को अपने जीवन में उतारने की, जिनके लिए डॉ. अंबेडकर ने संघर्ष किया। जाति-प्रथा का विरोध केवल भाषणों और लेखों तक सीमित नहीं होना चाहिए इसे व्यक्तिगत और पारिवारिक निर्णयों में भी परिलक्षित होना चाहिए। अंततः, यह समझना होगा कि जाति-विहीन समाज का निर्माण केवल किसी एक वर्ग या समुदाय का कार्य नहीं है। यह एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि हम वास्तव में डॉ. आम्बेडकर के विचारों का सम्मान करना चाहते हैं, तो हमें उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में ईमानदारी से लागू करना होगा, चाहे वह अंतरजातीय विवाह का समर्थन हो, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हो, या सामाजिक समानता की दिशा में ठोस कदम उठाना हो। सवर्णों को हर दुख और भेदभाव के लिए दोष देने से कभी भी उद्धार नहीं होगा। हां, सवर्णों के खिलाफ बोलकर कुछ लोग नेता तो बन जाते हैं परंतु खुद के समाज को नहीं बदलेंगे। प्रत्येक मानव स्वतंत्र पैदा हुआ, लेकिन परिवार और समाज उसे अपनी तरह ढालते हैं और यह प्रक्रिया पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। एक तरह से हम अतीत और अगल-बगल के रीति-रिवाज और परंपरा की फोटोकॉपी बनकर रह गए हैं। डॉ. आम्बेडकर ने कहा था कि अपने मस्तिष्क को विकसित करो और जो ऐसा करेगा, खुद प्रगति कर सकेगा और सवर्ण भी उसको नहीं रोक सकते।

(लेखक दलित, ओबीसी, मॉइनॉरिटीज एवं आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोमा परिसंघ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) के राष्ट्रीय चेयरमैन हैं, व्यक्त विचार उनके निजी हैं)

अगरतला। त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) चुनाव के दौरान मतदान केंद्र के बाहर अपना वोट डालने के लिए कतार में खड़े होकर अपने पहचान पत्र दिखाते मतदाता।

युंगाडा आर्मी चीफ ने तुर्की से सबसे खूबसूरत महिला मांगी

कम्पाला। युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्की से 1 अरब डालर (9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्की से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्की एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है। कैनेरुगाबा ने एक्स पर लिखा कि अगर तुर्की ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्की यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्की की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

2-3 महत्वपूर्ण मुद्दों पर अटकी बातचीत: ईरान

कई मुद्दों पर सहमति बनी, अंततः वार्ता किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही

मास्को। ईरान और अमेरिका कई मुद्दों पर सहमत हुए लेकिन दो-तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर असहमति होने के कारण इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बाद समझौता नहीं हो सका। यह जानकारी ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने दी। मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, बगाई ने कहा कि हमारे बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी लेकिन दो-तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमारे विचार अलग-अलग थे और अंततः वार्ता किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आठ अप्रैल की रात ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते की घोषणा की थी जिसके बाद, ईरान और अमेरिका ने शनिवार को इस्लामाबाद में वार्ता की।

रविवार सुबह अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने कहा कि ईरान और अमेरिका लंबी बातचीत के दौरान किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहे हैं और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी समझौते के वापस लौट रहा है। वहीं ईरान ने अमेरिका के साथ वार्ता में 'व्यावहारिक' प्रस्ताव रखे हैं और अब आगे की प्रगति अमेरिका के रुख पर निर्भर है। प्रेस टीवी ने मामले से परिचित सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिकी प्रशासन ने वार्ता का आकलन उसी तरह गलत किया, जैसे उसने अपनी सैन्य रणनीति में किया था। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच अगले दौर की वार्ता का स्थान अभी तय नहीं हुआ है। दोनों देशों के बीच शनिवार को इस्लामाबाद में बातचीत हुई, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद आयोजित की गई थी। इस बीच, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जेडी वेंस ने कहा कि लंबी बातचीत के बावजूद कोई समझौता नहीं हो सका और अमेरिकी दल खाली हाथ लौट रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा कि वार्ता अविश्वास के माहौल में हुई और किसी को भी तत्काल समझौते की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन दो-तीन अहम विषयों पर मतभेद के कारण समझौता नहीं हो सका।

■ ईरान के प्रस्ताव 'व्यावहारिक' अब अमेरिका को यथार्थवादी रुख अपनाना होगा

कूटनीति कभी खत्म नहीं होती: ईरान

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई वार्ता से कोई नतीजा नहीं निकला है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कूटनीति कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि ये वार्ताएं 40 दिनों के थोपे गए युद्ध के बाद हुईं और अविश्वास और संदेह के माहौल में आयोजित की गईं। यह स्वाभाविक है कि हमने शुरू से ही एक ही बैठक में समझौते पर पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कि किसी ने भी इसकी उम्मीद नहीं की थी। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई वार्ता अमेरिकी पक्ष द्वारा रखी गई अत्यधिक मांगों के कारण बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। वार्ता के बारे में बघाई ने कहा कि ईरान और अमेरिका कई मुद्दों पर एक समझौते पर पहुंच गए थे और दो-तीन महत्वपूर्ण मामलों पर मतभेद हैं।

■ कहा: ये वार्ताएं 40 दिनों के थोपे गए युद्ध के बाद हुईं और अविश्वास और संदेह के माहौल में आयोजित की गईं

ईरान से वार्ता विफल होने पर भड़के ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति ने ईरान को बताया जिम्मेदार, होर्मुज की सैन्य नाकेबंदी का किया ऐलान

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। पाकिस्तान में हुई नाकाम शांति वार्ता के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बेहद सख्त और तीखा बयान जारी किया है, जिसने वैश्विक राजनीति में हलचल मचा दी है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का वादा किया था, लेकिन जानबूझकर उसे तोड़ा, जिससे दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता, डर और संकट की स्थिति पैदा हो गई है।

उनके मुताबिक, यह कदम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन चुका है और ईरान की गैर-जिम्मेदार हरकतों ने वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दी है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान ने समुद्र में बारूदी माइन्स बिछाई हैं, जिससे जहाजों की आवाजाही खतरे में पड़ गई है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान की इन हरकतों से उसकी अंतर्राष्ट्रीय छवि खराब हुई है और वह अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने ईरान को चेतावनी भरे अंदाज में तुरंत इस जलमार्ग को खोलने की मांग की और कहा कि इसे तेजी से लागू किया जाना चाहिए। एक दूसरे पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि ईरान के साथ हुई बैठक में ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन गई, लेकिन सबसे अहम मुद्दा परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं हो सका। ट्रम्प के अनुसार, इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की नौसेना होर्मुज जलडमरूमध्य में आने-जाने वाले सभी जहाजों की निगरानी और रोकने की प्रक्रिया शुरू करेगी। इसके साथ ही टोल देकर होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को अमेरिकी नौसेना रोकेगी। उनका कहना है कि जब तक पूरी तरह भरोसेमंद स्थिति नहीं बनती, तब तक यह कदम जारी रहेगा।

ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान यह कहकर अस्थिरता पैदा कर रहा है कि समुद्री रास्तों में कहीं बारूदी सुरंगें (माइन) हो सकती हैं, जिससे जहाज मालिक जोखिम लेने से डर रहे हैं। उनके अनुसार, इसी वजह से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने इस स्थिति को वैश्विक दबाव और ब्लैकमेल बताया और कहा कि कोई भी देश, खासकर अमेरिका, इस तरह के दबाव में नहीं आएगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश इस पूरे मामले पर सख्त नजर रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर आगे कदम उठाए जाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि हालांकि ईरान की नौसेना और उसके अधिकांश बारूदी सुरंग बिछाने वाले जहाज पहले ही नष्ट किए जा चुके हैं, फिर भी इस पूरे मामले को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तनाव बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान ने समुद्री क्षेत्र में बारूदी सुरंगें बिछाई हैं, जिससे जहाजों की आवा. जाही पर खतरा पैदा हो गया है। ऐसी स्थिति में कोई भी जहाज मालिक जोखिम लेने को तैयार नहीं है, क्योंकि सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। इससे वैश्विक व्यापार और समुद्री आवागमन प्रभावित हो रहा है। अपने पोस्ट में ट्रम्प ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका और ईरान के बीच करीब 20 घंटे लंबी बात. चीत हुई, लेकिन ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने दो टूक अंदाज में साफ कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार नहीं रखने दिए जाएंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान की नौसेना, एयरफोर्स और रक्षा प्रणाली कमजोर हो चुकी है और उन्होंने अमेरिका की सैन्य ताकत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने हमला किया या बाधा डाली, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। ट्रम्प ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि अमे. रिका और उसके सहयोगी देश इस स्थिति पर नजर रख रहे हैं और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाएगी। अपने पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में हुई एक बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस बातचीत में भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े युद्ध को रोकने पर चर्चा हुई, जिससे लाखों लोगों की जान बची।

■ होर्मुज से पास होने वाले जहाजों की निगरानी करेगी अमेरिकी नौसेना, ईरान पर ब्लैकमेल करने का आरोप
■ ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी भरे अंदाज में तुरंत इस जलमार्ग को खोलने की मांग की

वार्ता विफल होने के बीच ट्रम्प यूएफसी इवेंट में हुए शामिल

फ्लोरिडा। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता बेनतीजा रही है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शनिवार को फ्लोरिडा में यूएफसी इवेंट में शामिल हुए। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। ट्रम्प मियामी में यूएफसी 327 में पहुंचे, जहां फाइट देखने के लिए एरीना में जाने से पहले यूएफसी के अध्यक्ष डाना व्हाइट ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उनकी बेटी इवांका ट्रम्प, पोती काई ट्रम्प उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह मौजूदगी ऐसे समय में हुई है जब इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई और दोनों पक्षों के बीच मुख्य मतभेद अभी भी सुलझे नहीं हैं। इस्लामाबाद में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि लंबी बातचीत के बावजूद वाशिंगटन और तेहरान किसी डील पर नहीं पहुंच पाए। ऐसे भू-राजनी. तिक तनाव वाले माहौल के बीच ट्रम्प के इस इवेंट में शामिल हुए। आलोचकों का कहना है कि एक संवेदनशील भू-राजनी. तिक समय के दौरान एक बड़े स्पोर्टिंग इवेंट में राष्ट्रपति की मौजूदगी से गलत मैसेज गया। कई लोगों ने बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय तनाव के बीच एक हाई-एनर्जी फाइट नाइट में शामिल होने के नजरिए पर सवाल उठाए।

■ संवेदनशील भू-राजनीतिक समय के दौरान एक बड़े स्पोर्टिंग इवेंट में राष्ट्रपति की मौजूदगी से गलत मैसेज गया

एक बार फिर भारत और यूएई के मजबूत रिश्ते चर्चा में

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर के यूएई दौरे ने एक बार फिर भारत और यूएई के मजबूत रिश्तों को चर्चा में ला दिया है। उन्होंने दुबई और अबू धाबी में शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत की चिंताओं और प्राथमिकताओं को सामने रखा। खास तौर पर पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भारतीय समुदाय की सुरक्षा और दोनों देशों के रणनी. तिक रिश्तों पर जोर दिया गया।

जयशंकर ने बताया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश दिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार और आर्थिक सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही हालिया संघर्ष के दौरान यूएई में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और देखभाल के लिए धन्यवाद भी व्यक्त किया गया। जयशंकर ने यूएई के राष्ट्रपति के अलावा दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला से भी मुलाक. ात की। इन बैठकों में दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। उन्होंने भारतीय समुदाय की भावनाएं और अनुभव भी यूएई नेतृत्व तक पहुंचाए। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि इस पूरे दौरे में भारतीय समुदाय उनकी सबसे बड़ी चिंता रहा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान भारत में भी लोगों को उनकी सुरक्षा की चिंता थी। जयशंकर ने यूएई सरकार द्वारा भारतीयों की देखभाल के लिए आभार जताया और समुदाय की प्रतिक्रिया भी साझा की। बैठकों में ऊर्जा सहयोग, व्यापार और आर्थिक साझेदारी पर भी विस्तार से बात हुई। यूएई भारत का एक बड़ा रणनीतिक साझेदार है, इसलिए दोनों देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। यह भी माना गया कि मौजूदा हालात में आर्थिक सहयोग और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में हालात काफी जटिल हैं और भारत का इस क्षेत्र में बड़ा हित जुड़ा है। इसलिए सुरक्षा और स्थिरता पर खुलकर चर्चा हुई।

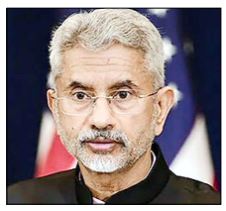

■ जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों को दिया पीएम मोदी का संदेश, राष्ट्रपति से भी की मुलाकात

न्यू जर्सी में गोलीबारी से एक की गई जान

न्यूयॉर्क में बुजुर्गों पर हमला करने वाला सनकी हमलावर ढेर

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यू जर्सी और न्यूयार्क में हुई दो अलग-अलग हिंसक घटनाओं ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। पहली घटना न्यू जर्सी के यूनियन टाउनशिप की है, जहां एक मशहूर फास्ट-फूड रेस्टोरेंट 'चिक-फिल-ए' में शनिवार रात करीब 8:40 बजे अचानक गोल. ाबारी शुरू हो गई।

हमलावर रेस्तरां के अंदर घुसे और काउंटर के पीछे पहुंचकर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। उस समय रेस्टोरेंट में कई ग्राहक और कर्मचारी मौजूद थे, जिससे वहां भगदड़ मच गई। इस हमले में कम से कम छह लोगों को गोली लगी है। इनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चश्मदीदों ने बताया कि कुछ ही सेकंड में रेस्तरां का माहौल किसी युद्ध के मैदान जैसा हो गया था। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और यूनियन काउंटी प्रासिक्यूटर आफिस मामले की जांच कर रहा है। अभी तक हमलावरों की पहचान और हमले की वजह का पता नहीं चल पाया है। दूसरी घटना न्यूयार्क के ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन की है। शनिवार सुबह करीब 9:50 बजे 44 साल के एंथनी ग्रिफिन ने बिना किसी उकसावे के तीन बुजुर्गों पर धारदार हथियार मचेती (एक बड़ा चाकू) से हमला कर दिया। हमलावर खुद को लुसिफर कह रहा था। इस हमले में एक 85 साल के बुजुर्ग के सिर पर गहरा घाव हुआ, एक 65 साल के व्यक्ति के सिर पर चोट आई और एक 70 साल की महिला के कंधे पर वार किया गया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने हमलावर को हथियार डालने के लिए कई बार आदेश दिया, लेकिन उसने बात नहीं मानी। पुलिस ने उसे मदद की पेशकश भी की, लेकिन वह चाकू लेकर उनकी तरफ बढ़ने लगा। इसके बाद पुलिस ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

■ कुछ ही सेकंड में रेस्तरां का माहौल किसी युद्ध के मैदान जैसा हो गया था

रूस यूएन महासचिव पद के चयन प्रक्रिया में रहेगा सक्रिय: विदेश मंत्रालय

मास्को। रूस संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए उम्मीदवारों के नामांकन पर बारीकी से नजर रख रहा है और चयन प्रक्रिया में पूरी तरह से सक्रिय रहना चाहता है। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों विभाग के निदेशक किरिल लोग्विनोव ने स्पुतनिक को दी। लोग्विनोव ने कहा कि रूसी पक्ष अगले महासचि. चव के चयन की प्रक्रिया को पूरी तरह से जांचने का इरादा रखता है। हम नामांकन प्रक्रिया पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है।

तुर्की में नेतन्याहू समेत 35 लोगों पर केस

4600 साल तक जेल की सजा की मांग, मामला गाजा जा रहे राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा

■ इन जहाजों में खाने-पीने का सामान, दवाइयां और दूसरी जरूरी मदद भेजी जा रही थी

इस्तांबुल। तुर्की में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 35 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

यह मामला गाजा जा रहे राहत मिशन पर कथित हमले से जुड़ा है। इस्तांबुल के मुख्य सरकारी वकील के दफ्तर ने आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें सभी आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की गई है। इसमें उम्रकैद के साथ 1102 साल से लेकर 4596 साल तक की अतिरिक्त सजा की मांग शामिल है। आरोपों में मानवता के खिलाफ अपराध, नरसंहार, गैरकानूनी हिरासत, यातना और लूट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह मामला पिछले साल सितंबर में हुई एक घटना से जुड़ा है, जब सुमुद फ्लोटिला नाम का एक राहत मिशन गाजा की ओर जा रहा था। इन जहा. जों में खाने-पीने का सामान, दवाइयां और दूसरी जरूरी मदद भेजी जा रही थी। जांच के मुता. बिक, जब यह फ्लोटिला अंतर्राष्ट्रीय समुद्र में था, तब इजरायली नौसेना ने इसे रोक लिया। आरोप है कि सैनिक जहाजों पर चढ़ गए, वहां मौजूद कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और जहाजों को आगे बढ़ने से रोक दिया। तुर्की का कहना है कि यह कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून के खिलाफ थी, क्योंकि यह घटना अंतर्राष्ट्रीय पानी में हुई थी और जहाज राहत सामग्री लेकर जा रहे थे। इसी वजह से इस पूरे मामले को गंभीर अपराध मानते हुए केस दर्ज किया गया है।

दक्षिण लेबनान में इजरायली हमला, 5 की मौत

काना। लेबनान के दक्षिणी शहर काना में इजरायली हमले में 5 लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, बचाव दल घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हुए हैं। इसके अलावा टायर जिले के अन्य इलाकों में भी हमलों की खबरें सामने आई हैं, जहां कई लोग घायल हुए हैं। काना शहर पहले भी 1996 और 2006 में बड़े हमलों का गवाह रहा है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष की शुरुआत से अब तक हजारों लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हालिया हमलों में भी कई लोगों की मौत और घायल होने की पुष्टि की गई है।

ताइवान सीमा के पास चीनी जहाज-लड़ाकू विमान की हलचल

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्रलय ने रविवार को अपने समुद्री और हवाई क्षेत्र के पास चीन की बड़ी सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि आज सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन के 8 पीएलएएन जहाजे, 2 पीएलए एयरक्राफ्ट और 4 सरकारी जहाज मौजूद थे।

इन 2 विमानों में से एक विमान ने ताइवान के दक्षिण-पूर्वी हवाई सुरक्षा क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। ताइवान की सेना (एमएनडी) ने इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रखी और उचित जवाब दिया। इससे पहले शनिवार को भी चीन ने ताइवान की सीमाओं के पास भारी सैन्य दबाव बनाया था। शनिवार सुबह छह बजे तक चीन के 17 सैन्य विमान, 7 नेवी जहाज और 1 सरकारी जहाज ताइवान के पास देखे गए थे। खास बात यह है कि इन 17 विमानों में से 15 विमानों ने ताइवान की मधय रेखा को पार किया और उत्तरी व दक्षिण-पश्चिमी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान पर चीन का दावा एक बहुत ही जटिल और पुराना मुद्दा है। बीजिंग का मानना है कि ताइवान चीन का एक अटूट हिस्सा है और यह उसकी राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। इसके उलट, ताइवान एक स्वतंत्र पहचान रखता है। वहां की अपनी सरकार, अपनी सेना और अपनी अलग अर्थव्यवस्था है। ताइवान की स्थिति अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहस का विषय है।

इराक में खत्म हुआ लंबा राजनीतिक गतिरोध

निजार अमेदी बने देश के नए राष्ट्रपति, जल्द होगा नए पीएम का चुनाव

बगदाद। इराकी संसद ने राजधानी बगदाद में एक अहम मतदान के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री निजार अमेदी को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया है। संसद के अध्यक्ष हैबत अल-हल्बूसी ने रनआफ मतदान में अमेदी को 227 वोट मिलने के बाद आधिकारिक विजेता घोषित किया।

घोषणा के तुरंत बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने संवैधानिक रूप से पद की शपथ ली। इस महत्वपूर्ण सत्र में 329 सदस्यों वाली संसद के करीब 250 सांसद मौजूद थे। राष्ट्रपति चुनाव के लिए कम से कम 220 सांसदों की मौजूदगी जरूरी थी, इसलिए यह संख्या तय कोरम से अधिक थी। टीवी पर दिखाए गए सत्र के अनुसार, पैट्रियाटिक यूनियन आफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के उम्मीदवार अमेदी को पहले दौर में 208 वोट मिले। उनके मुकाबले में खड़े कुर्दिस्तान इस्लामिक यूनियन के मुथन्ना अमीन को 17 और मौजूदा विदेश मंत्री फुआद हुसैन को 16 वोट मिले। पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, इसलिए मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया। अमेदी बगदाद में पीयूके के राजनी. तिक ब्यूरो के प्रमुख हैं। वे 2022 से 2024 तक इराक के पर्यावरण मंत्री रहे हैं और पूर्व इराकी राष्ट्रपतियों के सलाहकार के रूप में भी काम कर चुके हैं। इराकी संविधान के तहत नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के पास 15 दिनों के भीतर संसद के सबसे बड़े दल के नेता को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित करने का अधिकार होता है। इसके बाद नामित उम्मीदवार के पास 30 दिनों के भीतर नई कैबिनेट गठित करने और विश्वास मत प्राप्त करने का समय होता है। इराक में पिछले साल नवम्बर में संसदीय चुनाव हुए थे। इस मतदान से लंबे समय से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के खत्म होने का संकेत मिला है। कुर्द दलों के बीच सहमति की कमी और कोरम पूरा न होने की वजह से राष्ट्रपति का चुनाव बार-बार टल रहा था। साल 2003 के बाद इराक में सत्ता के बंटवारे की एक व्यवस्था बनी है। इसके तहत राष्ट्रपति का पद कुर्द समुदाय के लिए, संसद अध्यक्ष का पद सुन्नी और प्रधानमंत्री का पद शिया समुदाय के लिए आरक्षित है।

■ पहले दौर में किसी भी उम्मीदवार को दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला, इसलिए मुकाबला अमेदी और अमीन के बीच दूसरे दौर में चला गया